केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल बोले- समझौते में हम कृषि क्षेत्र की सुरक्षा करने में रहे सफल

- 7

अमेरिका के औद्योगिक एवं कृषि उत्पादों की शृंखला पर शुल्क शून्य करेगा भारत

- 10

ड्रोन हमले की घटना के बाद ईरान अमेरिका वार्ता की उम्मीद धूमिल

- 11

आरसीबी की निगाह दूसरे खिताब पर, मिथक तोड़ने उतरेगी दिल्ली

- 12

आज का मौसम

22.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.51

सूर्यास्त 05.55

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्थी 12:22 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 5 फरवरी 2026, वर्ष 36, अंक 1, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

उप्र के संविदा शिक्षक 17 हजार मासिक वेतन पाने के हकदार: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- शीर्ष न्यायालय ने कहा, अनुबंध की समाप्ति के बाद उन्हें स्थायी रूप से नियुक्त माना जाए

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी में उच्च प्राथमिक विद्यालयों के हजारों संविदा शिक्षकों को बड़ी राहत देते हुए बुधवार को फैसला सुनाया कि वे वर्ष 2017-18 से 17 हजार रुपये मासिक वेतन पाने के हकदार हैं। उनके अनुबंध की समाप्ति के बाद उन्हें स्थायी रूप से नियुक्त माना जाए। कोर्ट ने कहा कि इन शिक्षकों का पारिश्रमिक हमेशा के लिए सात हजार रुपये तय करने जैसा अन्यायपूर्ण तरीका जबरन काम कराने और बेगार के समान है। जिसपर संविधान के अनुच्छेद 23 के तहत कड़ी पाबंदी है।

यूपी सरकार की अपील खारिज करते हुए न्यायमूर्ति पंकज मिश्रा और पीबी वराले की पीठ ने राज्य को आदेश दिया कि वह एक अप्रैल 2026 से इन शिक्षकों को प्रति माह 17 हजार रुपये के हिसाब से मानदेय देना शुरू करे और बकाया राशि का भुगतान आज से छह महीने के अंदर किया जाए। कोर्ट ने कहा कि आंशिक समय या संविदा पर नियुक्त किए गए प्रशिक्षकों/शिक्षकों की नियुक्ति प्रारंभिक 11 महीने के अनुबंध या विस्तारित अनुबंध की अवधि समाप्त होने पर संविदा नियुक्ति नहीं रह जाती। इन प्रशिक्षकों/शिक्षकों ने दस साल से अधिक समय तक लगातार काम किया है, इसलिए इन्हें स्थायी रूप से नियुक्त माना जाएगा। क्योंकि समय के साथ और काम की निरंतरता को ध्यान में रखते हुए ऐसे पदों का स्वचालित रूप से सृजन हो जाता है।

लंबित आवास मामलों के निस्तारण को लागू करें ओटीएस : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

- सभी पात्र आवंटियों तक ओटीएस योजना की जानकारी के लिए प्रचार-प्रसार के निर्देश
- डिफॉल्टर मामलों के निस्तारण में गति लाएं, प्रक्रिया को पूरी तरह यूजर-फ्रेंडली बनाएं

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में वर्षों से लंबित आवासीय और व्यावसायिक आवंटन मामलों के निस्तारण के लिए सरकार नई 'एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस-2026)' लागू करने का निर्देश दिया। आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि लंबित देयों और विवादों के कारण आम नागरिकों को परेशानी होती है और विकास योजनाओं की गति भी प्रभावित होती है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ओटीएस-2026 योजना को जन-केंद्रित, पारदर्शी और व्यावहारिक बनाया जाए, ताकि वास्तविक आवंटियों को राहत मिल सके और विभाग को राजस्व प्राप्त हो। एकमुश्त भुगतान करने वाले आवंटियों को देयों पर उपयुक्त छूट देने के साथ किस्तों में भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन का निस्तारण तय समय सीमा में सुनिश्चित किया जाए। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2020 में लागू ओटीएस योजना से बड़ी संख्या में मामलों का समाधान हुआ था, लेकिन कोविड काल के दौरान कई आवंटी अंतिम भुगतान नहीं कर पाए। इन्हीं मामलों को ध्यान में रखते हुए नई योजना लाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि डिफॉल्टर मामलों के निस्तारण में तेजी लाई जाए और पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन व यूजर-फ्रेंडली बनाया जाए। साथ ही, योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि सभी पात्र आवंटी इसकी जानकारी प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि नई ओटीएस योजना से हजारों आवंटियों को राहत मिलेगी और आवास विभाग की योजनाओं को नई गति मिलेगी।

ब्रीफ न्यूज

उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र नौ से

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र 2026-27 नौ फरवरी से शुरू होकर 20 फरवरी तक चलेगा। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल की ओर से दोनों सदनों को एक साथ संबोधित करने के साथ ही सत्र की शुरुआत होगी। उसी दिन राज्यपाल का अभिभाषण पढ़ा जाएगा और अध्यादेश, अधिसूचनाएं, नियम आदि औपचारिक कार्य सदन के पटल पर रखे जाएंगे। बुधवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट सदन में प्रस्तुत किया जाएगा। सत्र के दौरान बजट और उससे संबंधित प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा होगी और यह 20 फरवरी तक संचालित रहेगा।

मुक्तिनाथ तीर्थयात्रा के लिए नेपाल-भारत के बीच सीधी बस सेवा

काठमांडू। नेपाल की बेनी नगरपालिका को भारत की राजधानी नई दिल्ली से जोड़ने वाली सीधी बस सेवा शुरू की गई है। अधिकारियों के मुताबिक, इस बस सेवा के जरिए प्रसिद्ध हिंदू और बौद्ध तीर्थस्थल मुक्तिनाथ की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। बेनी को नेपाल के गंडकी प्रांत के मुस्तांग जिले में स्थित प्राचीन विष्णु मंदिर मुक्तिनाथ का प्रवेश द्वार माना जाता है। मुक्तिनाथ मंदिर, हिंदू और बौद्ध दोनों समुदाय के लोगों के लिए पवित्र है। मुक्तिनाथ को 'मुक्ति के देवता' के रूप में जाना जाता है। हिंदू और बौद्ध धर्म के अनुयायी इसे क्रमशः हिंदू देवता विष्णु और बौद्ध देवता अवलोकितेश्वर से संबंधित पवित्र स्थान मानकर इसकी पूजा करते हैं।

जनगणना के दूसरे चरण से पहले अधिसूचित किए जाएंगे जाति संबंधी प्रश्न

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को संसद को बताया कि जनगणना के द्वितीय चरण में जाति की गणना की जाएगी और जाति से संबंधित प्रश्न दूसरा चरण शुरू होने से पहले अधिसूचित किए जाएंगे। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लिखित जवाब में कहा कि जनगणना 2027 करवाने की मंशा अधिसूचित कर दी गई है। भारत में जनगणना दो चरणों में होती है और प्रथम चरण यानी मकान सूचीकरण कार्य में प्रत्येक परिवार की आवासीय स्थिति, संपत्तियों, सुविधाओं आदि की जानकारी एकत्र की जाती है।

भारी हंगामे के बीच लोकसभा दिन भर के लिए स्थगित, मोदी का संबोधन टला

नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के अंश न पढ़ने देने पर गतिरोध बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में बुधवार को विपक्ष के सांसदों ने आसन के सामने आकर की नारेबाजी।

विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण बुधवार को भी लोकसभा जंग का मैदान बनी रही और उसकी कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद शाम पांच बजे दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। भारी हंगामे के बीच विपक्षी सदस्यों ने आसन के सामने कागज भी शाम पांच बजे राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देना था, लेकिन प्रधानमंत्री का संबोधन भी टल गया।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे के अप्रकाशित पुस्तक के अंश पढ़ने की अनुमति नहीं मिलने और आठ विपक्षी सदस्यों के निलंबन के मुद्दे पर लोकसभा में गतिरोध बना रहा। पूर्वाह्न 11 बजे सदन की बैठक शुरू होते ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराया ही था कि विपक्ष के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया।

विपक्षी सदस्यों ने आसन के समीप और सत्तापक्ष की पंक्तियों के सामने आकर नारेबाजी की। बिरला की रोकटोक के बाद भी विपक्षी सदस्यों का शोरशराबा नहीं थमा तो उन्होंने पांच मिनट बाद ही बैठक दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई तो वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर वक्तव्य पढ़ा। कुछ देर बाद ही हंगामे के बीच बिरला ने सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इसके बाद शाम पांच बजे और फिर पूरे दिन के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

राहुल ने कहा गद्दार, बिट्टू बोले- कांग्रेस नेता देश के दुश्मन

नई दिल्ली। राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच तब कुछ नोकझोंक हुई जब संसद परिसर में कांग्रेस नेता ने उन्हें गद्दार कहकर संबोधित किया और जवाब में बिट्टू ने कांग्रेस नेताओं को देश के दुश्मन बताया। संसद के मकर द्वार के निकट निलंबित आठ विपक्षी सांसदों के प्रदर्शन के दौरान गुजर रहे कांग्रेस नेता रह चुके बिट्टू टिप्पणी करते सुने गए कि ये जंग जीतकर आए हैं। इस पर राहुल गांधी ने कहा, देखिए यहां एक गद्दार चला आ रहा है...मेरे गद्दार मित्र, चिंता मत करो, वापस आ जाओ। इस पर बिट्टू ने कहा कि ये देश के दुश्मन हैं।

पुस्तक के जवाब में पुस्तक निशिकांत दुबे ने की नेहरू को घेरने की कोशिश

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे भी बुधवार को सदन में नरवणे की पुस्तक के जवाब में कुछ पुस्तकें लेकर पहुंचे और उनका जिक्र करते हुए नेहरू-गांधी परिवार पर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने का आरोप लगाया। इस दौरान पीठासीन सभापति तेन्नेटी ने किसी पुस्तक या पत्र का उल्लेख न करने संबंधी अध्यक्ष ओम बिरला के निर्देश का उल्लेख किया, लेकिन दुबे किताबों को दिखाते हुए उनके लेखकों और उनमें लिखी सामग्री के बारे में टिप्पणी करते रहे।

बिरला ने समझाया, नहीं माने

बिरला ने नाराजगी जताते हुए कहा, इस देश में आप सरकार में रहे हैं। फिर भी सदन की मर्यादाओं को तोड़ रहे हैं। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बगैर कहा, आप चुनकर आते हैं। सदन के अंदर और बाहर विरोध का तरीका होता है। हालांकि इसके बाद भी हंगामा नहीं थमा।

ऑनलाइन गेम का टास्क... तीन बहनें नौवीं मंजिल से कूदीं, मौत

- गाजियाबाद के साहिबाबाद में हुई दिल दहलाने वाली घटना, नाबालिग थीं तीनों कोरियन 'लव गेम' की लत की थीं शिकार

गाजियाबाद, एजेंसी

निशिका प्राची पाखी

ऑनलाइन टास्क आधारित कोरियन गेम 'लव गेम' की लत की शिकार तीन नाबालिग बहनों ने गाजियाबाद के साहिबाबाद में मंगलवार देर रात नौवीं मंजिल के एक फ्लैट की बालकनी से कूदकर जान दे दी। पुलिस के मुताबिक कुछ दिनों पहले परिवार ने उनके इस गेम को खेलने पर रोक लगा दी थी, जिसकी वजह से वे परेशान थीं। संभवतः इसी कारण उन्होंने यह कदम उठाया।

शालीमार गार्डन के एसीपी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि तीनों बहनें ऑनलाइन कोरियन गेम 'लव गेम' की आदी थीं, माता-पिता उनके बहुत ज्यादा गेम खेलने पर आपत्ति जताते थे। कोरियन टास्क-बेस्ड गेम में खिलाड़ियों को लक्ष्य दिए जाते हैं, उसी से गेम आगे बढ़ता है। पुलिस की जांच में पता चला कि लड़कियां कोरियन सामग्री से काफी प्रभावित थीं और ज्यादातर समय मोबाइल फोन पर बिताती थीं। एसीपी के मुताबिक मंगलवार देर रात 2:15 बजे सूचना मिली थी कि साहिबाबाद के टीला मोड़ थना क्षेत्र में 'भारत सिटी' के एक टावर की नौवीं मंजिल से तीन लड़कियों ने छलांग लगा दी है। मौके पर पहुंची पुलिस भूतल पर गिरकर बुरी तरह घायल निशिका (16), प्राची (14) और पाखी (12) को एंबुलेंस से लोनी के एक अस्पताल ले गई जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। लड़कियों के पिता चेतन कुमार ने बताया कि घटना के दौरान पूरा परिवार सो रहा था। लड़कियां पानी पीने के बहाने उठीं, अंदर से दरवाजा बंद किया और बालकनी से कूद गईं। उन्होंने बताया कि लड़कियों के पास मोबाइल फोन थे।

कोविड काल में लगी लत, दो साल पहले छोड़ दी पढ़ाई

पुलिस के मुताबिक, बहनें कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन गेम की आदी हो गई थीं। यह लत उन्हें इतनी बुरी तरह लगी कि दो साल पहले उन्होंने स्कूल जाना भी छोड़ दिया। एसीपी ने बताया कि तीनों नहाने से लेकर खाने तक और सोने से लेकर स्कूल जाने तक सब कुछ एक साथ करती थीं। पहले भी पढ़ाई में उनका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था। पुलिस को लड़कियों की एक डायरी मिली है जिसमें एक नोट में लिखा है, इस डायरी में लिखी हर बात पढ़ लेना, सब यहीं है। रोते हुए चेहरे के इमोजी के साथ लिखा था, आई एम रियली सॉरी... सॉरी पापा।

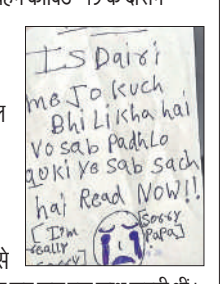

चाइनीज मांझे से एमआर की कटी गर्दन, मौत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की बिक्री शहर में धड़ल्ले से हो रही है। इसकी एक बानगी बुधवार को बाजारखाला के हैदरगंज ओवरब्रिज पर देखने को मिली। बाइक से जा रहे मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (एमआर) मोहम्मद शोएब (33) चाइनीज मांझे की धार गले में लगने से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। गला कटने से वे खून से लथपथ हो गए। पुलिस ने आनन-फानन में घायल को ट्रामा सेंटर पहुंचाया। उपचार के दौरान घायल शोएब की मौत हो गई।

इंस्पेक्टर बाजारखाला बृजेश सिंह ने बताया कि दुबग्गा निवासी मोहम्मद शोएब एमआर थे। परिवार में पत्नी फौजिया, बेटियां बुशरा और इकरा हैं। रोजाना की तरह शोएब पैंट-शर्ट और टाई पहनकर हेल्मेट लगाकर बाइक से निकले थे। करीब दो बजे जैसे ही वे हैदरगंज ओवरब्रिज पर पर पहुंचे, तभी मांझे की धार गले को रेत कर फंस गयी। असंतुलित होने के बाद वे पुल के ऊपर गिर पड़े। राहगीरों ने गले पर रुमाल लपेटने के साथ ही डॉयल-112 पर सूचना दी। जानकारी मिलते ही इंस्पेक्टर बाजारखाला मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में घायल शोएब को ट्रामा सेंटर पहुंचाया। शोएब ने अपना नाम और परिजन का नंबर दिया तो पुलिस ने घरवालों को सूचना दी। इलाज के दौरान शोएब ने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने बताया कि गर्दन की नसें कट गई थीं।

लखनऊ व हरदोई के डीपीआरओ निलंबित

लखनऊ। लखनऊ के प्रभारी जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) जितेंद्र कुमार गोंड और हरदोई के प्रभारी जिला पंचायत राज अधिकारी विनय कुमार सिंह बुधवार को निलंबित कर दिए गए। दोनों को मुख्यालय संबद्ध करके जांच उपनिदेशक को सौंपी गई है, एक माह में जांच रिपोर्ट भी मांगी है। यह कार्रवाई निदेशक पंचायती राज अमित कुमार ने समय पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना पूर्ण न करना, आरजीएसए, एसबीएम, अंत्येष्टि स्थल व अन्य योजनाओं की खराब प्रगति मिलने पर की है। जितेंद्र कुमार के आरोपों की जांच उपनिदेशक पंचायत मुख्यालय योगेंद्र कटियार और विनय कुमार की जांच के लिए उपनिदेशक देवीपाटन मंडल गिरीश चंद्र को नामित किया है।

इलेक्ट्रिक बसों का किराया तय

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: परिवहन निगम ने प्रदेश में विभिन्न जिलों में संचालित अपने इलेक्ट्रिक वाहनों और बसों का किराया बुधवार को तय कर दिया है। इनमें साधारण नान एसी, वातानुकूलित, स्लीपर और हाईएंड स्कैनिया समेत विभिन्न श्रेणी की ई- बसें शामिल हैं। किराये की दरें तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं। इस आशय के आदेश प्रधान प्रबंधक संचालन अनिल कुमार की ओर से सभी क्षेत्रीय और सेवा प्रबंधकों को जारी कर दिए गए हैं। प्रदेश के करीब सात शहरों में तकरीबन 220 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू कर दिया गया है। इनमें प्रमुख रूप से प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर, लखनऊ, आगरा, अलीगढ़, साहिबाबाद आदि जगहों पर ई-बसों का संचालन किया जा रहा है। इसे लेकर अलग-अलग सिंगमेंट ई-बसों का किराया लागू कर दिया गया है।

ई-सेवाओं की कैटेगरी- किराये की दरें (पैसे प्रति यात्री प्रति किमी.)

- साधारण सेवा-इलेक्ट्रिक नॉन एसी- 130.00
- जनरथ 3 बाई टू-इलेक्ट्रिक 3 बाई टू एसी- 163.86
- जनरथ टू-बाई- टू- इलेक्ट्रिक टू बाई टू एसी- 193.76
- एसी स्लीपर- इलेक्ट्रिक स्लीपर एसी- 258.78
- हाई एंड वॉल्वो-स्कैनिया-हाई एंड इलेक्ट्रिक एसी- 286.14

ममता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा- लोकतंत्र को बचा लें

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को एसआईआर पर सुनवाई के दौरान खुद सुप्रीम कोर्ट में दलीलें पेश कीं और चुनाव आयोग पर राज्य को निशाना बनाकर लोगों के अधिकारों का हनन करने का आरोप लगाते हुए शीर्ष कोर्ट से लोकतंत्र की रक्षा करने की अपील की।

सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी की याचिका पर चुनाव आयोग और बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को नोटिस जारी कर नौ फरवरी तक जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने पश्चिम बंगाल की सेवारत मुख्यमंत्री की दलीलों पर गौर करते हुए टिप्पणी की कि पात्र व्यक्तियों को मतदाता सूची में शामिल होना चाहिए। ममता बनर्जी ने कोर्ट में दलीलें देते हुए आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है, लेकिन असम में अलग मापदंड अपनाए जा रहे हैं। ममता ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग आधार कार्ड स्वीकार नहीं कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि कई जीवित व्यक्तियों को मृत घोषित कर दिया गया है।

नीट पीजी के कटऑफ पर्सेंटाइल घटाने पर केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आयुर्विज्ञान में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा नीट-पीजी 2025-26 में दाखिले के लिए पात्रता कटऑफ पर्सेंटाइल में भारी कमी करने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर बुधवार को केंद्र से जवाब मांगा।

कोर्ट ने केंद्र, एनबीईएमएस, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग को नोटिस जारी किए हैं। देश भर में 18,000 से अधिक सीट खाली रहने के कारण बोर्ड ने नीट पीजी 2025 की पात्रता पर्सेंटाइल को संशोधित किया है। आरक्षित श्रेणियों के लिए इसे 40 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया है जिससे कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी भी स्नातकोत्तर मेडिकल सीट के लिए काउंसलिंग के तीसरे दौर में शामिल हो सकेंगे।

मेडिकल डिवाइस पार्क | मैन्युफैक्चरिंग का हब बना यीडा, 101 इकाइयों को मिला भूमि आवंटन

औद्योगिक इकाइयों के लिए 188.15 एकड़ भूमि आरक्षित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 22 नए प्लॉट्स आवंटन के लिए प्रस्तावित, 11 फरवरी तक किया जा सकेगा आवेदन

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को मेडिकल डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में मेडिकल डिवाइस पार्क तेजी से आकार ले रहा है।

यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सेक्टर-28 में 350 एकड़ में विकसित हो रहे इस पार्क में अब तक 101 औद्योगिक इकाइयों को प्लॉट आवंटित किए जा चुके हैं, जिनमें से 12 इकाइयों ने निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया है। नए प्लॉट्स के लिए आवेदन लेना शुरू हो गए हैं।

यीडा के अधिकारियों के अनुसार, मेडिकल डिवाइस पार्क में कुल 188.15 एकड़ भूमि औद्योगिक इकाइयों के लिए आरक्षित है, जहां 203 इंडस्ट्रियल प्लॉट विकसित किए गए हैं। इनमें से आधे से अधिक प्लॉट्स का आवंटन हो चुका है। 49 इकाइयों ने साइट का कब्जा ले लिया है, जबकि 62 लीज डीड निष्पादित की जा चुकी हैं। प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, 23 इकाइयों के भवन मानचित्र स्वीकृत हो चुके हैं। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले कुछ माह में यहां उत्पादन गतिविधियां शुरू होने की संभावना है।

योगी मॉडल को मिलेगी अंतर्राष्ट्रीय पहचान

उद्योग विशेषज्ञों ने कहा, योगी सरकार के विजन के अनुरूप यमुना एक्सप्रेसवे, प्रस्तावित एयरपोर्ट और सिंगल-विंडो क्लीयरेंस सिस्टम से यह क्षेत्र मेडिकल डिवाइस सेक्टर में निवेशकों के लिए आकर्षण बन रहा है। सरकार की नीतियों से आने वाले वर्षों में यूपी, मेडिकल डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग का पावरहाउस बन सकता है। प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी।

समग्र औद्योगिक इकोसिस्टम पर फोकस

मेडिकल डिवाइस पार्क को एक समग्र औद्योगिक इकोसिस्टम के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके तहत वेयरहाउस, ग्रीन एरिया, कामर्शियल जोन, कॉमन फैसिलिटी एरिया और पार्किंग व सड़क अवसंरचना का विकास किया गया है। पार्क में 18.66 एकड़ ग्रीन एरिया, 9.02 एकड़ वेयरहाउस प्लॉट और 4.84 एकड़ कामर्शियल क्षेत्र शामिल हैं।

22 नए प्लॉट्स के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

यीडा ने निवेशकों के लिए नए अवसर खोलते हुए 22 अतिरिक्त औद्योगिक प्लॉट्स के आवंटन की प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत 10.32 एकड़ भूमि पर विकसित प्लॉट्स के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिनमें 1000 वर्गमीटर के 11 प्लॉट, 2100 वर्गमीटर के 9 प्लॉट तथा 5940 वर्गमीटर के 2 प्लॉट शामिल हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 11 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 5 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

श्रमिकों को अधिकारों की दी जानकारी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में श्रम संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन और श्रमिकों के अधिकारों की जानकारी देने के उद्देश्य से लखनऊ में संगोष्ठी आयोजित की गई। प्रमुख सचिव (श्रम एवं सेवायोजन) डॉ. एमके शन्मुगा सुंदरम ने कहा कि श्रम संहिताओं का उद्देश्य श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा के साथ उन्हें मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। एपीसेन रोड स्थित कार्यालय में बुधवार को प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में संपन्न बैठक में मजदूरी संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य स्थितियां संहिता 2020 के प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गयी। बैठक में श्रमिक प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का समाधान भी किया गया और 45 दिवस के भीतर नियमावली पर सुझाव व आपत्तियां प्रस्तुत करने की व्यवस्था की जानकारी दी गई। संगोष्ठी में उत्तर प्रदेश सफाई कर्मचारी संघ और एवरेडी फ्लैशलाइट कंपनी मजदूर यूनियन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और अपने विचार साझा किए। इसके अतिरिक्त श्रम सलाहकार एसोसिएशन, औद्योगिक न्यायाधिकरण और श्रम विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

विधिक माप विज्ञान नियमों में संशोधन पर किया संवाद

अमृत विचार, लखनऊ : ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने और व्यापार-अनुकूल वातावरण बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश में विधिक माप विज्ञान (प्रवर्तन) नियमावली, 2011 में प्रस्तावित संशोधनों पर विचार-विमर्श किया गया है। नियंत्रक, विधिक माप विज्ञान, उप्र. की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित बैठक में हितधारकों के साथ व्यापक स्तर पर चर्चा की गई। बैठक में जनविश्वास अधिनियम-2023 के तहत लघु अपराधों को डिक्रिमिनलाइज कर सजा की बजाय अर्थदंड व्यवस्था लागू करने पर चर्चा हुई। इसके माध्यम से अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और आम जनहित की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। प्रदेश के प्रमुख व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों में फिक्की, सीआईआई, पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स, एसोसिएटेड चैंबर, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, उद्योग व्यापार मंडल और तेल कंपनियों जैसे इंडियन ऑयल, नायरा एनर्जी, एचपीसीएल ने भाग लिया। प्रत्येक प्रस्तावित संशोधन की धारा पर विस्तृत प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया गया और सुझाव एवं आपत्तियां आमंत्रित की गईं।

योगी से मिलकर भाकियू ने जताया आभार

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक ने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर द गंगा सहकारी चीनी मिल, मोरना (मुजफ्फरनगर) के आधुनिकीकरण एवं विस्तार के लिए स्वीकृत 261.91 करोड़ रुपये के निर्णय पर आभार व्यक्त किया। भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि यह निर्णय पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों और चीनी उद्योग के लिए ऐतिहासिक है। उन्होंने बताया कि मिल की पेराई क्षमता प्रथम चरण में 2500 टीसीटी से बढ़ाकर 3500 टीसीडी की जाएगी और भविष्य में इसे 5000 टीसीडी तक ले जाने की योजना है। इस परियोजना से न केवल मिल की उत्पादन क्षमता और तकनीकी स्तर में सुधार होगा, बल्कि किसानों की आय, समयबद्ध भुगतान, रोजगार और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

13 जिलों की अग्निवीर भर्ती कल से

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ के छावनी स्थित एएमसी स्टेडियम में तैयारी शुरू
- रिक्रूटिंग जोन उप्र-उत्तराखंड व लखनऊ के तहत होगी रैली

अमृत विचार : रिक्रूटिंग जोन उप्र. और उत्तराखंड, रिक्रूटिंग ऑफिस (मुख्यालय) लखनऊ अंतर्गत 13 जिलों की अग्निवीर भर्ती रैली 6 से 20 फरवरी तक होगी। छावनी स्थित एएमसी सेंटर और कॉलेज के एएमसी स्टेडियम में अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर (टेक्निकल), अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर टेक्निकल और अग्निवीर (ट्रेड्समैन) की भर्ती रैली की तैयारी शुरू हो गई है। परिसर में टेंट से लेकर अन्य इंतजाम अभ्यर्थियों के लिए किए जा रहे हैं।

रैली में वे अभ्यर्थी शामिल होंगे, जिन्होंने जुलाई 2025 में आयोजित ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) पास किया है। आर्मी रिक्रूटिंग ऑफिस (एआरओ) लखनऊ के तहत 13 जिले औरैया, चित्रकूट, कन्नौज, बांदा, महोबा, हमीरपुर, बाराबंकी, गोंडा, कानपुर देहात, उन्नाव, कानपुर नगर, फतेहपुर और लखनऊ के लगभग 13 हजार अभ्यर्थी शॉर्टलिस्ट किए गए हैं। अभ्यर्थियों को जारी किए गए एडमिट कार्ड पर बताई गई तारीख और समय पर 2 बजे (आधी रात) एएमसी सेंटर और कॉलेज स्टेडियम, लखनऊ में रिपोर्ट करना होगा।

18 को अग्निवीर महिला मिलिट्री पुलिस भर्ती

18 फरवरी को अग्निवीर महिला मिलिट्री पुलिस की अलग से भर्ती रैली आयोजित होगी। इसमें उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के सभी जिलों से करीब एक हजार अभ्यर्थी भाग लेंगे। महिला अभ्यर्थियों को सुबह 4 बजे रिपोर्ट करना होगा। प्रक्रिया एएमसी सेंटर और कॉलेज स्टेडियम में संपन्न होगी।

यूपी में बढ़ा राज्य पक्षी सारस का कुनबा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

20,628
कुल संख्या शीतकालीन गणना में दर्ज

3304 सर्वाधिक इटावा में पाए गए

अमृत विचार : प्रदेश के 68 वन प्रभागों में शीतकालीन गणना में कुल 20,628 सारस पाए गए हैं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में ज्यादा है। वर्ष 2024 में शीतकालीन गणना के दौरान प्रदेश में 19,994 सारस दर्ज किए गए थे। जबकि वर्ष 2023 में प्रदेश में 19,196 सारस पाए गए थे। वन विभाग द्वारा कराई जाने वाली राज्यव्यापी गणना में प्रदेश में राज्य पक्षी सारस की संख्या लगातार बढ़ रही है।

वन विभाग के अनुसार, प्रदेश में सारस की गणना वर्ष में दो बार ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन की जाती है। ताजा गणना में इटावा वन प्रभाग में सर्वाधिक 3304 सारस पाए गए। वहीं, प्रदेश के 10 वन प्रभागों में सारसों की संख्या 500 से अधिक रही।

शीतकालीन गणना के आंकड़ों के मुताबिक, इटावा के बाद मैनपुरी में 2899, औरैया में 1283, शाहजहांपुर में 1078, गोरखपुर में 950, कन्नौज में 826, कानपुर देहात में 777, हरदोई में 752, सिद्धार्थनगर में 736 और संतकबीर नगर में 701 सारस पाए गए।

प्रदेश के 29 वन प्रभागों में सारसों की संख्या 100 से 500 के बीच रही। इनमें रायबरेली, सीतापुर, उन्नाव, बरेली, बाराबंकी, बांदा, फिरोजाबाद, बस्ती, अमेठी, अलीगढ़, बिजनौर, गौतमबुद्धनगर और बहराइच समेत कई जिले शामिल हैं।

गणना के दौरान 29 वन प्रभागों में सारसों की संख्या 100 से कम दर्ज की गई। इनमें पीलीभीत सामाजिक वानिकी, हमीरपुर, अयोध्या, कुशीनगर, हाथरस, मेरठ, मुरादाबाद, प्रयागराज, आजमगढ़, जौनपुर, मऊ, रामपुर और हापुड़ जैसे जिले शामिल हैं।

वन विभाग के अनुसार, इस शीतकालीन गणना कार्यक्रम में प्रदेशभर से करीब 10 हजार नागरिकों ने सहभागिता की।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) अनुराधा वेमुरी ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर वन विभाग वन्यजीव संरक्षण के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन गणनाओं से सारस संरक्षण की स्थिति पर नियमित निगरानी रखी जा रही है।

अयोध्या में बनेगी 'वैदेही आर्ट गैलरी'

मुख्यमंत्री योगी ने श्रीअयोध्या धाम में गैलरी की स्थापना के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीता मइया के जीवन संदेश से होगा साक्षात्कार
- मिथिला की संस्कृति और कला के विविध आयाम दिखेंगे

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीअयोध्या धाम में माता सीता के जीवन और आदर्शों पर केंद्रित 'वैदेही आर्ट गैलरी' की स्थापना के निर्देश दिए हैं। आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की बुधवार को आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि सीता मइया भारतीय संस्कृति, मर्यादा और नैतिक मूल्यों की प्रतीक हैं और नई पीढ़ी को उनके दिव्य चरित्र से जोड़ना समय की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित वैदेही आर्ट गैलरी केवल एक कला-संग्रहालय नहीं होगी, बल्कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से माता सीता के जीवन, त्याग, करुणा, धैर्य और शक्ति को जीवंत रूप में प्रस्तुत करने वाला सांस्कृतिक केंद्र बनेगी। उन्होंने कहा कि गैलरी की अवधारणा ऐसी होनी चाहिए कि आगंतुक केवल जानकारी न प्राप्त करें, बल्कि सीता माता के जीवन-संदेश को अनुभव भी कर सकें। मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या विकास प्राधिकरण को निर्देश दिया कि यह गैलरी श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निकट वरिष्ठ (वशिष्ठ) भवन परिसर में विकसित की जाए, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि यह परियोजना अयोध्या को वैश्विक सांस्कृतिक नगर के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगी। साथ ही निर्देश दिए कि गैलरी में मिथिला की संस्कृति, लोकपरंपराओं और कला के विविध स्वरूपों को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाए, जिससे माता सीता की विरासत को समग्र रूप में प्रस्तुत किया जा सके।

अयोध्या के गुप्तारघाट पर स्थापित की जा रही रामायण आधारित मूर्तियां।

गुप्तारघाट का वैभव लौटा, जल्द खुलेगा ओपन एयर थियेटर

अमृत विचार, लखनऊ : योगी सरकार के प्रयासों से अयोध्या के गुप्तारघाट का वैभव पुनः लौट रहा है। तीसरे चरण के विकास कार्य अंतिम दौर में हैं और ओपन एयर थियेटर संभवतः होली तक जनता के लिए खुल जाएगा। इस परिसर में रावण वध, हनुमान और जटायु की भव्य मूर्तियां स्थापित की जा चुकी हैं, जो रामायण की कहानी को जीवंत रूप में दर्शाएंगी। मान्यता है कि भगवान श्री राम ने इसी घाट से जल समाधि ली थी। पहले दो चरणों में घाट का सौंदर्यीकरण, वॉटर स्पोर्ट्स सुविधाएं, आधुनिक पार्क और योग-ध्यान केंद्र तैयार किए जा चुके हैं। तीसरे चरण में 18.34 करोड़ रुपये की लागत से पार्किंग, पाथवे, टिकट घर, गार्ड रूम, टॉयलेट ब्लॉक, किचन, इंटरप्रिटेशन सेंटर, भित्ति चित्र और बाउंड्री वॉल का काम तेजी से चल रहा है। योगी सरकार की रामराज्य की परिकल्पना के अनुरूप ओपन एयर थियेटर में रामायण आधारित नाटक, भजन-कीर्तन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और रामलीला का आयोजन होगा। विशाल मूर्तियों के साथ यह स्थल आकर्षण केंद्र बनेगा। परियोजना यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा क्रियान्वित की जा रही है। अयोध्या परियोजना प्रबंधक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और फरवरी 2026 में परियोजना पूर्ण होगी।

हर बूथ पर बनाए जाएंगे मतदाता सहायता केंद्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाताओं की सुविधा के लिए निर्देश जारी

अमृत विचार : प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 अभियान के तहत मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रदेश के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाता सहायता केंद्र (वोटर असिस्टेंस सेंटर) स्थापित किए जाएंगे। इस संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के अनुसार, विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 6 जनवरी 2026 को मतदाता सूची प्रकाशित की जा चुकी है और उसी दिन से दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जा रही हैं। प्रक्रिया को अधिक सरल और सुलभ बनाने के उद्देश्य से मतदान सहायता केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। मतदाता सहायता केंद्रों पर प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) की उपस्थिति अनिवार्य होगी। बीएलओ के पास 6 जनवरी 2026 को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची, वर्ष 2003 की अंतिम विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण मतदाता सूची, मृतक, स्थानांतरित, अनुपस्थित एवं दोहरी प्रविष्टि से संबंधित सूची उपलब्ध रहेगी।

इसके अलावा सहायता केंद्रों पर फार्म-6, 7 और 8 तथा घोषणा पत्र भी उपलब्ध कराए जाएंगे। पात्र नागरिकों को 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग कराने और आवश्यक फार्म भरने में बीएलओ द्वारा सहयोग दिया जाएगा।

सिल्क एक्सपो बना शुद्ध रेशम का भरोसेमंद मंच

एक्सपो में लगे 55 स्टालों पर देशभर के उत्पाद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

स्टाल पर रेशम का वस्त्र दिखाता कारोबारी।

अमृत विचार : योगी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के पारंपरिक रेशम उद्योग को नई पहचान मिल रही है। इसी क्रम में राजधानी लखनऊ में मंत्री राकेश सचान ने रेशम विभाग द्वारा आयोजित सिल्क एक्सपो-2026 का शुभारंभ किया और बताया कि शुद्ध सिल्क की पहचान के लिए पहली बार एक्सपो में सिल्क टेस्टिंग लैब स्थापित की गई है, जहां लोग मौके पर ही रेशम की शुद्धता की जांच करा सकते हैं। इससे उपभोक्ताओं को असली और मिलावट-मुक्त सिल्क खरीदने में सुविधा मिलेगी।

गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बुधवार को रेशम उद्योग मंत्री ने बताया कि एक्सपो में शुद्ध रेशम की पहचान और मिलावट से बचाव पर विशेष फोकस किया गया है। साथ ही कहा कि योगी सरकार के प्रयासों से प्रदेश में रेशम उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पहले जहां उत्पादन 27 मीट्रिक टन था, वह अब बढ़कर 450 से 500 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। सरकार का लक्ष्य प्रदेश को रेशम उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है।

6 फरवरी तक चलने वाले इस सिल्क एक्सपो में उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों के बुनकरों के 55 स्टाल लगाए गए हैं। यहां बनारसी, चंदेरी, कांजीवरम, मैसूर सिल्क, पैठणी और धर्मावरम साड़ियों समेत शुद्ध रेशमी उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री की जा रही है।

इस अवसर पर पं. दीनदयाल उपाध्याय रेशम रत्न सम्मान प्रदान किया गया और रेशम मित्र-2025 पत्रिका का विमोचन भी हुआ।

पर्यटन क्षेत्र बनेगा मजबूत ग्रोथ इंजन

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में पर्यटन क्षेत्र को मजबूत ग्रोथ इंजन के रूप में विकसित किया जा रहा है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि वर्ष 2047 तक प्रदेश में 100 करोड़ से अधिक पर्यटकों के आगमन, राज्य की जीवीए में पर्यटन का योगदान 5 प्रतिशत और देश के कुल पर्यटन जीवीए में यूपी की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है।

- देश के कुल पर्यटन जीवीए में यूपी की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य : जयवीर सिंह

गोमतीनगर स्थित पर्यटन भवन में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी के विजन के अनुरूप पर्यटन को आर्थिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन का प्रमुख माध्यम बनाया जा रहा है। 2027-28 तक वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पर्यटन अवसंरचना, निजी निवेश और सेवाओं में सुधार पर विशेष फोकस किया जा रहा है।

पर्यटन रोडमैप के अनुसार, वर्तमान में राज्य की जीवीए में 1.2 प्रतिशत योगदान देने वाला पर्यटन क्षेत्र 2047 तक 5 प्रतिशत तक पहुंचाया जाएगा। देश के पर्यटन जीवीए में यूपी की हिस्सेदारी 9.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 16 प्रतिशत करने की योजना है। विदेशी पर्यटकों की संख्या 45 लाख से अधिक करने का लक्ष्य भी रखा गया है।

अयोध्या, काशी, मथुरा, नैमिषारण्य, कालिंजर फोर्ट और बाबा नीब करौरी जैसे धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों पर विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। बेहतर कनेक्टिविटी, होमस्टे, 5-स्टार होटल, स्वच्छता और सुरक्षित पर्यटन वातावरण को प्राथमिकता दी जा रही है।

इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2025-26 के पुरस्कृत विजेताओं के साथ अधिकारी। अमृत विचार

स्किल्स प्रतियोगिता में दिखा यूपी के युवाओं का दम, 40 विजेता सम्मानित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : योगी सरकार की पहल से प्रदेश के युवा अब वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो रहे हैं। उप्र. कौशल विकास मिशन के तहत आयोजित इंडिया स्किल्स कॉम्पीटिशन 2025-26 की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के 40 विजेताओं को विभागीय उच्च अधिकारियों द्वारा 20 विभिन्न स्किल ट्रेड्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्रत्येक ट्रेड से दो विजेताओं का चयन किया गया।

कौशल विकास मिशन मुख्यालय में बुधवार को सम्मान समारोह में कौशल विकास प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं युवाओं में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करती हैं और उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचने का अवसर देती हैं। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि सभी चयनित विजेता 4 और 5 फरवरी को लखनऊ में आयोजित विशेष बूट कैंप में भाग लेंगे, जहां उन्हें नॉर्थ रीजनल स्किल्स प्रतियोगिता की तैयारी कराई जाएगी।

मालूम हो कि वर्ष 2026 के लिए प्रदेश से 1.09 लाख से अधिक पंजीकरण हुए हैं, जिससे उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक पंजीकरण वाला राज्य बन गया है। इस वर्ष प्रदेश ने 20 स्किल्स में भागीदारी कर कौशल विकास के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

कार्यक्रम के दौरान कौशल विकास मिशन के सोशल मीडिया सेल का शुभारंभ और नार्थ रीजनल एनआईईएसबीयूटी के साथ एमओयू का हस्तांतरण भी किया गया।

बाल-प्रेम

बालहठ के साथ निश्छल मन से अपनी बात जनता दर्शन में मुख्यमंत्री के सामने रखते हैं प्रदेश भर के बच्चे

बच्चों की जिद में पिघल जाते कठोर समझे जाने वाले सीएम योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

बच्चे को चॉकलेट देकर दुलारते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : सख्त कानून व्यवस्था और अपराध के खिलाफ कठोर रुख के लिए पहचाने जाने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का एक अलग ही रूप बच्चों के बीच देखने को मिलता है। मासूमों की जिद, उनकी बेबाक फरमाइश और निश्छल मुस्कान के सामने मुख्यमंत्री का कोमल हृदय स्वतः झलकने लगता है। यही वजह है कि प्रदेश भर से बच्चे बेझिझक मुख्यमंत्री तक पहुंचते हैं और अपनी बात बालहठ के साथ रखते हैं।

कभी नर्सरी में एडमिशन की जिद, तो कभी चॉकलेट की फरमाइश, बच्चों के ये मासूम दृश्य अक्सर मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान देखने को मिलते हैं। हाल ही में 'जनता दर्शन' में मां के साथ आई बच्ची अनाबी अली का मुख्यमंत्री से संवाद सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना। एबीसीडी और कविता सुनाकर अनाबी ने मुख्यमंत्री का दिल जीत लिया। मुख्यमंत्री ने न सिर्फ उसका उत्साह बढ़ाया, बल्कि शिक्षा से जुड़े निर्देश भी तत्काल दिए।

डॉक्टर बनने की इच्छा पर मायरा से प्रभावित हुए योगी

मुख्यमंत्री योगी बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा को लेकर विशेष रूप से संवेदनशील हैं। 'जनता दर्शन' के माध्यम से लखनऊ की अनाबी अली, कानपुर की मायरा, गोरखपुर की पंखुड़ी और मुरादाबाद की वाची का स्कूल में प्रवेश कराया गया। मायरा ने डॉक्टर बनने की इच्छा जताई तो मुख्यमंत्री ने तत्काल एडमिशन के निर्देश दिए। पंखुड़ी की फीस माफ कराकर उसे दोबारा स्कूल भेजा गया।

मूक-बधिर खुशी को मिला सुरक्षित भविष्य का भरोसा

कानपुर की मूक-बधिर युवती खुशी गुप्ता का मामला भी मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता का उदाहरण है। पैदल चलकर लखनऊ पहुंची खुशी को मुख्यमंत्री ने न सिर्फ स्नेह दिया, बल्कि उसके सुरक्षित भविष्य का भरोसा भी दिलाया। वहीं, मेजर की बेटी अंजना भट्ट की शिकायत पर 24 घंटे के भीतर मकान कब्जा मुक्त कराना मुख्यमंत्री के त्वरित निर्णय का उदाहरण है।

मकर संक्रांति पर गोरखनाथ मंदिर में एक बच्चे से "और क्या चाहिए" पूछकर उसके जवाब पर खिलखिलाकर हंसना या गणतंत्र दिवस परेड के दौरान बच्चों को पास बुलाकर दुलारना आदि मौके मुख्यमंत्री के बाल प्रेम को उजागर करते हैं। मुख्यमंत्री का वात्सल्य भाव 26 जनवरी को परेड के दौरान देखने को मिला, एक नन्ही बच्ची को गोद उठा लिया।

बच्चों से यह आत्मीय जुड़ाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें शासन सिर्फ आदेश नहीं, बल्कि संवेदना और अपनत्व का माध्यम भी है।

वृद्ध मां के दर्द से द्रवित हुए योगी

बीते सितंबर में 'जनता दर्शन' में कानपुर की रायपुरवा निवासी एक वृद्ध मां अपने कैंसर पीड़ित बेटे का दर्द लेकर मुख्यमंत्री योगी के पास पहुंची थीं। उनकी तकलीफ देखकर सीएम द्रवित हो गए और कैंसर पीड़ित बेटे को एंबुलेंस से सीधे कल्याण सिंह सुपर स्पेशियिलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट भिजवाकर उसका इलाज प्रारंभ कराया।

प्रदेश में कैंसर ट्रीटमेंट नेटवर्क स्थापित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अब इलाज के लिए दिल्ली-मुंबई पर निर्भरता खत्म

अमृत विचार: कैंसर के इलाज के लिए अब उत्तर प्रदेश के मरीजों को दिल्ली या मुंबई जाने की जरूरत नहीं है। लखनऊ से वाराणसी तक विकसित कैंसर ट्रीटमेंट नेटवर्क राज्य को देश का सबसे बड़ा और सुलभ कैंसर उपचार केंद्र बनाता है। राजधानी लखनऊ में कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान और वाराणसी में महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र और होमी भाभा कैंसर अस्पताल टाटा मेमोरियल मॉडल पर काम कर रहे हैं।

कल्याण सिंह कैंसर संस्थान में 220 बेड, आधुनिक रेडियोथेरेपी, कीमोथेरेपी और सर्जरी की सुविधाओं के साथ मरीजों को एक छत के नीचे समग्र इलाज उपलब्ध है। वाराणसी के केंद्र पूर्वांचल के लिए जीवनरेखा साबित हुए हैं, जहां रेफरल सिस्टम, विशेषज्ञ परामर्श और तकनीकी सहयोग के जरिए त्वरित इलाज दिया जाता है। उत्तर प्रदेश में कैंसर स्क्रीनिंग, ओपीडी और सफल सर्जरी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जिला गैर-संचारी रोग (एनसीडी) क्लिनिक के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्तन और सर्वाइकल कैंसर की जागरूकता एवं शुरुआती जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री राहत कोष भी गंभीर रोगियों के लिए सुरक्षा कवच बना है।

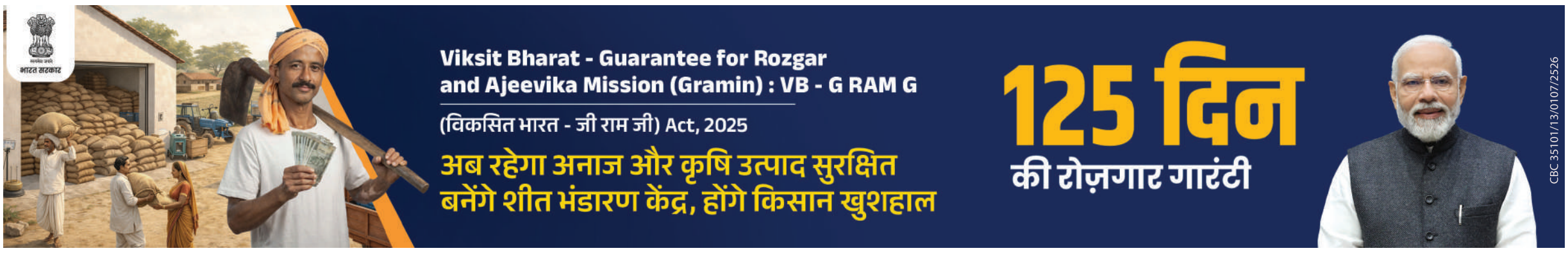

न्यूज ब्रीफ

स्टंट करने वाली थार समेत तीन गाड़ियां सीज

अमृत विचार, लखनऊ : जनेश्वर मिश्र पार्क के आसपास और जी-20 रोड पर खतरनाक स्टंट और टक्कर मारकर बैरिकेडिंग गिराने वाली तीन गाड़ियों को चिन्हित कर पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। इंस्पेक्टर गोमतीनगर विस्तार सुधीर कुमार अवस्थी ने बताया कि थार जीप, स्कार्पियो और सियाज गाड़ी को सीज कर दिया गया है। अन्य गाड़ियों की तलाश भी की जा रही है। सोमवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में एक युवक बिना नंबर प्लेट की थार से पुलिस बैरिकेडिंग को टक्कर मारते और इसके बाद चलती गाड़ी में खतरनाक स्टंट करते हुए नजर आया था।

दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, लखनऊ : मोहनलालगंज के कल्ली पूरब में रहने वाली युवती ने पति व ससुरालवालों के खिलाफ मारपीट व दहेज उत्पीड़न समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करायी है। पीड़िता का पति पीजीआई में संविदाकर्मी है। आरोप है कि पति के दूसरी महिला से संबंध हैं। युवती ने बताया कि पीजीआई के संविदाकर्मी के साथ 30 अप्रैल 2008 को विवाह हुआ था। उनके दो बच्चे हैं। पीड़िता ने बताया कि पति ने एक प्लाट खरीदा। जिसपर उसके नाम से कर्ज लेकर निर्माण कराया गया। इसी बीच अनबन होने पर पति दोनों बच्चों को लेकर अपने बहन के यहां चला गया। वहां अन्य ससुरालीजन भी रहते हैं। आरोप है कि उसके पति का दूसरी महिला से नजदीकी हो गई है। जिसके चलते दूसरी शादी करना चाह रहे हैं। युवती का आरोप है कि ससुरालवाले पांच लाख रुपयों की मांग कर रहे हैं। मकान बेचने के लिए उसके घर पर आये और उस पर तेजाब डालने का भी प्रयास किया। शोर होने पर आरोपी भाग निकले। इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

क्लीनिक में लगा ताला।

सतीश पॉली क्लीनिक पर लगा ताला

अमृत विचार, लखनऊ : काकोरी के ग्राम दोना में संचालित सतीश पॉली क्लीनिक पर ताला लग गया है। संचालक ने ही ताला लगाकर चाभी सीएचसी अधीक्षक केडी मिश्रा को सौंप दी है। सीएचसी अधीक्षक ने 31 जनवरी को क्लीनिक का निरीक्षण किया था, जहां एक मरीज का इलाज आईवी फ्लूड के माध्यम से करते हुए सतीश यादव को पाया गया। जांच में सामने आया कि सतीश की केवल डिप्लोमा इन फार्मेसी योग्यता है, बावजूद इसके वह चिकित्सकीय उपचार दे रहे थे। निरीक्षण में क्लीनिक के भीतर चार बेड और एक मॉनिटर पाए गए थे, वहीं फार्मेसी में बड़ी मात्रा में दवाइयां मौजूद थीं। क्लीनिक संचालक ने फार्मेसी लाइसेंस तो दिखाया, लेकिन क्लीनिक संचालन के लिए कोई अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका था। इस पर अधीक्षक ने नोटिस देकर तत्काल संचालन बंद करने को कहा था। इसके बावजूद आरोपी ने क्लीनिक का संचलन बंद नहीं किया। जिसके बाद अधीक्षक ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की थी। कार्रवाई के डर से आरोपी संचालक ने स्वयं ही क्लीनिक को बंद कर दिया है।

मुखिया की जान लेकर प्रतिबंधित चीनी मांझे ने बिखेर दिया परिवार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- हैदरगंज ओवरब्रिज पर मांझा गले में फंसने से हुई शोएब की मौत

अमृत विचार: करीब नौ वर्ष पहले प्रतिबंधित किए गए चीनी मांझे ने मुखिया की गर्दन काटकर एक और परिवार को बेसहारा कर दिया। इसके पहले जून 2024 में भी मांझे से गर्दन कटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पिछले दो-ढाई वर्ष में नौ लोग अस्पताल पहुंच चुके हैं। सैकड़ों की संख्या में पक्षी भी जान गंवा चुके हैं। इसके बावजूद प्रशासन जानलेवा बन चुके इस मांझे की बिक्री पर रोक नहीं लगा पा रहा है। बाजारखाला के हैदरगंज ओवरब्रिज पर एमआर मोहम्मद शोएब की गर्दन मांझे की चपेट में आ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन जान नहीं बच पाई। शोएब की मौत से उनकी पत्नी फौजिया, सात वर्षीया बेटी बुशरा और दो वर्षीया इकरा बेसहारा हो गई हैं। परिवार में कोहराम मचा है।

मृतक मोहम्मद शोएब।

2017 से प्रतिबंधित है चीनी मांझा

- नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने चीनी मांझे के निर्माण व इस्तेमाल पर 11 जुलाई 2017 को ही प्रतिबंध लगा दिया था। साथ ही आदेश में कहा था कि चीनी मांझे की बिक्री व उसका प्रयोग कानूनन अपराध है। इससे आसमान में पक्षियों और जमीन पर लोगों की जान का खतरा है। प्रतिबंध के बावजूद अवैध रूप से इसकी बिक्री और इस्तेमाल जारी है।

पुराने शहर में चोरी छिपे बिकता है चाइनीज मांझा

- सूत्रों के अनुसार अकबरी गेट, वजीरबाग, बाजारखाला, हुसैनगंज और बाबूगंज समेत कई इलाकों में चाइनीज मांझे की बिक्री चोरी-छिपे हो रही है। नायलॉन के धागे पर कांच की कोटिंग के बाद यह मांझा तैयार होता है। इसे काटने के लिए कैंची का इस्तेमाल करना पड़ता है। जबकि सामान्य मांझा आसानी से टूट जाता है। सामान्य मांझा चाइनीज मांझे से महंगा भी होता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत के बाद भी न तो प्रशासन ने दुकानें चिन्हित की और न ही किसी पर कार्रवाई की।

चीनी मांझे से शहर में हुए हादसे

- 8 अक्टूबर 2025 : बिल्लौचपुरा ओवरब्रिज पर व्यापारी नेता आसिम मार्शल घायल।
- 4 अप्रैल 2025 : विधानभवन के सामने सिपाही आरती कुमारी घायल।
- 23 फरवरी 2025 : बीबीडी में शुभम घायल।
- 2 अक्टूबर 2024 : पकरी पुल पर दरोगा आसिफ अली घायल।
- 25 अगस्त 2024 : नाका फ्लाईओवर पर सैफ घायल।
- 28 जुलाई 2024 : विधानभवन के पास लांड्री संचालक दिलीप की गर्दन कटी।
- 16 जून 2024 : : चौक में गर्दन कटने से सुधाकर की मौत।
- 14 नवंबर 2023 : अलीगंज में अभिषेक घायल।
- जून 2023 : खुर्रमनगर में कार की सनरूफ पर खड़े रियान सिंह, गौरी घायल।
- 15 मई 2023 : : पिता संग जा रही मर्सिया हुसैन मांझे की चपेट में आई।

पॉलीथिन और गंदगी मिलने पर जुर्माना

अमृत विचार, लखनऊ : नगर निगम ने बुधवार को प्रतिबंधित पॉलीथिन, गंदगी और अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाकर 76,000 रुपये जुर्माना वसूला। जोन -2 में राजेंद्र नगर ऐशबाग पुल के नीचे चलाए गए अभियान में प्रतिबंधित पॉलीथिन मिलने पर तीन चालान करके 13,000 रुपये जुर्माना वसूला। अतिक्रमण एवं गंदगी फैलाने पर 7 चालान करके 26,500 रुपये शमन शुल्क जमा कराया। जोन 3 में पुरनिया से सब्जी मंडी के पीछे तक अभियान में गंदगी मिलने पर 12,000 रुपये और प्रतिबंधित पॉलीथिन के प्रयोग पर 16,000 रुपये जुर्माना वसूला।

सड़क हादसों में महिला वकील समेत दो की मौत

अमौसी एयरपोर्ट के सामने कार ने मारी महिला को टक्कर

संवाददाता, सरोजनीनगर

- ड्यूटी से लौट रहे युवक की स्कूटी में कार ने मारी टक्कर

अमृत विचार: एयरपोर्ट रनवे के सामने गिंदनखेड़ा मोड़ पर बुधवार सुबह बेकाबू कार की टक्कर से स्कूटी सवार महिला अधिवक्ता की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक कार लेकर भाग निकला। इसी थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात ड्यूटी से वापस लौट रहे युवक की स्कूटी में वैगन आर कार ने सामने से टक्कर मार दी। हादसे में घायल की इलाज के दौरान मौत हो गयी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सरोजनीनगर के जयराजपुरी कॉलोनी निवासी स्मिता द्विवेदी (45) थी। परिवार में पति ऋतुराज, बेटी पीहू और बेटा विराट हैं। बुधवार सुबह करीब 10 बजे स्मिता स्कूटी से ठाकुरगंज स्थित मायके जा रही थी। रास्ते में एयरपोर्ट रनवे के सामने गिंदनखेड़ा मोड़ पर बेकाबू कार ने स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में वह बुरी तरह घायल हो गयी।

मृतक स्मिता द्विवेदी व ललित चौधरी।

बच्चों को स्कूल ले जाने वाला पूर्व चालक हंसराज वहां से निकल रहा था।

स्मिता को घायल हालत में पड़ा देख कमांड अस्पताल पहुंचाने के साथ ही पति ऋतुराज को सूचना दी। हालत गंभीर होने पर कमांड अस्पताल से स्मिता को लोकबंधु रेफर कर दिया गया, जहां उनकी मौत हो गयी। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

वहीं, बंथरा के औरावां निवासी राम मिलन ने बताया कि चाचा रामचंद्र का बेटा ललित चौधरी (41) सरोजनीनगर के जयराज पूरी कॉलोनी में पत्नी पूजा के साथ रहकर अमौसी औद्योगिक क्षेत्र (नादरगंज) स्थित गोमती ब्रेड कंपनी में नौकरी करता था। मंगलवार रात करीब 11 बजे वह ड्यूटी से छुट्टी होने के बाद स्कूटी से वापस घर लौट रहा था। अमौसी औद्योगिक क्षेत्र में बद्री नगर पुलिया से आगे पहुंचते ही विपरीत दिशा से आ रही वैगनआर कार ने स्कूटी में टक्कर मार दी।

हादसे में वह बुरी तरह घायल हो गया। घटना के बाद चालक कार छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने गंभीर हालत में उसे लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने घायल को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। लेकिन ट्रामा सेंटर ले जाते समय रास्ते में ही ललित ने दम तोड़ दिया।

पुलिस ने वैगन आर कार को कब्जे में ले लिया है। राम मिलन ने बताया कि ललित को बुधवार को अपने मामा के बेटे की शादी में शामिल होने काकोरी के मौंदा गांव जाना था। लेकिन रात में अचानक यह घटना हो गई।

गोमती नगर स्थित बौद्ध संस्थान में सेल्स बार एसोसिएशन ने समारोह का आयोजन का अधिवक्ताओं को सम्मानित किया। अमृत विचार

साया का भय दिखाकर महिला से टप्पेबाजी

संवाददाता, सरोजनीनगर

- उचक्के ले उड़े चेन व टॉप्स, कागज की पुड़िया में मिले कंकड़

अमृत विचार: बंथरा इलाके में बुधवार दोपहर सब्जी खरीदने गई महिला को दो टप्पेबाजों ने फंसाया। साया का डर दिखाया। फिर तंत्रमंत्र का झांसा देकर चेन व टॉप्स लेकर फरार हो गए। महिला ने कागज की पुड़िया खोली तो उसमें कंकड़ मिले।

बंथरा गांव निवासी मजदूर श्रीराम की पत्नी विद्या (50) बुधवार दोपहर करीब तीन बजे बंथरा साप्ताहिक बाजार में सब्जी लेने गई थीं। इसी दौरान दो अज्ञात युवक उसके पास पहुंचे और उस पर ऊपरी साया होने की बात कहने लगे। डर और भ्रम में डालते हुए दोनों ने विद्या को बाजार की भीड़ से अलग ले जाकर तंत्रमंत्र और पूजा के बहाने उसके गले में पहनी सोने की चेन और कानों के सोने के टॉप्स उतरवा लिए। इसके बाद उन्होंने गहनों को कागज की एक पुड़िया में रखने का दावा करते हुए उसे थमा दी।

साथ ही घर जाकर खोलने की हिदायत देकर वहां से फरार हो गए। कुछ दूर जाने पर करीब 15 मिनट बाद जब विद्या ने पुड़िया खोली तो उसमें कंकड़-पत्थर निकले। पीड़िता को रोते देख लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई, जिन्हें उसने पूरी घटना बताई। इसके बाद पीड़िता अपने घर चली गई। इंस्पेक्टर राणा राजेश सिंह ने बताया कि उन्हें ऐसी किसी घटना की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि पीड़िता की ओर से तहरीर मिलती है तो मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पार्टो से लिवर सिरोसिस से मरीज को दिया नया जीवन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- महिला मरीज के पेट में हो रहा था रक्तस्राव
- केजीएमयू में पहली बार पार्टो तकनीक से हुआ इलाज

अमृत विचार : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के डॉक्टरों ने लिवर सिरोसिस से पीड़ित 55 वर्षीय महिला की जान बचाने में सफलता पाई है।

महिला के पेट और आंतों में लगातार हो रहे गंभीर रक्तस्राव को डॉक्टरों ने पहली बार प्लग-असिस्टेड रेट्रोग्रेड ट्रांसवेनस ऑब्लिटरेशन (पार्टो) प्रक्रिया अपनाकर रोका। इलाज के बाद मरीज की हालत में तेजी से सुधार हुआ और उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गयाहरदोई निवासी महिला को लिवर सिरोसिस था। परिवारीजनों ने कई स्थानीय अस्पतालों में दिखाया। लेकिन मरीज को फायदा नहीं हुआ। परिवारीजन मरीज को लेकर केजीएमयू गेस्ट्रोमेडिसिन विभाग की ओपीडी में पहुंचे। विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित रुंगटा ने मरीज की जरूरी जांचें कराई। सिरोसिस की वजह से महिला को पेट और आंतों में रक्तस्राव हो रहा था। एंडोस्कोपिक जांच में पाया गया कि महिला की पेट की रक्त वाहिका सूज गईं थीं। रक्त वाहिकाओं पर दबाव पड़ने की वजह से रक्तस्राव हो रहा था। इसके लिए महिला को ग्लू का इंजेक्शन दिया गया। लेकिन मरीज को राहत नहीं मिली। फिर मरीज के पेट का सीटी स्कैन कराया गया। जिसमें रक्तस्राव के सटीक स्थान का पता लगाया गया।डॉ. सुमित रुंगटा ने बताया कि पेट में बार-बार होने वाले रक्तस्राव और रेडियोलॉजिकल निष्कर्षों को देखते हुए, डॉक्टरों ने पार्टो प्रक्रिया से इलाज का फैसला किया। सामान्य मामलों में बैलून लगे कैथेटर का इस्तेमाल किया जाता है। जबकि इस प्रक्रिया में बैलून के बजाय एम्पलैटजर वैस्कुलर प्लग और जिलेटिन स्पंज का इस्तेमाल किया गया। इससे रक्तस्राव रोका गया। रक्तस्राव रुकने के बाद मरीज की तबीयत में तेजी से सुधार देखने को मिला। लिहाजा मरीज को डिस्चार्ज कर दिया गया है। इलाज की इस प्रक्रिया में डॉ. अनन्य गुप्ता, रेडियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनित परिहार, डॉ. सौरभ गुप्ता, डॉ. सिद्धार्थ, डॉ. शशांक गुप्ता और डॉ. तुषार कुंडू ने योगदान दिया।

बलरामपुर अस्पताल में जल्द लगेगी एमआरआई मशीन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- स्थापना दिवस पर उप मुख्यमंत्री ने दिया सभी संसाधन उपलब्ध कराने का आश्वासन

अमृत विचार : बलरामपुर अस्पताल में मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) मशीन लगाने की कवायद फिर से तेज हो गई है। स्थापना दिवस समारोह में मंगलवार को पहुंचे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अस्पताल प्रशासन को मशीन का आश्वासन दिया है। एमआरआई मशीन लगाने के लिए भवन का निर्माण वर्ष 2023 में ही पूरा हो चुका है।

प्रदेश के किसी सरकारी अस्पताल में अभी एमआरआई जांच की सुविधा नहीं है। मरीजों को केजीएमयू, पीजीआई और लोहिया संस्थान रेफर किया जाता है। चिकित्सा संस्थानों में मरीजों की संख्या अधिक होने से लंबी वेटिंग रहती है। इससे मरीजों को निजी निजी केंद्रों पर जांच करानी पड़ती है। बलरामपुर अस्पताल प्रदेश का सबसे बड़ा रेफरल और जिला अस्पताल है। इस अस्पताल की ओपीडी में रोजाना पांच हजार से अधिक मरीज आते हैं। इमरजेंसी भी 24 घंटे संचालित होती है। करीब 15 से 20 मरीजों को रोजाना एमआरआई जांच लिखी जाती है। मरीज निजी केंद्र पर जांच कराने को मजबूर हैं।

गौरतलब है कि अस्पताल में एमआरआई मशीन लगाने के लिए वर्ष 2023 में भवन का निर्माण कराया जा चुका है। मशीन खरीद प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी। मार्च 2024 में तत्कालीन निदेशक डॉ. पवन कुमार अरुण ने मशीन का प्रस्ताव नए सिरे से प्रस्ताव भेजा था, लेकिन मंजूरी नहीं मिल पाई। अस्पताल के सीएमएस डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी ने बताया कि खरीद की प्रक्रिया चल रही है, जल्द ही मशीन लग जाएगी।

क्यों जरूरी है एमआरआई जांच

- चिकित्सकों के मुताबिक एमआरआई स्कैन का इस्तेमाल मस्तिष्क, हड्डियों व मांसपेशियों, सॉफ्ट टिश्यू, चेस्ट, ट्यूमर-कैंसर, स्ट्रोक, डिमेंशिया, माइग्रेन, धमनियों के ब्लॉकेज और जेनेटिक डिसऑर्डर का पता लगाने में होता है। बीमारी की सटीक जानकारी के लिए यह जांच होती है। एमआरआई मशीन बॉडी को स्कैन कर अंग के किस हिस्से में दिक्कत है ये जानकारी देती है। इसमें मैग्नेटिक फील्ड व रेडियो तरंगों का इस्तेमाल किया जाता है जो शरीर के अंदर के अंगों की विस्तार से इमेज तैयार करती हैं।

चिंताजनक | 14 हजार सैंपलों के परीक्षण में 27 फीसद में जीवांश कार्बन कम, 92 फीसद मिट्टी के सैंपलों में नाइट्रोजन मिला कम

खेतों की मिट्टी बीमार, आम के बाग डाल रहे जान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्राकृतिक खेती छोड़कर रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध इस्तेमाल और फसल चक्र टूटने से खेतों की मिट्टी कमजोर हो रही है। आम बेल्ट को छोड़ दिया जाए तो अन्य क्षेत्रों के खेतों की मिट्टी में ''जान'' यानी जीवांश कार्बन है ही नहीं। इससे मिट्टी में जीवाणु नहीं पनप रहे हैं।

इसके बगैर पोषक तत्वों की पूर्ति भी नहीं हो रही है। इस वजह से फसलों का उत्पादन और उत्पादकता भी गिर रही है। यह हकीकत 2025-26 में कराए गए मृदा परीक्षण की रिपोर्ट बता रही है। जिले में इस वर्ष रबी में 16 हजार मिट्टी के सैंपल यानी मृदा परीक्षण का लक्ष्य रखा गया। इसमें 15,600 सैंपल कृषि विभाग ने एकत्र करके अलीगंज स्थित क्षेत्रीय भूमि परीक्षण प्रयोगशाला में भेजे। इनमें करीब 14 हजार का परीक्षण किया गया। 92 फीसद सैंपलों में नाइट्रोजन लो मिला। जोकि पोषक तत्वों की पूर्ति करता है। इसी तरह 65 फीसद सैंपलों में फास्फोरस और 54 फीसद सैंपलों में पोटाश मध्यम मिला। जबकि सबसे मुख्य 27 फीसद मिट्टी के सैंपलों जीवांश कार्बन लो पाया गया और 58 फीसद सैंपलों में मध्यम निकला। जीवांश कार्बन कम होना बेहद खराब स्थिति के संकेत हैं। इसके बिना खेती लायक मिट्टी नहीं बनती है न ही पोषक तत्वों की पूर्ति होती है। खासबात यह है कि मलिहाबाद व माल आम की बेल्ट क्षेत्र में जीवांश कार्बन की मात्रा सही पाई गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक आम के पेड़ों से गिरी पत्तियां जीवांश कार्बन बनाती है। इसका असर आसपास के खेतों पर होता है। इसलिए वहां की वहां की मिट्टी स्थिति ठीक है। लखनऊ से लगे जिलों की स्थिति भी मृदा परीक्षण में इसी तरह आई है। सहायक निदेशक मृदा परीक्षण/कल्चर डॉ मन मोहन लाल ने बताया कि मृदा परीक्षण में जीवांश कार्बन कम निकला है। परीक्षण के आधार पर किसानों को रिपोर्ट कार्ड दिए हैं। इससे वह पूर्ति करेंगे। आम बेल्ट से लगे खेतों की स्थिति ठीक है। किसानों को जागरूक व प्रोत्साहित कर रहे हैं।

बिजनौर से आए छात्र-छात्राओं ने किया विश्लेषण

- अमृत विचार, लखनऊ : आलमबाग स्थित क्षेत्रीय भूमि परीक्षण प्रयोगशाला का बुधवार को केंद्रीय विद्यालय, सीआरपीएफ बिजनौर के छात्र-छात्राओं ने विजिट किया। केंद्र के स्कूल स्वाइल हेल्थ कार्यक्रम के तहत सहायक निदेशक डॉ मन मोहन लाल ने छात्र-छात्राओं को मिट्टी की जानकारी दी। मिट्टी उपयोगिता, उनमें पोषक तत्वों कमी व पूर्ति, उनकी मात्रा, फायदे व नुकसान आदि विस्तार से बताया। छात्र-छात्राओं के सामने मिट्टी के सैंपलों का परीक्षण करके उनसे विश्लेषण कराया। सहायक निदेशक ने बताया कि इस आधार पर छात्र-छात्राएं विद्यालय और अपने क्षेत्रों में किसानों को जानकारी देकर प्रेरित करेंगे।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 5 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

बच्चों को आध्यात्मिक ज्ञान भी जरूरी

अमृत विचार, लखनऊ : सिटी मोन्टेसरी स्कूल के प्रधान कार्यालय में संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 28 लोग उपस्थित हुए। संगोष्ठी में बच्चों को भौतिक एवं आध्यात्मिक ज्ञान देने के बारे में चर्चा की गयी। सभा का संचालन विद्यालय की संस्थापिका-निदेशिका डॉ. भारती गांधी ने किया। सभा में देवेन्द्र अग्रवाल एवं डॉ. चित्रा अग्रवाल (सीएमएस के प्रथम छात्र) भी उपस्थित थे, जो 1959 में पहले 5 बच्चे दाखिल हुये थे, उनमें से दो पधारे थे। जिनमें एक डॉक्टर हैं एवं दूसरे व्यापारी हैं। डॉ. भारती गांधी ने बताया कि प्रत्येक माता-पिता को बच्चों को बचपन से ही भौतिक ज्ञान के साथ आध्यात्मिक ज्ञान भी देना चाहिए। संगोष्ठी में महात्मा गांधी के विचारों के बारे भी विचार विमर्श करते हुए अहिंसा एवं वसुधैव कुटुम्बकम के बारे में भी बताया गया।

डॉ. भारती गांधी

मीडिया ओलंपिक 7 से

अमृत विचार, लखनऊ : मीडियाकर्मियों और उनके परिजनों के स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा देने के मकसद से मीडिया ओलंपिक का आयोजन सात और आठ फरवरी को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में किया जाएगा। यह दो दिवसीय खेल महोत्सव मीडियाकर्मियों में खेल भावना और आपसी सौहार्द को मजबूत करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। मीडिया ओलंपिक में एथलेटिक्स, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज, फुटबॉल शूट आउट और रस्साकसी जैसी विभिन्न खेल स्पर्धाएं शामिल होंगी। आयोजन सचिव राघवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में किसी भी आयु वर्ग के मीडियाकर्मी और उनके परिवार के सदस्य भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

वेतन न मिलने पर दी आंदोलन की चेतावनी

अमृत विचार, हरदोई : चल अचल संपत्ति का विवरण न देने पर जिले के परिषदीय विद्यालयों में तैनात शिक्षक-शिक्षिकाओं का जनवरी माह का वेतन रोक दिया गया। जिलाध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ अक्षत पांडेय ने बेसिक शिक्षा अधिकारी व लेखाधिकारी को पत्र भेज कर कहा कि परिषदीय शिक्षक राज्य कर्मचारी की श्रेणी में नहीं आते हैं। सरकार ने राज्य कर्मचारियों का विवरण मांगा है न कि परिषदीय शिक्षकों का उन्होंने कहा कि शीघ्र ही वेतन जारी किया जाए, अन्यथा शिक्षक संघ धरना प्रदर्शन करने को विवश होगा।

पिकेट बूथ से चंद दूरी पर फल की दुकान में चोरी

अमृत विचार, हरदोई : अरवल थाना क्षेत्र के श्रीमऊ निवासी आनंद सक्सेना फल विक्रेता है। उसने बाजार के ही पप्पू का एक कमरा फलों के भंडारण के लिए किराए पर ले रखा है। बुधवार सुबह जब आनंद अपनी दुकान खोलने के लिए मौके पर पहुंचा तो देखा कि चोरों द्वारा दीवार में सेंध मार कर फलों की टोकरियों एवं मूंगफली की एक बोरी जिनकी कीमत लगभग सात हजार रुपये है, पर हाथ साफ कर दिया गया है। फल विक्रेता द्वारा पुलिस को सूचना दी गई।

पति से झगड़े के बाद प्रेमी संग महिला फरार

अमृत विचार, टड़ियावां, हरदोई : क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने बताया कि उसकी पुत्री सीतापुर जिले के गांव बाजनगर में ब्याही थी। उसका कहना है कि उसकी पुत्री और दामाद के बीच झगड़ा होने पर वह मायके चली आई। 1 फरवरी की सुबह वह गांव बाजनगर के गोविंद के साथ माल जेवर और सात हजार की नकदी लेकर भाग गई है।

युवती से छेड़छाड़ का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, टड़ियावां, हरदोई : बिलग्राम थाना क्षेत्र की निवासी युवती ने पुलिस को प्रार्थना पत्र में बताया कि वह थाना क्षेत्र के निवासी अपने मामा के घर रहती है। आरोप है कि तीन फरवरी की शाम शराब के नशे में धुत गांव के अक्षयलाल ने घर में घुसकर उसके साथ छेड़छाड़ की।

डीपीआरओ निलंबित

अमृत विचार, हरदोई : शासन के निर्देशों के पालन में हीलाहवाली करने वाले डीपीआरओ को निलंबित कर दिया गया। साथ ही उनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही भी की गई, जिसकी जांच उप निदेशक पंचायत देवीपाटन गिरीश चंद्र रजत को सौंपी गई है। जिला पंचायत राज अधिकारी विनय कुमार सिंह को संयुक्त निदेशक अमित कुमार सिंह पंचायती राज ने कई अनियमितताओं के चलते निलंबित कर दिया।

दो साल में एक लाख से अधिक लोग लापता

विधि संवाददाता, लखनऊ

- हाईकोर्ट ने लिया स्वत : संज्ञान आज होगी सुनवाई

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने एक मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि प्रदेश में पिछले लगभग दो साल में 1,08,300 लोग लापता हो चुके हैं, जिनके संबंध में गुमाशुदगी रिपोर्ट दर्ज हैं। इनमें से मात्र 9700 लोगों का पुलिस पता लगा सकी है। कोर्ट ने इस स्थिति को बेहद चिंताजनक व गंभीर करार दिया। साथ ही मामले को 'प्रदेश में गुमशुदा व्यक्तियों के संबंध में' शीर्षक से जनहित याचिका दर्ज करने का आदेश दिया है। मामले की सुनवायी गुरुवार को होगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन व न्यायमूर्ति बबीता रानी की खंडपीठ ने विक्रमा प्रसाद की याचिका पर दिया। शहर के चिनहट क्षेत्र निवासी याची की ओर से कहा गया है कि उसका बेटा जुलाई 2024 में लापता हो गया था, इस संबंध में उसने चिनहट

थाने में गुमशुदगी की सूचना भी दर्ज करायी लेकिन पुलिस की ओर से कोई भी संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई। इस पर न्यायालय ने याची की सूचना पर कार्रवाई के साथ-साथ प्रदेश में गुमशुदा हुए लोगों के संबंध में विस्तृत जानकारी देने का आदेश, अपर मुख्य सचिव, गृह को दिया। आदेश के अनुपालन में अपर मुख्य सचिव द्वारा दाखिल हलफनामे में बताया गया कि 1 जनवरी 2024 से 18 जनवरी 2026 तक पुलिस के समक्ष दर्ज सूचनाओं के अनुसार 1,08,300 लोग लापता हुए हैं जिनमें से मात्र 9700 लोगों का ही पता चल सका है। न्यायालय ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उक्त आंकड़ों से पता चलता है कि गुमशुदा लोगों के संबंध में संबंधित अथॉरिटीज का रवैया हीलाहवाली वाला है।

हरदोई : नगर में चल रही वार्षिक रामलीला में बुधवार को श्रीराम की बारात निकाली गई। नुमाइश मैदान से शुरू हुई बारात में भगवान के विभिन्न रूपों की झांकियां सजाई गईं। ● अमृत विचार

आयुष्मान संबद्ध कई निजी अस्पताल जांच के घेरे में

आयुष्मान योजना में बड़े घोटाले की संभावना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ के आठ निजी अस्पतालों में सीएमओ स्तर से जांच शुरू
- निजी अस्पतालों पर फर्जी आईसीयू-वेंटिलेटर भर्ती का शक

अमृत विचार : आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के 18 जिलों में निजी अस्पतालों द्वारा गंभीर अनियमितताएं किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि इन अस्पतालों ने उपलब्ध आईसीयू और वेंटिलेटर बेड से अधिक मरीजों की भर्ती दर्शाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया। प्रारंभिक जांच में गड़बड़ी सामने आने के बाद स्टेट हेल्थ एजेंसी आयुष्मान भारत (साचीज) ने पूरे प्रकरण की जांच के आदेश दिए हैं। इसके तहत लखनऊ के आठ निजी अस्पतालों में सीएमओ स्तर से जांच शुरू कर दी गई है।

लखनऊ में आयुष्मान योजना से 400 से अधिक निजी और सरकारी अस्पताल संबद्ध हैं, जहां पात्र लाभार्थियों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलता है। योजना के

तहत आईसीयू वेंटिलेटर बेड के लिए 9,900 रुपये और बिना वेंटिलेटर आईसीयू बेड के लिए 9,350 रुपये प्रति दिन का पैकेज निर्धारित है।

सूत्रों के अनुसार, कुछ निजी अस्पतालों में आईसीयू और वेंटिलेटर बेड लगभग हर समय 'फुल' दिखाए गए। कई मामलों में उपलब्ध बेड से अधिक मरीजों की भर्ती दर्शाई गई। भुगतान के लिए फाइल आगे बढ़ने पर साचीज को इस पर संदेह हुआ। इसके बाद 3 दिसंबर 2025 को साचीज ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर जांच कराने के निर्देश दिए थे।

जिलाधिकारी के निर्देश पर 22 जनवरी 2026 को सीएमओ लखनऊ को पत्र भेजकर आयुष्मान योजना से जुड़े अस्पतालों में आईसीयू-वेंटिलेटर बेड के संचालन की स्थिति की जांच के आदेश दिए गए। सीएमओ डॉ. एनबी. सिंह ने जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

18 जिलों में गड़बड़ी की आशंका

आगरा, आजमगढ़, बहराइच, बस्ती, बिजनौर, बुलंदशहर, देवरिया, गोरखपुर, जौनपुर, लखनऊ, मथुरा, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, प्रयागराज, सहारनपुर, संतकबीर नगर, शामली और वाराणसी के आयुष्मान योजना से जुड़े अस्पतालों में आईसीयू-वेंटिलेटर भर्ती में गड़बड़ी की आशंका जताई गई है।

डीजी से एसपी तक 24 आईपीएस के तबादले

प्रोन्नत डीजी सुजीत पांडेय और एडीजी प्रवीण को दी गई नई जिम्मेदारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कानपुर कमिश्नरेट में पहली बार दो जेसीपी की हुई तैनाती
- गोरखपुर समेत 11 जिलों के एसएसपी-एसपी भी बदले

अमृत विचार: पुलिस विभाग में बुधवार देर रात बड़ा फेरबदल किया है। इसमें अयोध्या के आईजी रहे प्रवीण कुमार को प्रोन्नति मिलने के बाद लखनऊ जोन का एडीजी बनाया गया है। इसी तरह एडीजी पद से हाल ही में प्रोन्नत हुए सुजीत पांडेय को अग्निशमन एवं आपात सेवाओं का डीजी बनाया गया है। वह अभी तक एडीजी जोन लखनऊ के पद पर तैनात थे। इसके अलावा 11 जिलों के एसएसपी-एसपी भी बदले गए हैं।

फेरबदल में गोरखपुर, मेरठ, जौनपुर, खीरी, बस्ती, सुल्तानपुर, सहारनपुर, मिर्जापुर, रायबरेली, पीलीभीत और अमेठी के एसपी शामिल हैं। इसके साथ ही जेसीपी कानपुर कमिश्नरेट विनोद कुमार सिंह को हटाकर आईजी डा. भीमराव आंबेडकर अकादमी मुरादाबाद भेजा गया है। डीआईजी संकल्प शर्मा को एसपी लखीमपुरखीरी से जेसीपी कानपुरनगर, डीआईजी विपिन टाडा को एसएसपी मेरठ से जेसीपी कानपुर नगर बनाया गया है।

आईजी ईओडब्ल्यू केएस ईमैन्युअल डीजीपी के जीएसओ की जिम्मेदारी दी गयी है। गाजियाबाद कमिश्नरेट के अपर पुलिस आयुक्त आलोक प्रियदर्शी को अपर पुलिस आयुक्त वाराणसी कमिश्नरेट, प्रोन्नति मिलने के बाद डीआईजी राज करन नैय्यर को एसएसपी गोरखपुर से अपर पुलिस आयुक्त गाजियाबाद, डीआईजी सोमेन बर्मा को एसपी मिर्जापुर से डीआईजी अयोध्या रेंज बनाया गया है। डीआईजी अभिषेक यादव को एसपी पीलीभीत से डीआईजी एटीएस लखनऊ, डीआईजी आशीष तिवारी को एसएसपी सहारनपुर से डीआईजी तकनीकी सेवाएं, डीआईजी प्रताप गोपेंद्र यादव को पुलिस अधीक्षक पीटीसी मुरादाबाद से पुलिस मुख्यालय भेजा गया है।

साथ ही एसपी सुल्तानपुर कुंवर अनुपम सिंह को एसएसपी जौनपुर, पीएसी 9वीं वाहिनी मुरादाबाद सेनानायक ख्याति गर्ग को एसपी खीरी, एसपी रायबरेली यशवीर सिंह को एसपी बस्ती, 47वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद के सेनानायक चारू निगम को एसपी सुल्तानपुर, एसपी बस्ती अभिनंदन को एसएसपी सहारनपुर, एसएसपी जौनपुर डा. कौस्तुभ को एसएसपी गोरखपुर, एसएसएफ लखनऊ 01वीं वाहिनी सेनानायक अविनाश पांडेय को एसएसपी मेरठ, एसपी अमेठी अपर्णा रजत कौशिक को एसपी मिर्जापुर, 11वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर के सेनानायक रवि कुमार को एसपी रायबरेली, क्षेत्रीय अभिसूचना आगरा के एसपी सुकीर्ति माधव को एसपी पीलीभीत, वाराणसी के अपर पुलिस उपायुक्त सर्वानन टी को एसपी अमेठी और अपर पुलिस अधीक्षक संभल अनुकृति शर्मा को अपर पुलिस उपायुक्त कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के पद पर भेजा गया है।

भारतीय संस्कृति को एक सूत्र में पिरोएंगे डॉ. ओमकार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- विभिन्न देशों में बसे गिरमिटिया भारतीयों की परंपराओं पर होगा शोध

अमृत विचार : हजारों किलोमीटर दूर समुद्री टापुओं पर बेगारी के लिए भेजे गए भारतीय मजदूर अपने साथ सीमित सामान ही ले जा सके, लेकिन रामचरित मानस को नहीं छोड़ा। विपरीत परिस्थितियों में यही ग्रंथ उनका संबल बना, जिसने आज दुनियाभर में भारतीय संस्कृति की पहचान को मजबूत किया। लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के डॉ. ओमकार नाथ उपाध्याय बताते हैं कि इन मजदूरों को गिरमिटिया कहा गया, जो आज फीजी, मॉरिसस और सूरीनाम जैसे देशों में शासन और उद्योग तक की जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं।

डॉ. ओमकार नाथ उपाध्याय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर डॉ. ओमकार उपाध्याय पिछले 200 वर्षों में भारत से जबरन बेगारी के लिए भेजे गए भारतीयों द्वारा धर्म और संस्कृति के प्रसार तथा उसके वैश्विक प्रभावों का अध्ययन करेंगे। इसके लिए उन्हें केंद्र सरकार ने वर्ष 2025-26 के लिए वरिष्ठ अनुसंधानवृत्ति प्रदान की है। यह फेलोशिप शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा दी जाती है।

इस शोध के माध्यम से विभिन्न देशों में बसे गिरमिटिया भारतीयों की सांस्कृतिक परंपराओं, सामाजिक योगदान और वैश्विक प्रभावों पर गहन अध्ययन होगा, जिससे सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में नए दृष्टिकोण सामने आने की उम्मीद है।

लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात महिला कांस्टेबल ने दी जान

अमृत विचार, हरदोई : लखनऊ कमिश्नरेट के इंदिरा नगर थाने में तैनात महिला कांस्टेबल अपने देवर की शादी में शामिल होने आई थी। शादी की खरीदारी करने के बाद ससुराल पहुंची और कमरे का दरवाजा बंदकर फंदा लगा लिया। परिजनों ने दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला और निजी हास्पिटल लेकर गए, लेकिन उससे पहले मौत हो चुकी थी। बरेली की रहने वाली 30 वर्षीय प्रीती लखनऊ कमिश्नरेट के इंदिरा नगर में कांस्टेबल है। वह एक महीने पहले ही मैटरनिटी लीव (प्रसव कालीन अवकाश) से ड्यूटी पर लौटी थी। 10 फरवरी को उसके चचेरे ससुर के बेटे की शादी थी, वह उसी में शामिल होने आई थी। पीसीएस की तैयारी कर रहे उसके पति सौरभ श्रीवास्तव ने बताया कि पत्नी बुधवार को शादी की खरीदारी करने के बाद वापस लौटी और कमरे का दरवाज़ा बंदकर फंदा लगा लिया। यह देख देवर पंकज शोर मचाने लगा, दरवाजा तोड़ कर उसे निजी हास्पिटल पहुंचाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। प्रीती और सौरभ श्रीवास्तव बरेली के थे, कोर्ट मैरिज के बाद सौरभ उसे लेकर अपने चाचा के घर शहर के मोहल्ला आलू थोक में रहने लगा, प्रीती की नौकरी लग गई, सौरभ पीसीएस की तैयारी कर रहा था।

मुठभेड़ में एक चोर को लगी गोली, चार को दबोचा

अमृत विचार, हरदोई : सण्डीला की कांशीराम कालोनी में इकट्ठा हुए चोर चोरी के माल का बंटवारा कर रहे थे, पता होते ही पुलिस ने स्वाट/सर्विलांस व एसओजी टीम के साथ उन्हें घेरा। चोरों ने पुलिस पर गोली चला दी, जिससे एसआई करुणेश पाठक ज़ख्मी हुए। इसी के जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई,जो शातिर चोर लल्लू के बाएं पैर में लगी और वह गिर पड़ा। उसके बाद पुलिस टीम ने भाग रहे तीन चोरों को पकड़ लिया,जिनके पास से चोरी के ज़ेवर, 5 लाख 45 हज़ार रुपये कैश और तमंचा व कारतूस बरामद हुए हैं।

बुधवार बिल्कुल भोर पहर सण्डीला पुलिस को पता चला कि कांशीराम कालोनी में इकट्ठा कुछ संदिग्ध लोग चोरी के माल का बंटवारा कर रहे हैं। इसका पता होते ही पुलिस ने स्वाट/सर्विलांस व एसओजी टीम के साथ कालोनी घेर ली। उसी बीच उन संदिग्ध लोगों ने गोली चला दी, जिससे एसआई करुणेश पाठक ज़ख्मी हुए, इधर जवाब में पुलिस की तरफ से चलाई गई गोली शातिर चोर लल्लू के बाएं पैर में जा लगी। इसके अलावा जमील, विद्यासागर, सुनील व लखनऊ के आज़ाद नगर,बेलागंज थाना ठाकुरगंज निवासी अनूप को पकड़ लिया। पकड़ में आने के बाद सण्डीला, अतरौली में दो-दो व एक कासिमपुर चोरी का खुलासा हुआ है।

लखनऊ के माल व मलिहाबाद में दर्ज हैं मुकदमे : सण्डीला पुलिस की पकड़ में आए लल्लू के खिलाफ लखनऊ के माल थाने में दो, मलिहाबाद में चार और एक सण्डीला कोतवाली में मुकदमा दर्ज है। वहीं सुनील के खिलाफ भी माल व मलिहाबाद थाने में पांच मुकदमे दर्ज होना बताया गया है।

ट्रस्ट डीड में फर्जीवाड़ा कर करोड़ों रुपये की हेराफेरी का बर्खास्त डॉक्टर पर आरोप

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- हिंद मेडिकल कॉलेज प्रबंधन के ट्रस्टी ने दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार: केजीएमयू से बर्खास्त डॉक्टर अमोद कुमार सचान एक बार फिर गंभीर आरोपों को लेकर विवादों में घिर गए हैं। हिंद मेडिकल कॉलेज से जुड़े डॉक्टर अमोद कुमार सचान पर करोड़ों रुपये के कथित वित्तीय घोटाले के मामले में ट्रस्टी ने कैसरबाग कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी है। तहरीर में डॉक्टर सचान पर ट्रस्ट डीड में फर्जीवाड़ा कर वित्तीय लेन-देन में गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं।

मूल रूप से बहराइच के रायपुर राजा निवासी 70 वर्षीय बृज किशोर सिंह ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2004 में जनसेवा और चिकित्सा शिक्षा के उद्देश्य से हिन्द चेरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना की थी। ट्रस्ट में कुल सात ट्रस्टी डॉक्टर अमोद कुमार सचान, उनकी पत्नी रिचा मिश्रा, डॉक्टर हरीशचंद्र, सुशीला चौधरी, सुनील कुमार वर्मा और मधु चौधरी थे।

आरोप है कि आपसी सहमति से चिकित्सक अमोद कुमार सचान को ट्रस्ट का चेयरमैन बनाया गया था और अन्य ट्रस्टी वाइस चेयरमैन थे। ट्रस्ट डीड 9 दिसंबर 2004 को उपनिबंधक कार्यालय लखनऊ में पंजीकृत कराई गई थी। जिसके बाद बैंक ऑफ बड़ौदा निशातगंज और इंडियन ओवरसीज बैंक मुंशीपुलिया शाखा में खाते खोले गए थे। पीड़ित ने बताया कि कुछ समय पहले उन्हें पता चला कि कि ट्रस्ट के नाम पर एचडीएफसी बैंक में भी कई खाते खोले गए हैं। जब उन्होंने एचडीएफसी बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय कैसरबाग में जानकारी की।

जानकारी हुई कि अमोद कुमार सचान ने ट्रस्ट डीड की जाली कॉपी तैयार कर उसमें अन्य ट्रस्टियों के नाम हटाकर स्वयं को चेयरमैन और अपनी पत्नी को ट्रस्टी/वाइस चेयरमैन दर्शा दिया। इसी जाली दस्तावेज के आधार पर एचडीएफसी बैंक में खाते खोलकर लाखों की ओडी लिमिट और बैंक गारंटी ली गई, जिससे करोड़ों रुपये का लेनदेन किया गया। अन्य ट्रस्टी को जानकारी ही नहीं थी, जबकि दो ट्रस्टियों हरीशचंद्र और सुनील वर्मा की मृत्यु भी हो चुकी है। इंस्पेक्टर कैसरबाग अंजनी कुमार मिश्र का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर अमोद कुमार सचान निवासी ए-ब्लॉक इंदिरानगर और अन्य अज्ञात दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

पत्नी से विवाद में पति ने की खुदकुशी

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार : आपसी नोंकझोंक के चलते पति-पत्नी ने एक-दूसरे का मोबाइल तोड़ दिया, जिससे बात और बढ़ गई और नाराज़ पत्नी अपने पिता के साथ मायके चली गई। पत्नी के जाने के तीसरे ही दिन पति ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्ज़े में लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

रजनीश की फाइल फोटो

अरवल थाने के बंजरिया पुरवा निवासी 24 वर्षीय रजनीश पुत्र मुकेश खेती-बाड़ी करता था। उसकी शादी बिलग्राम कोतवाली के धनसरी निवासी अवनेश की पुत्री नेहा से हुई थी। जैसा कि बताते है कि रविवार को रजनीश और उसकी पत्नी नेहा के बीच नोंकझोंक हो रही थी,एक-दूसरे का मोबाइल छीन कर तोड़ देने से बात इतनी बढ़ गई कि नेहा ने पिता अवनेश को बुलाया और मायके चली गई। मंगलवार की शाम को रजनीश ने घर के बरामदे में फंदा लगा लिया। शाम को जब पिता खेत से वापस लौटा तो बेटे का शव देखकर होश उड़ गए। घटना से परिजनो में चीख-पुकार मच गई।

फंदे से लटका मिला अधेड़ का शव

अमृत विचार, बिलग्राम, हरदोई : थाना क्षेत्र के तेरवा चांदपुर गांव में बुधवार सुबह अधेड़ का शव फंदे से लटकता मिला। थाना बिलग्राम पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान नन्हेंलाल (52) निवासी ग्राम तेरवा चांदपुर के रूप में हुई है। नन्हेंलाल गांव में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। बताया जा रहा है कि उसने गांव में बने छप्पर के बीच लगी बल्ली में गमछा डालकर फंदा लगा लिया। कुछ समय बाद घटना की जानकारी मृतक के भाई ननक्के को हुई, जिसने तत्काल पुलिस को सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राय ने बताया कि फिलहाल फंदा लगाने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। परिजनों की ओर से अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

अधूरी नहर का रजवाहा बना तबाही का कारण

जुबेर खान, पिहानी/हरदोई

अमृत विचार : ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सभा रजुआपुर मजरा लक्ष्मीपुरवा में शारदा नहर से निकले रजवाहे का अधूरा निर्माण ग्रामीणों के लिए हर साल की मुसीबत बन चुका है। कालाबोझ से पतौन-रजुआपुर मजरा लक्ष्मीपुरवा की ओर जाने वाला यह रजवाहा बीच रास्ते में ही छोड़ दिया गया, जिसका खामियाजा आज पूरा गांव भुगत रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार अलावलपुर से निकलने वाला जलमार्ग भी कई स्थानों पर बंद और अधूरा है। नहर विभाग की योजना के तहत पानी को आलावलपुर मार्ग से पूरब बहादुर नगर होते हुए नहर विभाग की जमीन पर रजुआपुर-झावर में गिराया जाना था, लेकिन निकासी की व्यवस्था पूरी न होने के कारण सारा पानी गांव की ओर बह रहा है। हर साल जनवरी-फरवरी के महीनों में गांव जलमग्न हो जाता है। इस बार हालात और गंभीर हैं। करीब 200 बीघा से अधिक कृषि भूमि में खड़ी गेहूं, आलू, गन्ना, लाही समेत अन्य फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। जलभराव के चलते कई किसानों के घरों में पानी घुस गया है, जिससे आवागमन बाधित हो गया है। गांव की गलियां तालाब में तब्दील हो चुकी हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नहर विभाग की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई करते हुए रजवाहे और जलनिकासी का कार्य तत्काल पूरा कराया जाए, ताकि रजुआपुर माजरा लक्ष्मीपुरवा को हर साल होने वाली इस तबाही से राहत मिल सके।

समस्याएं बताते ग्रामीण। अमृत विचार

लिखित शिकायतों के बाद भी विभाग बना अंजान

ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर ग्राम प्रधान से लेकर नहर विभाग तक कई बार लिखित शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। हर साल यही स्थिति बनती है और किसानों की मेहनत पानी में बह जाती है। यह स्थिति प्रशासन की कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। जब हर साल एक ही समय पर जलभराव की समस्या सामने आती है, तो नहर विभाग द्वारा रजवाहे और जलनिकासी के अधूरे कार्य को अब तक पूरा क्यों नहीं कराया गया? बार-बार की गई लिखित शिकायतों के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं हुई? और सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस लापरवाही की जिम्मेदारी आखिर किसकी है।

वीरेश प्रताप

राजकुमार

कमलेश कुमार

जगदीश प्रसाद

ग्रामीणों के बयान

वीरेश प्रताप का कहना है कि "नहर विभाग ने रजवाहे का काम अधूरा छोड़ दिया है, जिसका खामियाजा हम किसान हर साल भुगत रहे हैं। खेतों में खड़ी फसल पानी में डूब जाती है और किसी तरह की कोई सहायता भी नहीं मिलती। राजकुमार ने बताया कि पानी को जिस तय रास्ते से निकाला जाना था, वहां की व्यवस्था नहीं की गई। इसी वजह से पूरा पानी गांव और खेतों में घुस रहा है। कई बार शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। कमलेश कुमार कहते हैं कि करीब 200 बीघा जमीन की फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। गेहूं, आलू, गन्ना सब पानी में गल गया है। किसान कर्ज लेकर खेती करता है और हर साल इसी तरह नुकसान झेलता है। जगदीश प्रसाद का कहना है कि अब समस्या सिर्फ खेती की नहीं रही, घरों के अंदर तक पानी भर गया है। बच्चों और महिलाओं को बाहर निकलने में परेशानी होती है, रात में डर बना रहता है।

विद्यार्थियों को कैंसर के लक्षण, बचाव और उपचार की दी जानकारी

रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट ने की अमृत विचार के सहयोग से विश्व कैंसर दिवस पर दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट एवं अमृत विचार की ओर से विश्व कैंसर दिवस पर केशलता इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी और जानकारी देते डॉ. प्रारब्ध सिंह। ● अमृत विचार

अमृत विचार : रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट ने अमृत विचार के सहयोग से विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर विभिन्न विद्यालयों में दो दिवसीय कैंसर के प्रति जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया है। कार्यक्रम के पहले दिन बुधवार को सोब्तीज पब्लिक स्कूल, केशलता इंटरनेशनल स्कूल, नारायणा ई-टेक्नो स्कूल में कार्यक्रम आयोजित कर रोहिलखंड कैंसर संस्थान के डॉ. प्रारब्ध सिंह ने छात्र-छात्राओं को कैंसर के लक्षण, बचाव और जागरूकता फैलाने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने कैंसर को लेकर कई सवाल किए, जिस पर डॉ. प्रारब्ध ने बच्चों की मन की शंकाओं को दूर किया। बच्चों को जीवनशैली बेहतर रखने और खानपान पर ध्यान देने पर जोर दिया।

कैंसर जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत पहले सत्र में सुबह 10 बजे से सोब्तीज पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम कराया गया। यहां डॉ. प्रारब्ध ने बच्चों को कैंसर क्या है, उसके लक्षण, बचाव और उपचार के बारे में गरूक किया। प्रिंसिपल गुरदीप सिंह ने बताया कि रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट और अमृत विचार के सहयोग से बच्चों को कैंसर के बारे में बहुत अच्छी जानकारी दी गयी। डॉ. प्रारब्ध सिंह ने कैंसर के बचाव, वैक्सीन, ट्रीटमेंट सहित कई बिंदुओं पर बच्चों को जागरूक किया।

वहीं, दूसरे सत्र में दोपहर में केशलता इंटरनेशनल स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. प्रारब्ध सिंह ने बच्चों को कैंसर के लक्षण, उनकी पहचान सहित कई कारणों से होने वाले कैंसर के प्रति जागरूक किया। तीसरे सत्र में नारायणी ई-टेक्नो स्कूल में आयोजित किए गए कार्यक्रम में डॉ. प्रारब्ध सिंह ने कैंसर क्या है, इसके बारे में बच्चों को विस्तार से जानकारी दी। बच्चों ने कैंसर के संबंध में कई सवाल पूछे। कार्यक्रम के दौरान कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम भी मौजूद रही।

तंबाकू सिर्फ आदत नहीं, जीन बदलने वाला जहर

डॉ. हिमांगी दुबे।

लखनऊ, अमृत विचार : विश्व कैंसर दिवस पर डॉ. हिमांगी दुबे ने कहा कि कैंसर से बचाव के लिए स्वस्थ जीवनशैली, नियमित जांच और मादक पदार्थों की रोकथाम जरूरी है। ताकि इस रोग से होने वाली मौतों को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि मुंह का एक छोटा-सा सफेद दाग, मामूली सा छाला या पान-गुटखे का हल्का निशान अधिकांश लोग इन्हें सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन यही लापरवाही आगे चलकर ओरल कैंसर जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारी का कारण बन सकती है। भारत में यह बीमारी तेजी से एक 'साइलेंट किलर' के रूप में उभर रही है। वे बताती हैं कि तंबाकू न केवल शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि यह कोशिकाओं के जीन तक को बदलने की क्षमता रखता है। वे बताती हैं कि जहां सिगरेट कुछ मिनटों में खत्म हो जाती है, वहीं गुटखा 20-30 मिनट तक मुंह में बना रहता है। इस दौरान कैंसरकारी रसायन लगातार मुंह की टिशू के संपर्क में रहते हैं। शोध बताते हैं कि स्मोकलेस तंबाकू उपयोग करने वालों में ओरल कैंसर का खतरा 6 से 8 गुना तक बढ़ जाता है। डॉ. हिमांगी दुबे केजीएमयू में पूर्व सीनियर रेजिडेंट रह चुकी हैं। वर्तमान में वे एक निजी संस्थान में डॉक्टर हैं।

सीतापुर में जाली प्रपत्रों पर नौकरी पाने वाले 24 शिक्षक होंगे बर्खास्त

संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : जनपद में जाली दस्तावेजों के आधार पर शिक्षक की नौकरी पाने वाले चौबीस आरोपियों पर गाज गिरना तय हो गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए इन फर्जी शिक्षकों को छह माह के भीतर सेवा से बर्खास्त करने का निर्देश दिया है। विभाग द्वारा इन सभी के खिलाफ बर्खास्तगी की प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

वर्ष 2024 में 12460 शिक्षक भर्ती के तहत तैनात करीब 11 हजार शिक्षकों के अभिलेखों का सत्यापन दो चरणों में कराया गया था। दूसरे चरण की जांच में चौबीस शिक्षकों के टीईटी और डीएलएड जैसे महत्वपूर्ण प्रमाणपत्र फर्जी पाए गए। इसके बाद विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इन्हें निलंबित कर संबंधित थानों में एफआईआर दर्ज कराई थी। फर्जीवाड़े का यह पहला मामला नहीं है। नौ साल पहले भी एसटीएफ की जांच में 28 शिक्षकों के प्रमाणपत्र जाली मिले थे, जिसके बाद उन्हें सेवा से मुक्त कर दिया गया था।

"जाली प्रपत्रों के मामले पिछले वर्ष सत्यापन में पकड़े गए थे। नियमानुसार निलंबन और एफआईआर की कार्रवाई पहले ही की जा चुकी है। अब हाईकोर्ट के आदेश के क्रम में निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर जल्द ही बर्खास्तगी की कार्रवाई की जाएगी।
- अखिलेश प्रताप सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी

गोंडा में युवक की हत्या भाई पर भी किया हमला

पिता व चार पुत्रों ने वारदात को दिया अंजाम, तलाश में जुटी पुलिस

करनैलगंज, गोंडा

अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के नारायनपुर माझा मजरा दुल्हिनपुरवा गांव में हमलावर देर रात दिल दहला देने वाली वारदात से पूरा इलाका दहशत में आ गया। खेत में सिंचाई कर रहे दो सगे भाइयों पर पहले अज्ञात हमलावरों ने हमला किया, बाद में खुलासा हुआ कि वारदात सिंचाई को लेकर चले विवाद में हुई। पुलिस ने पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, शिवशंकर दुबे उर्फ लल्ला दुबे (32) और उनके भाई अमरनाथ दुबे मंगलवार देर शाम खेत में सिंचाई कर रहे थे। इसी दौरान विवादित खेत में पानी लगाने को लेकर विपक्षी छत्तर बली दुबे अपने चार बेटों सुनील दुबे, विनोद दुबे, धर्मेंद्र दुबे और रविन्द्र दुबे के साथ मौके पर पहुंचे। कहासुनी के बाद पिता-पुत्रों ने मिलकर लल्ला दुबे पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। भाई को लहूलुहान देख अमरनाथ दुबे बचाने दौड़े तो उन पर भी हमला कर दिया गया। हमले में लल्ला दुबे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अमरनाथ दुबे गंभीर रूप से घायल होकर जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण दौड़े, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। घायल को सीएचसी करनैलगंज से जिला अस्पताल गोंडा रेफर किया गया है।

आरोपियों की तलाश में लगी पुलिस की टीमें

कोतवाल नरेंद्र प्रताप राय ने बताया कि छत्तर बली दुबे समेत उनके चारों बेटों सुनील, विनोद, धर्मेंद्र रविन्द्र के मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। हमलावरों की तलाश में पुलिस की टीमें लगी हैं और गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

एएसपी ने लिया मौके का जायजा

इस घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक राधेश्याम राय देर रात मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

महिला किसान नेता की हत्या का खुलासा

बाराबंकी: अमृत विचार : महिला किसान नेता की हत्या पर पड़ा पर्दा हट गया। पुलिस ने हत्या, डकैती व दुराचार के मामले में आरोपी प्रेमी युवक को दबोचा है। महिला किसान नेता लगातार शादी का दबाव डालने के साथ मना करने पर झूठे मुकदमे में फंसा देने की धमकी दे रही थी, इससे परेशान प्रेमी ने महिला की हत्या कर दी। बीती 2 फरवरी को भाकियू अवध गुट की महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सुनीता देवी का शव गदिया पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम खजूरगांव नहर पटरी के पास खेत में मिला था। मृतका का पति गंगाराम निवासी अशरफपुर थाना असन्द्रा फिलहाल ऋषिकेश में बच्चों संग रह रहा है। उसी की तहरीर पर अभियोग पंजीकृत किया गया। एसपी के निर्देश पर गठित टीम ने बुधवार को महिल के प्रेमी राज मिश्रा उर्फ राजू को असैनी ओवरब्रिज के पास से गिरफ्तार किया।

अवसानेश्वर मंदिर से लाखों के जेवर और नकदी चोरी

हैदरगढ़, बाराबंकी

अमृत विचार : गोमती नदी के तट पर स्थित सुप्रसिद्ध अवसानेश्वर महादेव मंदिर फिर एक बड़ी वारदात का शिकार हुआ। यहां पर चोरों ने मंदिर के गर्भगृह में घुसकर करीब 25 लाख रुपये कीमत के चांदी के आभूषण और दानपात्र में रखी नकदी पर हाथ साफ कर दिया। बुधवार सुबह घटना की खबर फैलते ही हड़कंप मच गया। यहां पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार चोरी की यह वारदात मंगलवार देर रात हुई। चोरों ने अवसानेश्वर मंदिर के पूर्वी हिस्से में लगे लोहे के जालीदार चैनल गेट को औजारों से तोड़कर भीतर प्रवेश किया। इसके बाद गर्भगृह से करीब नौ किलोग्राम चांदी, जिसमें चांदी की छड़ें, आभूषण व अन्य कीमती वस्तुएं शामिल हैं, चुरा ली गईं। साथ ही श्रद्धालुओं द्वारा दानपात्र में चढ़ाई गई नकदी भी ले उड़े। घटना का खुलासा बुधवार तड़के करीब पांच बजे हुआ, जब पुजारी शिवम गिरी नित्य पूजन के लिए मंदिर पहुंचे। टूटे चैनल गेट को देख उन्होंने तत्काल मंदिर समिति के अध्यक्ष संजय गिरी को सूचना दी। चोरी की खबर फैलते ही मंदिर परिसर में स्थानीय लोगों व श्रद्धालुओं की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस मंदिर परिसर व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट्स और डॉग स्क्वायड की भी मदद ली जा रही है। बताया जा रहा कि चोरी के दौरान एकमात्र चोर ने पहचान छुपाने के लिए मंकी कैप पहन रखी थी और गर्भगृह की लाइट बंद कर दी गई थी, जिससे किसी जानकार के शामिल होने की आशंका है।

डकैती के दोषी को पांच साल की कैद

बाराबंकी, अमृत विचार : न्यायालय ने डकैती की घटना में एक अभियुक्त को 5 वर्ष कठोर कारावास व 4 हजार रुपये अर्थदण्ड अदा करने की सजा सुनाई है। थाना जहांगीराबाद पर डकैती की घटना के सम्बन्ध में पंजीकृत भादवि से सम्बन्धित अभियुक्त निर्भय सिंह उर्फ पिन्टू को न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट संख्या-11 द्वारा दोषसिद्ध करते हुए 5 वर्ष कठोर कारावास से दण्डित किया गया। 26 जून 2015 को थाना जहांगीराबाद पर वादिनी सुमन श्रीवास्तव ने निर्भय सिंह उर्फ पिन्टू के विरुद्ध उससे नकद रुपये, जेवर लूट लेने के सम्बन्ध में सूचना दी गई। सूचना के आधार पर भादवि के तहत मामला पंजीकृत किया गया।

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5) बअदालत न्यायालय श्रीमान् द्वितीय अपर लघुवाद न्यायाधीश, कक्ष सं0–19, लखनऊ पुराना सी0एस0 वाद सं0–2328/2022–नया सी0एस0 वाद सं0–138/2024 ता0पेशी–20.02.2026

State Bank of India, constituted under the State Bank of India Act, 1955, having one of its Local Head Office at Commercial Exchange Building, 24, Mahatma Gandhi Marg, Lucknow and one of its Branch at Munshi Pulia, Indira Nagar, Lucknow (Branch Code 11213) through its Chief Manager. -Plaintiff

Versus

Smt. Sunita Devi, wife of Sri Chhotey Lal, R/o 1/360, Vijayant Khand, M.G. Ground Guest House, Gomti Nagar, Lucknow-226010. Presently working as Labourer in office of Regional Manager, UPSRTC, Regional Office, Sapru Marg, Hazratganj, Lucknow -Defendant

हरगाह–PLAINTIFF ने आपके नाम से एक नालिस बावत SUIT FOR RECOVERY हेतु के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 20.02.2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमा हालात से वाकई वाकिफकार किया गया हो और कुल अहम उमूरात मुताबिक का जवाब दे सके या जिसके साथ और कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज पेश कर जिन पर आप बताइद अपनी जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों बयान तहरीरी दिनांक 20.02.2026 को दाखिल करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। मेरे हस्ताक्षर और मोहर अदालत से आज बतारीख 15.11.2025 ई0 को जारी किया जाये।

दस्तखत हाकिम–मोहर अदालत

तत्कालीन थानाध्यक्ष को उम्रकैद व जुर्माना

संवाददाता, आजमगढ़

हिरासत में मौत मामला

अमृत विचार : पुलिस हिरासत में हुई मौत के मामले में सुनवाई पूरी करने के बाद अदालत ने तत्कालीन थानाध्यक्ष को आजीवन कारावास तथा एक लाख पांच हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला जिला एवं सत्र न्यायाधीश जय प्रकाश पांडेय ने बुधवार को सुनाया।

अभियोजन कहानी के अनुसार वादी मुकदमा जितेंद्र यादव निवासी दौलतपुर थाना मेंहनगर के पिता हरिलाल यादव को रानी की सराय थाने की पुलिस ने 29 मार्च 2003 को एक बैटरी चोरी के मुकदमे में हिरासत में लिया था। उसी रात हरिलाल के बारे में जानकारी होने पर जितेंद्र यादव अपने रिश्तेदार रामवचन यादव के साथ 29 मार्च को 2003 को थाने पर पहुंचा था। जितेंद्र यादव के सामने ही पूछताछ के दौरान थानाध्यक्ष जेके सिंह के ललकारने पर दरोगा नरेंद्र बहादुर सिंह ने हरिलाल यादव को गोली मार दी। घायल हरिलाल यादव को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मृत्यु हो गई। घटना के समय जितेंद्र यादव तथा रामवचन यादव को हवालात में बंद कर दिया गया। घटना के दूसरे दिन 30 मार्च को कोतवाली में जितेंद्र की तहरीर पर यह मुकदमा दर्ज किया गया। उधर घटना के बाद इसी मामले में रानी की सराय थाने में हत्या का मुकदमा दरोगा नरेंद्र बहादुर सिंह के विरुद्ध पहले ही दर्ज कर लिया गया था। जिसके कारण शहर कोतवाली में दर्ज मुकदमे को रानी की सराय थाने में दर्ज मुकदमे में शामिल कर लिया गया। बाद में शासन ने सितंबर 2003 में इस मामले की जांच सीबीसीआईडी को सौंप दी। सीबीसीआईडी ने फरवरी 2005 में चार्जशीट न्यायालय में प्रेषित की। दौरान मुकदमा आरोपी दरोगा नरेंद्र बहादुर सिंह की मौत हो गई। अभियोजन की तरफ से जिला शासकीय अधिवक्ता प्रियदर्शी पियूष त्रिपाठी तथा सहायक शासकीय अधिवक्ता दीपक कुमार मिश्रा ने सात गवाहों को परीक्षित कराया। दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने आरोपी तत्कालीन थानाध्यक्ष जेके सिंह को आजीवन कारावास तथा एक लाख पांच हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा0, मंडल रेल प्रबंधक हजरतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा सूचना संख्या	1201–वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता–उत्तर रेलवे–लखनऊ दिनांक 02.02.2026
कार्य का नाम	लखनऊ डिवीजन के विभिन्न स्थानों पर स्थापित सौर प्रणाली में विद्युत आपूर्ति वितरण व्यवस्था में संशोधन।
अनुमानित लागत	रु.48,40,978.20/– (अड़तालिस लाख चालिस हजार नौ सौ अठहत्तर रूपये और बीस पैसे मात्र)
बयाना राशि	रु. 96,900/– (छियानवें हजार नौ सौ रूपये मात्र)
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह
ई–निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 27.02.2026 को 15.00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15.30 बजे वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा0, उत्तर रेलवे, हजरतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
प्रस्ताव की वैधता	ई–निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर चैक की जा सकती है।

सूचना सं0 1201–वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता–उत्तर रेलवे–लखनऊ दिनांक : 02.02.2026 381/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

नहर में कूदी महिला, पुलिस के प्रयास से बची जान

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : मंगलवार की रात देवा–कुर्सी मार्ग पर स्थित नहर के पुल से एक महिला ने नहर में छलांग लगा दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अजय कुमार त्रिपाठी पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से महिला को नहर से सुरक्षित बाहर निकलवाया। इसके बाद महिला को अपनी सरकारी वाहन से तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवा भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार किया। इलाज के बाद महिला की हालत सामान्य बताई गई। उपचार के पश्चात पूछताछ में महिला ने अपना नाम पूनम पत्नी गुरुसेवक निवासी हृदयपुर मजरा दौलतपुर थाना मोहम्मदपुर खाला बताया। पुलिस द्वारा महिला के परिजनों को घटना की सूचना दी गई। परिजनों द्वारा देर रात दूरी अधिक होने एवं आवागमन के साधन उपलब्ध न होने की बात बताए जाने पर उपनिरीक्षक सुमित कुमार वर्मा, महिला आरक्षी शीतल सिंह, महिला आरक्षी नीता तोमर, कांस्टेबल अतुल कुमार द्वारा महिला को सुरक्षित थाना मोहम्मदपुर खाला ले जाकर परिजनों के सुपुर्द किया गया।

संदिग्ध दशा में विवाहिता की मौत

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके पक्ष ने पति और सास पर हत्या का आरोप लगाया है। इटावा के विजय सिंह ने पुलिस को बताया कि बहन रीमा से 14 वर्ष पूर्व शादी के बाद पति सुरेन्द्र सिंह भिटरिया में रह रहा है। आरोप है कि विवाह के बाद से ही सुरेन्द्र व उसकी मां पुष्पा देवी द्वारा रीमा को अपमानित किया जाता था तथा साथ मारपीट भी की जाती थी। पति ने मकान निर्माण के लिए पांच लाख रुपये की मांग की थी, जिसे पूरा नहीं किया जा सका। बताया गया कि 24 जनवरी को रीमा मायके आई, जहां आरोपी भी पहुंच गया। बाद रीमा लौट गई। भाई का कहना है कि 2 फरवरी को रीमा ने फोन पर आशंका जताई थी कि उसका पति उसे मार सकता है और वह पुलिस में शिकायत करने वाली है। इसके कुछ समय बाद संपर्क टूट गया। थोड़ी देर बाद रीमा की मौत की सूचना दी गई।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी/हजरतगंज, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.	**ई-निविदा सूचना संख्या** : टीआरडी-01-सीनि.डी.ई.ई.-लखनऊ-26
2.	**कार्य का नाम** : लखनऊ मंडल के कुंदनगंज स्टेशन के RBL END पर शंटिंग नेक को लंबी लूप लाइन में बदलने के संबंध में ओएचई (OHE) संशोधन कार्य।
3.	**अनुमानित लागत** : रु. 81,58,270.96
4.	**बयाना राशि** : रु. 1,63,200.00/-
5.	**कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 06 माह
6.	**निविदा फार्म जमा करने की अन्तिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि** : दिनाँक 27.02.2026 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:00 बजे के बाद।
7.	**प्रस्ताव की वैधता** : निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
8.	**उत्तर रेलवे की वेबसाइट** : अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर चेक की जा सकती है।
9.	**पात्रता मापदण्ड** : निविदाकर्ता तब तक निविदा डालने योग्य नहीं है, जब तक कि वह निम्नलिखित पात्रता मापदंड पूरा नहीं करता: **1.** निविदाकर्ता का न्यूनतम औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार वी/एन या 'वी' जो भी कम हो होना चाहिए, जहां वी = निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड रुपये में एन = कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या जिसके लिए बोलियां आमंत्रित की गई हैं **2.** निविदाकर्ता पिछले सात वित्तीय वर्ष (निविदा के आमंत्रित करने के एक महीने पहले के अन्तिम दिन तक); "कम से कम एक समान प्रत्येक तीन कार्य का **30 प्रतिशत** न्यूनतम विज्ञापित राशि का कार्य किया हो" **या** "कम से कम एक समान प्रत्येक दो कार्य का **40 प्रतिशत** न्यूनतम विज्ञापित राशि का कार्य किया हो" **या** "कम से कम एक समान एक कार्य का **60 प्रतिशत** न्यूनतम विज्ञापित राशि का कार्य किया हो"। **एक समान कार्य की परिभाषा होगी:-** Similar work means design, supply, erection, testing & commissioning of 50 Hz, Single Phase 25 KV AC OHE. **3.** निविदाकर्ता अपने आफर के साथ बिजली के ठेकेदारों के वैध लाइसेंस की प्रमाणित छायाप्रति अवश्य जमा करें।

नोट: इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव नजरअंदाज/खारिज कर दिया जाएगा। पूर्ण विवरण वेबवाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।

सं.: टीआरडी-01-सीनि.डी.ई.ई.-लखनऊ-26 दिनाँक: 03.02.2026 **378/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय नगर पंचायत सलोन जनपद–रायबरेली

पत्रांक : 689/अधि0अधि0न0प0स0/ई–टेण्डर/2025–26 दिनांक 03.02.2026

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

एतद्वारा ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में पेयजल हेतु व्यवस्था के अन्तर्गत स्वीकृत धनराशि से नगर पंचायत सलोन में निम्नांकित कार्य हेतु यू0पी0 इलेक्ट्रानिक्स कार्पोरेशन लिमिटेड में रजिस्टर्ड बिल्डर्स/कान्ट्रैक्टर्स/बेन्डर्स से दिनांक– 04.02.2026 से 25.02.2026 सांय 05:00 बजे तक ई–निविदाएं आमन्त्रित की जाती है. जिसकी समस्त कार्यवाही www.etender.up.nic.in पर ही की जायेगी। दिनांक 26.02.2026 को पूर्वान्ह 11.00 बजे निविदाएँ खोली जायेगी। किसी एक अथवा समस्त टेण्डर को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। शासन के निर्देशानुरूप जी.एस.टी. भी मान्य होगी। ई–निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारी कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। नोट–शासन द्वारा स्वीकृत प्रथम किस्त की धनराशि से नियमानुसार भुगतान की कार्यवाही की जायेगी एवं अवशेष भुगतान द्वितीय किस्त प्राप्त/स्वीकृत होने पर नियमानुसार किया जायेगा।

टेण्डर शेड्यूल (www.etender.up.nic.in पर)

क्रं0	नगर पंचायत	ठेकेदार	प्रारम्भ दिनांक एवं समय	अन्तिम दिनांक एवं समय
1.	Tender Release		04.02.2026	-
2.		Tender Download	05.02.2026	25.05.2026
3.		Bid Submission	05.02.2026	25.05.2026 सायं 05 P.M.
4.	Bid Opening		26.02.2026 पूर्वान्ह 11 A.M.	

''कार्य–विवरण''

क्र0 सं0	कार्य स्थल का विवरण	अनुमानित लागत (GST रहित)	जमानत राशि 10 प्रति0	निविदा फार्म शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	नगर पंचायत सलोन में रम्मा का पुरवा से बाबू के पुरवा तक पाइप लाइन का कार्य।	1707050	170750	2050	01 माह
2.	नगर पंचायत सलोन में रऊजा से पम्प हाउस तक पाइप लाइन का कार्य।	1451340	145150	1750	01 माह
3.	नगर पंचायत सलोन में प्राइमरी स्कूल से रम्मा का पुरवा तक पाइप लाइन का कार्य ।	1732380	173250	2050	01 माह
4.	नगर पंचायत सलोन में वार्ड नं0 02 में प्रतापगढ़ मेन रोड़ से पाइप लाइन का कार्य।	2329120	232950	2750	01 माह
5.	नगर पंचायत सलोन में पेयजल व्यवस्था हेतु विभिन्न स्थानों पर 10 एच0पी0 मिनी ट्यूबवेल अधिष्ठापन का कार्य।	1658040	165850	2000	01 माह

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सलोन
रायबरेली

प्रशासक
नगर पंचायत सलोन
रायबरेली

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मेरा हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2019 अनुक्रमांक 1418510व इंटर मीडिएट परीक्षा वर्ष 2021 अनुक्रमांक 216168232 के प्रमाणपत्र सह अंकपत्र वास्तव में कहीं खो गये हैं। **आयुष प्रताप सिंह पुत्र अनुरूह सिंह कल्याणपुर जागू असजना, विधूना जनपद औरैया।**

सूचना
मैंने अपना नाम MELWIN RUJARIO RODRIGUES से बदल कर MELWIN ROZARIO RODRIGUES रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **C/O: VALERIAN RODRIGUES R/O: BISHOPS HOUSE HAJRAT GANJ ROAD LUCKNOW, UTTAR PRADESH - 226001**

सूचना
मैंने अपना नाम SAMA PARVEEN से बदल कर SHAMA PARVEEN रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **W/O: PARVEZ ALAM R/O: HOUSE NO 154 PARSAPALAI DIN TULSIPUR BALRAMPUR UTTAR PRADESH - 271210**

सूचना
मैं SHIVA पुत्र श्री उमेश, निवासी –निकट तालाब, जासेपुर, हैदरगढ़, बाराबंकी, उ0प्र0, अपना नाम बदलकर SHIVA KUMAR कर रहा हूँ, अब से मुझे SHIVA KUMAR के नाम से जाना पहचाना और माना जाये।

सूचना
मैं MOHD SAFEEK पुत्र MOHD SAFI, निवासी – खिन्नी तल्ला, पो0 –कैपरगंज, थाना–कोतवाली, जिला–रायबरेली, उ0प्र0, अपना नाम बदलकर MOHD SHAFIK कर रहा हूँ, अब से मुझे MOHD SHAFIK S/O MO SAFI के नाम से जाना पहचाना और माना जाये।

सूचना
मैं RAJ पुत्र श्री सुरेश, निवासी–मदरसा वार्ड गढ़ी, अमेठी, लखनऊ, उ0प्र0, अपना नाम बदलकर RAJ KUMAR कर रहा हूँ, अब से मुझे RAJ KUMAR के नाम से जाना पहचाना और माना जाये।

सूचना
सूचित हो कि पहले मेरा नाम RANJIT CHAUHAN था से बदलकर RANJEET CHAUHAN रख लिया है। अब मुझे RANJEET CHAUHAN के नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-LAXMAN CHAUHAN ADD-VILL-PIPRA PADUM POST-JHONHA DIST-GONDA-271504(U.P.).**

सूचना
मेरा यूपी बोर्ड हाई स्कूलवर्ष 2019 अनुक्रमांक 1099756 तथा इंटरमीडिएट वर्ष 2021 अनुक्रमांक 215907125 का अंकपत्र सह प्रमाणत्र वास्तव में कहीं खो गया है। **अर्पित कीरत सिंह पुत्र सुनील कुमार सिंह निवासी सोनपुर बलरामपुर पुरानी बाजार पचपेड़वा जिला– बलरामपुर।**

सूचना
मैने अपना नाम MOHAMMAD SULEMAN से बदलकर SULEMAN JAVIR KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-MOHAMMAD JAVIR ADD-NEVADA, PO-SADULLANAGAR, DIST-BALRAMPUR-271307(U.P)**

सूचना
मैंने अपने पुत्र ज्ञानेन्द्र कुमार को उनके गलत कृत्यों से खिन्न होकर अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में इनके किसी भी कृत्य से मेरा एवं मेरे परिवार का कोई वास्ता/सरोकार नहीं होगा। **ओम प्रकाश यादव पुत्र स्व बैजनाथ प्रेमा देवी पत्नी श्री ओम प्रकाश निवासीगण ग्राम पूरे छेदी पोस्ट राही थाना मिल एरिया रायबरेली।**

सूचना
मैं QULSUM KHALIK पत्नी श्री SYED FAIZI YUNUS KHAWAJA, निवासी –कैम्पस इरम इण्टर कालेज, सी ब्लॉक, इंदिरा नगर, लखनऊ, उ0प्र0, अपना नाम बदलकर QULSUM KHALIKE कर रही हूँ, अब से मुझे QULSUM KHALIKE W/O KHAWAJA SYED FAIZI YUNUS के नाम से जाना पहचाना और माना जाये।

सूचना
मैं MOHAMMAD AFASAR पुत्र MOHAMMAD UMAR, निवासी–वार्ड नं0 10, गढ़ी परशदेपुर, पोस्ट–परशदेपुर, थाना–डीह, जिला– रायबरेली, उ0प्र0, अपना नाम बदलकर MOHD AFASAR कर रहा हूँ, अब से मुझे MOHD AFASAR पुत्र MOHD UMAR के नाम से जाना पहचाना और माना जाये।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र शिवेन्द्र अवस्थी पुत्र सुधीर कुमार अवस्थी नि0 मो0 आदर्श नगर, सीतापुर, उ0प्र0 261001 को अपनी व अपनी पत्नी की समस्त चल– अचल सम्पत्ति से कतई बेदखल करता हूँ। भविष्य में इनके किसी भी प्रकार के अपराधिक कृत्य या लेन –देन से मेरा व मेरी पत्नी व परिवार से कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा। **सुधीर कुमार अवस्थी पुत्र पृथ्वीपाल अवस्थी नि0 मो0 आदर्श नगर, सीतापुर, उ0प्र0 261001**

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 5 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

छात्राओं व महिलाओं को किया जागरूक

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना ढेबरुआ मिशन शक्ति टीम ने क्षेत्र के कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय ग्राम दूधवनिया बुजुर्ग में छात्राओं, युवतियों व महिलाओं को जागरूक किया। महिला संबंधी अपराध, गुड टच बैड टच, साइबर अपराध व उससे बचाव के संबंध में जानकारी दी। विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया। क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी तथा थानाध्यक्ष नरायन लाल श्रीवास्तव थाना ढेबरुआ के नेतृत्व में थाना ढेबरुआ मिशन शक्ति टीम ने जागरूकता अभियान चलाया। वहीं महिला मिशन केंद्र थाना खेसरहा टीम द्वारा ग्राम मेहनुआ में जन चौपाल नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वालंबन, नये कानून, साइबर अपराध सुरक्षा व एंटी रोमियो व शक्ती दीदी अभियान के तहत बालिकाओं व महिलाओं को जागरूक किया गया। क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिनी यादव तथा थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र थाना खेसरहा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जागरूकता अभियान चलाया।

विद्यालय में प्रवेश के लिए फार्म वितरण शुरू

गोरखपुर, अमृत विचार। एन.ई.रेलवे सीनियर सेकेंडरी स्कूल कौआबाग, गोरखपुर में नये सत्र 2026-27 के लिए 6वीं से 9वीं तक प्रवेश के लिए 5 फरवरी से फार्म का वितरण किया जायेगा। यह प्रवेश फार्म किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 02:00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है, जिसकी अंतिम तिथि 06 मार्च, 2026 तक होगी। यह विद्यालय सी.बी.एस.ई. (इंगलिश मीडियम) नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त है। प्रवेश फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 06 मार्च तक निर्धारित की गयी है।

हाईकोर्ट ने दशकों से लंबित हत्या के मामले में 100 वर्षीय आरोपी को किया बरी

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वर्ष 1982 के एक हत्या मामले में लगभग 100 वर्षीय आरोपी को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि जब कोई व्यक्ति जीवन के अंतिम चरण में न्यायालय के समक्ष खड़ा हो और मामला दशकों तक लंबित रहा हो तो केवल दंडात्मक परिणामों पर जोर देना न्याय के उद्देश्य से भटकने जैसा हो सकता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि न्याय कोई अमूर्त अवधारणा नहीं है, जिसे मानवीय परिस्थितियों से अलग कर देखा जाए।

यह टिप्पणी न्यायमूर्ति चंद्र धारी सिंह और न्यायमूर्ति संजीव कुमार

● कहा, न्याय कोई अमूर्त अवधारणा नहीं, जिसे मानवीय परिस्थितियों से अलग कर देखा जाए

की खंडपीठ ने हमीरपुर निवासी सत्ती दीन और अन्य की आपराधिक अपील को निस्तारित करते हुए की। कोर्ट ने अभियोजन पक्ष द्वारा आरोपों को संदेह से परे सिद्ध करने में विफलता के साथ-साथ चार दशकों से अधिक समय तक चली आपराधिक प्रक्रिया और आरोपी की अत्यधिक आयु को भी निर्णायक रूप से ध्यान में रखा। मामले के अनुसार नौ अगस्त 1982 को मुखबिर अपने भाई गुनुआ के साथ घर लौट रहा था, तभी माइकू (बंदूक), सत्ती दीन (भाला) और धानी राम (कुल्हाड़ी/फरसा) से लैस होकर सामने आए। आरोप था कि पुरानी रंजिश के चलते माइकू ने गुनुआ को गोली मार दी, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। वर्ष 1984 में निचली अदालत ने सत्ती दीन और धानी राम को आईपीसी की धारा 302/34 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी, जबकि मुख्य आरोपी माइकू कभी गिरफ्तार नहीं हो सका। अपील के दौरान सत्ती दीन की मृत्यु हो गई और धानी राम एकमात्र जीवित अपीलकर्ता रह गए। हाईकोर्ट ने साक्ष्यों के गहन विश्लेषण में अभियोजन की कहानी पर गंभीर संदेह जताया। कोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि धानी राम ने लगभग 40 वर्ष लंबित अपील में जमानत पर बिताए हैं और अब उनकी आयु लगभग 100 वर्ष है। इतनी लंबी देरी महज प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि निष्पक्षता को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक बन जाती है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि एक आपराधिक प्रक्रिया जो पीढ़ियों तक चलती रहती है। वह केवल जवाबदेही का तंत्र नहीं रह जाती, बल्कि स्वयं में दंड का स्वरूप ग्रहण कर लेती है।

भरण-पोषण की वसूली में गिरफ्तारी वारंट अवैध : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अलीगढ़ के एक भरण-पोषण विवाद में परिवार न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट को अवैध ठहराते हुए स्पष्ट किया कि बकाया भरण-पोषण की वसूली सीधे गिरफ्तारी के जरिए नहीं की जा सकती। कोर्ट ने कहा कि ऐसा करना न केवल दंड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों के खिलाफ है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का भी उल्लंघन है। परिवार न्यायालय द्वारा की गई इस कार्यवाही को अवैध और कानून के विपरीत बताते हुए कहा कि भरण-पोषण न देने वाला व्यक्ति कोई अपराधी नहीं है और उसकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता व गरिमा को अनुचित रूप से कुचला नहीं जा सकता। उक्त आदेश न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ला की एकलपीठ ने मोहम्मद शहजाद की याचिका स्वीकार करते हुए पारित किया। इसके साथ ही कोर्ट ने परिवार न्यायालय, अलीगढ़ द्वारा 25 सितंबर 2025 को पारित उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें भरण-पोषण की बकाया राशि की वसूली के लिए गिरफ्तारी/रिकवरी वारंट जारी किए गए थे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सीआरपीसी की धारा 125(3) और 421 के तहत पहले बकाया राशि की वसूली जुर्माने के रूप में की जानी चाहिए, जैसे संपत्ति या वेतन की कुर्की, न कि सीधे गिरफ्तारी के जरिए। कोर्ट ने कहा कि भरण-पोषण मामलों में दंड प्रक्रिया संहिता और सुप्रीम कोर्ट के रजनेश बनाम नेहा फैसले के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद परिवार न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी करना अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर की गई कार्रवाई है। कोर्ट ने कहा कि कानून यह व्यवस्था देता है कि पहले नोटिस जारी हो, फिर संपत्ति या वेतन की कुर्की जैसे उपाय अपनाए जाएं। कारावास का प्रश्न केवल उस स्थिति में उठता है, जब वसूली के प्रयास विफल हो जाएं। रिकवरी और गिरफ्तारी वारंट एक साथ जारी करना कानून में कहीं भी अनुमन्य नहीं है। दरअसल अलीगढ़ जिले के बन्ना देवी पुलिस स्टेशन में साजिया खान और एक अन्य द्वारा मोहम्मद शहजाद के खिलाफ दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत भरण-पोषण का दावा किया गया था। वर्ष 2017 में पारित आदेश के तहत शहजाद पर भरण-पोषण भुगतान की जिम्मेदारी तय की गई थी। बाद में बकाया राशि की वसूली के लिए सीआरपीसी की धारा 128 के तहत कार्यवाही शुरू की गई।

एसआईआर में लापरवाही पर करें कार्रवाई

डीएम ने बूथवार अनमैप्ड मतदाताओं के नोटिस निस्तारण व सुनवाई की समीक्षा में दिए निर्देश

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। एस.आई.आर. के दृष्टिगत जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. द्वारा तहसील नौगढ में बैठक किया गया।

बैठक में नौगढ़ विधानसभा क्षेत्र के समस्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बूथवार अनमैप्ड मतदाताओं के नोटिस निस्तारण व सुनवाई की विस्तृत समीक्षा की गई। जिन सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के स्तर से पोर्टल पर 20 प्रतिशत से कम निस्तारण पाया गया और जिनके यहां सर्वाधिक आवेदन लंबित रहे, उन्हें चिन्हित करते हुए अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा प्रगति संतोषजनक न होने की स्थिति में कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) से अनमैप्ड मतदाताओं की अब तक की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि गांव-गांव जाकर नोटिस निर्गत करने के उपरांत साक्ष्य मिलान के लिए अनिवार्य रूप से जनसुनवाई आयोजित की जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जनसुनवाई से कम से कम दो दिन पूर्व संबंधित मतदाताओं को आवश्यक दस्तावेजों की पूरी जानकारी उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे सत्यापन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और कार्य सुचारू रूप से संपन्न किया जा सके। बैठक में नोटिस जारी करने की प्रक्रिया में आ रही व्यावहारिक समस्याओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई, जिस पर जिलाधिकारी ने मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने नोटिस निस्तारण प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि अनमैप्ड मतदाताओं को अधिकतम सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रशासन को गांव-गांव जाकर कार्रवाई करनी होगी, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे। उन्होंने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध रूप से लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। कम प्रगति वाले तहसील नौगढ़ के 19 ई0 आर0 ओ0/ए.ई.आर.ओ. को स्पष्टीकरण निर्गत करने का निर्देश दिया।

तहसील नौगढ़ में समीक्षा बैठक करते डीएम शिवशरणप्पा जी.एन.।

कार्य परिषद की स्वीकृति से विवि के शिक्षकों को प्रोन्नति

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, शोध एवं संस्थागत विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को अनुमोदन प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय में कार्यरत 19 सहायक आचार्यों को लेवल-10 से लेवल-11 तथा 3 एसोसिएट प्रोफेसरों को प्रोफेसर पद पर प्रोन्नति दिए जाने को स्वीकृति दी गई।

बैठक में कुलपति प्रो. कविता शाह, कुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार, परीक्षा नियंत्रक दीनानाथ यादव, वित्त अधिकारी रामेंद्र मौर्य, कला संकायाध्यक्ष प्रो. नीता यादव, विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. प्रकृति राय, कुलानुशासक प्रो. दीपक बाबू सहित कार्य परिषद के सदस्य- पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अनिरुद्ध सिंह, प्रो. अरविंद कुमार सिंह, प्रो. बृजेश त्रिपाठी, प्रो. एसपी सिंह एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने प्रोन्नत शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कुलपति प्रो. कविता शाह ने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षक पूरी लगन, निष्ठा और टीम भावना के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह ऊर्जावान अकादमिक टीम शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

कपिलवस्तु-3 : पड़ोसी, दल और दिलचस्प चुनावी जंग

निजाम जिलानी, ककरहवा, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। कपिलवस्तु-3 का चुनाव इस बार सिर्फ दलों की नहीं, बल्कि इतिहास, और राजनीतिक यात्राओं की भी परीक्षा बन गया है। एक ही वार्ड, एक ही मोहल्ला से निकलकर तीन 'हेवीवेट' नेता अलग-अलग दलों से आमने-सामने हैं। यह संयोग नहीं, बल्कि नेपाली राजनीति की बदलती प्रवृत्तियों और दलगत अस्थिरता का जीवंत उदाहरण है।

तीन वर्ष पहले तक जो नेता एक ही पार्टी के झंडे तले चुनावी मैदान में थे, आज वही एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हैं। अभिषेक प्रताप शाह, वीरेन्द्र कुमार कानोडिया और एहसान अहमद खाँ तीनों कृष्णनगर-2 के निवासी हैं, तीनों के घरों के बीच दूरी मुश्किल से एक किलोमीटर, और तीनों की नजर एक ही संसदीय सीट पर। स्थानीय लोगों की यह सोच है की इन तीनों में से ही कोई एक सांसद बनेगा, लोगों की इस धारणा से चुनाव और रोचक बना देती है। अभिषेक प्रताप शाह युवा नेतृत्व का चेहरा हैं, जिनकी राजनीतिक विरासत उनके परिवार से जुड़ी रही है। युवाओं के रोजगार और उद्यमशीलता की बात करने वाले शाह खुद को नई पीढ़ी की उम्मीदों का प्रतिनिधि बताते हैं। वहीं, वीरेन्द्र कुमार कानोडिया का राजनीतिक अनुभव लंबा और बहुआयामी रहा है छात्र राजनीति से लेकर मंत्री पद और प्रदेश की प्रमुख प्रतिपक्षी भूमिका तक। कांग्रेस से निकलकर एमाले में उनका जाना यह दिखाता है कि विचारधारा से ज्यादा आज की राजनीति में अवसर और रणनीति निर्णायक बनते जा रहे हैं।

दूसरी ओर, एहसान अहमद खाँ का राजनीतिक सफर भी दल परिवर्तन से भरा रहा है कांग्रेस से लेकर माओवादी केंद्र तक की उनकी यात्रा यह सवाल उठाती है कि क्या मतदाता अब भी दलों की पहचान को प्राथमिकता देंगे या उम्मीदवार की व्यक्तिगत छवि और स्थानीय पकड़ ज्यादा मायने रखेगी। कपिलवस्तु-3 का यह मुकाबला केवल तीन व्यक्तियों के बीच नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक राजनीतिक संस्कृति का प्रतिबिंब है जहाँ दल बदलना असामान्य नहीं रह गया है। मतदाताओं के सामने चुनौती साफ है वे अनुभव को चुनें, युवावस्था को, या फिर वैकल्पिक राजनीति के दावे को? यह चुनाव तय करेगा कि क्षेत्र की जनता स्थिरता चाहती है या बदलाव, परंपरा को तरजीह देती है या प्रयोग को। एक बात तय है पड़ोसियों की यह राजनीतिक टक्कर कपिलवस्तु-3 को इस बार पूरे प्रदेश की नजरों में ला खड़ा करती है।

रेलवे ट्रैक पर हाथियों के टकराने से रोकने के लिए किए कई सुरक्षा उपाय

नई दिल्ली, अमृत विचार। रेल मंत्रालय ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के साथ मिलकर रेलवे ट्रैक पर हाथियों के टकराने से रोकने के लिए कई सुरक्षा उपाय किए हैं, इनोवेटिव उपायों में से एक है डिस्ट्रीब्यूटेड अकूस्टिक सेंसर का इस्तेमाल करके रेलवे ट्रैक पर हाथियों की मौजूदगी का पता लगाने के लिए ए आई-इनेबल्ड इंटूजन डिटेक्शन सिस्टम डेवलप करना। सिस्टम के कंपोनेंट्स में ऑप्टिकल फाइबर, हार्डवेयर और हाथी की चाल के पहले से इंस्टॉल किए गए सिग्नेचर शामिल हैं। यह सिस्टम लोको पायलट, स्टेशन मास्टर और कंट्रोल रूम को रेलवे ट्रैक के पास हाथियों की आवाजाही के बारे में अलर्ट जेनरेट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, ताकि समय पर बचाव कार्रवाई की जा सके। फिलहाल, आई डी एस सिस्टम नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे में वन विभाग द्वारा पहचाने गए क्रिटिकल और संवेदनशील जगहों पर 141 रूट किलोमीटर पर काम कर रहा है।

गंगा घाट से सारनाथ तक होम-स्टे, छह महीने में 600 आवेदन, आम आदमी भी कमा रहा लाखों

वाराणसी, अमृत विचार। वाराणसी जिले में होम-स्टे और गेस्ट हाउस की संख्या तेजी से बढ़ रही है। काशी का पर्यटन बढ़ने के साथ होम स्टे लोगों की आजीविका का साधन बन गया है। कई परिवार जो पहले सीमित संसाधनों में जीवन यापन कर रहे थे, आज अपने घरों के कमरों को पर्यटकों के लिए खोलकर महीने में लाखों रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं।

पर्यटन विभाग और भारत पर्यटन के पास बीते तीन महीने में 600 से ज्यादा आवेदन आए हैं। इनमें 99 को संचालन की अनुमति दी गई है। खास बात यह है कि इनमें करीब 200 आवेदन मैदागिन से गोदौलिया और दशाश्वमेध क्षेत्र से आए हैं। जबकि सारनाथ और इसके आसपास के क्षेत्रों से 100 से ज्यादा आवेदन आए हैं। यहां के लोगों ने अपने घरों को होम-स्टे में बदलकर लिया है। विभागों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, प्राप्त 600 आवेदनों में से अब तक 99 को अनुमति दी जा चुकी है, जबकि शेष आवेदनों की जांच प्रक्रिया चल रही है।

> काशी में पर्यटन बढ़ने के साथ युवाओं के रोजगार में भी बढ़ोतरी हुई है। होम स्टे और गेस्ट हाउस से लोगों की कमाई बढ़ रही है। इसके लिए विभाग में आवेदन आने के बाद उनकी जांच की जाती है। इसके बाद अनुमति दी जा रही है।
>
> **-पावस प्रसून,** सहायक निदेशक, भारत पर्यटन

वीकेंड में पर्यटकों को नहीं मिल रही जगह

काशी में बीते साल 12 महीनों में 14.70 देसी और विदेशी पर्यटक आए। इसी बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए दो साल में विश्वनाथ मंदिर और आसपास के इलाकों में 800 से अधिक छोटे-बड़े गेस्ट हाउस और होम स्टे खुल गए हैं। स्थिति यह है कि छह फीट चौड़ी गलियों में 100 मीटर के दायरे में भी एक से अधिक गेस्ट हाउस और होम स्टे खुले हैं। इसके बावजूद त्योहारी और पर्यटन सीजन में वीकेंड के दौरान पर्यटकों को कमरे नहीं मिल रहे हैं। जिन जगहों पर मिल रहे हैं, वह जरूरत से ज्यादा किराया ले रहे हैं।

पर्यटन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इससे रोजगार के नए विकल्प सामने आ रहे हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे को स्क्रैप निस्तारण से 169.33 करोड़ रुपये की आय

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन स्क्रैप निस्तारण के क्षेत्र में निरन्तर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहा है। स्क्रैप निस्तारण से रेल राजस्व की प्राप्ति के साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किये जा रहे प्रयासों को गति मिली है। स्क्रैप निस्तारण के परिणामस्वरूप रेल परिसर एवं रेल लाइनों के किनारे पड़ी निराकृत सामग्रियों के निस्तारण से ये स्थल स्वच्छ एवं साफ-सुथरे हो रहे हैं। वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में माह जनवरी, 2026 तक 'मिशन ज़ीरो स्क्रैप' के तहत स्क्रैप निस्तारण से रू. 169.33 करोड़ की आय हुई है तथा माह जनवरी, 2026 में स्क्रैप निस्तारण से रू. 23.14 करोड़ की आय हुई है। भारत सरकार के कार्यक्रम 'स्वच्छ भारत मिशन' के तहत रेल परिसरों तथा रेल पटरियों के किनारे पड़े हुये निष्प्रयोज्य सामग्री, परित्यक्त इमारतों एवं आवासों की पहचान कर निस्तारण किया गया है।

4 से 11 फरवरी तक गाड़ियों का संचालन रहेगा प्रभावित

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा संरक्षित गाड़ी संचलन हेतु वाराणसी मंडल के पिवकोल-सलेमपुर स्टेशनों के मध्य ब्रिज संख्या 08 पर गर्डर लांचिंग कार्य के परिप्रेक्ष्य में ब्लॉक लिए जाने के कारण गाड़ियों का शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन किया जायेगा। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 04 एवं 10 फरवरी को चलने वाली 20103 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-आजमगढ़ एक्सप्रेस आजमगढ़ के स्थान पर भटनी में यात्रा समाप्त करेगी तथा यह गाड़ी भटनी-आजमगढ़ के मध्य निरस्त रहेगी। आजमगढ़ से 05 एवं 11 फरवरी को चलने वाली 20104 आजमगढ़-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेसआजमगढ़ के स्थान पर भटनी से चलाई जायेगी तथा यह गाड़ी आजमगढ़-भटनी के मध्य निरस्त रहेगी।

कार्यालय अधिषासी अभियन्ता,
बाढ़ खण्ड, बलरामपुर

ई-टेण्डरिंग के माध्यम से कराये जाने वाले कार्यों की निविदा सूचना
अति अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या- 15/अधि0 अभि0/2025-26

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु सिंचाई विभाग के वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत फर्म/ ठेकेदारों से दिनांक 06.02.2026 पूर्वान्ह 10.00 बजे से दिनांक 12.02.2026 अपराह्न 02.00 बजे तक ऑनलाईन निविदायें http://etender.up.nic.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। निविदादाता द्वारा टेक्निकल/ प्री-क्वालीफिकेशन बिड दिनांक 12.02.2026 को अपराह्न 3.00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में समिति द्वारा ऑनलाइन खोली जायेगी एंव प्री-क्वालिफिकेशन टेक्निकल बिड में उपयुक्त पाये गये निविदादाताओं की फाइनेन्सियल प्राइज बिड खोलने की तिथि कुल प्राप्त निविदाओं की संख्या के आधार पर नोटिस बोर्ड एवं ई-पोर्टल पर ऑनलाइन अलग से सूचित किया जायेगा। कार्यालय बन्द होने या राजकीय अवकाश होने की दशा में यह निविदा अगले कार्य दिवस में उसी समय पर खोली जायेगी। ई-निविदा अपलोड करने से पहले निविदादाता कार्यस्थल, ई-निविदा के नियम एवं शर्तों का भली भांति अध्ययन कर लें। किसी भी प्रकार की तकनीकी खराबी आने की दशा में विभाग/खण्ड की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। कार्यों का विवरण निम्नवत् हैः-

लाट सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में) I.N.R.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य+ (18% G.S.T) +स्टेषनरी चार्ज सहित	ठेकेदार की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	नकवा ड्रेन के किमी0 0.000 से 4.500 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	31.16	0.62	20 दिवस	300+54+500	सिविल में 'बी' या उच्च श्रेणी
2	लम्बुइया ड्रेन के किमी0 0.000 से 3.000 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	8.25	0.17	20 दिवस	225+41+500	सिविल में 'सी' या उच्च श्रेणी
3	रमनगरा ड्रेन के किमी0 0.000 से 4.000 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	18.18	0.36	20 दिवस	300+54+500	सिविल में 'सी' या उच्च श्रेणी
4	बरगदवा ड्रेन के किमी0 0.000 से 5.000 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	23.81	0.48	20 दिवस	300+54+500	सिविल में 'बी' या उच्च श्रेणी
5	बरूनी ड्रेन के किमी0 2.500 से 6.300 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	32.21	0.64	20 दिवस	300+54+500	सिविल में 'बी' या उच्च श्रेणी
6	कचनी ड्रेन के किमी0 0.000 से 8.000 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	30.22	0.60	20 दिवस	300+54+500	सिविल में 'बी' या उच्च श्रेणी
7	विश्वा ड्रेन के किमी0 0.500 से 7.800 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	32.85	0.66	20 दिवस	300+54+500	सिविल में 'बी' या उच्च श्रेणी
8	सुहेलवा ड्रेन के किमी0 0.000 से 2.200 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	32.99	0.66	20 दिवस	300+54+500	सिविल में 'बी' या उच्च श्रेणी
9	सेमरहवा ड्रेन के किमी0 0.000 से 6.000 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	27.00	0.54	20 दिवस	300+54+500	सिविल में 'बी' या उच्च श्रेणी
10	न्यूदिहा ड्रेन के किमी0 0.000 से 4.000 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	11.25	0.23	20 दिवस	225+41+500	सिविल में 'सी' या उच्च श्रेणी
11	निनौनी ड्रेन के किमी0 0.000 से 5.000 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	25.00	0.50	20 दिवस	300+54+500	सिविल में 'बी' या उच्च श्रेणी
12	खिरी पंजवा ड्रेन के किमी0 0.000 से 6.000 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	20.12	0.40	20 दिवस	300+54+500	सिविल में 'बी' या उच्च श्रेणी
13	धोबैनिया ड्रेन पर ग्राम भगहा के निकट किमी0 6.050 से किमी0 6.695 के तथा ग्राम लबेदपुर के निकट किमी0 4.250 से किमी0 4.950 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	25.52	0.51	20 दिवस	300+54+500	सिविल में 'बी' या उच्च श्रेणी
14	जमधरा ड्रेन पर ग्राम नेवलगंज के निकट किमी0 14.450 से किमी0 15.850 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	6.97	0.14	20 दिवस	225+41+500	सिविल में 'सी' या उच्च श्रेणी
15	हेंगहा नाला के किमी0 1.700 से 5.500 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	32.09	0.64	20 दिवस	300+54+500	सिविल में 'बी' या उच्च श्रेणी
16	खरझार नाला के किमी0 0.000 से किमी0 3.700 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	31.80	0.64	20 दिवस	300+54+500	सिविल में 'बी' या उच्च श्रेणी
17	खैर नाला के किमी0 0.000 से 4.000 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	33.87	0.68	20 दिवस	300+54+500	सिविल में 'बी' या उच्च श्रेणी
18	गौरिया नाला के किमी0 1.000 से 7.500 के मध्य सिल्ट सफाई का कार्य।	32.02	0.64	20 दिवस	300+54+500	सिविल में 'बी' या उच्च श्रेणी

1. इस निविदा/बिड की सूचना/विवरण/शर्तें उ0प्र0 सरकार की बेवसाईट http://etender.up.nic.in सूचना विभाग की बेवसाईट http://information.up.nic.in तथा सिंचाई विभाग की बेवसाईट http://idup.gov.in/ पर भी उपलब्ध है।
विस्तृत निविदा प्रपत्र एवं उससे सम्बंधित अन्य षर्तें वेवसाइट से डाउनलोड कर देखी व पढ़ी जा सकती है।

(भरत राम)
अधिशासी अभियन्ता
बाढ़ खण्ड, बलरामपुर

UP-245174 दिनांक 03.02.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

जागरूकता | प्रभा देवी शिक्षण संस्थान और ट्रैफिक पुलिस ने संयुक्त रूप से निकाली रैली

छात्र-छात्राओं ने सुरक्षित सफर का दिया संदेश

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। सड़क सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता को लेकर बुधवार को प्रभादेवी शिक्षण संस्थान के छात्र एवं छात्राओं ने खलीलाबाद शहर में आकर्षक झांकियों के साथ भव्य महारैली निकाली।

रैली को एआरटीओ कुमारी प्रियंवदा सिंह, सीओ ट्रैफिक प्रियम राजशेखर पांडे, एमडी पुष्पा चतुर्वेदी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। झांकियों और नारों के जरिए बच्चों ने सुरक्षित सफर का संदेश दिया। रैली प्रातः 10 बजे मोती चौराहा से शुरू हुई जो, बैंक चौराहा, गोला बाजार, मेंहदावल रोड होते हुए बाईपास चौराहा पहुंचकर समाप्त हुई। रैली में प्रभा देवी कॉलेज के स्नातक व स्नातकोत्तर कला, विज्ञान, वाणिज्य, विधि संकाय के छात्र-छात्राओं के साथ प्रभावती सुपर केयर हॉस्पिटल के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। जबकि, ब्लूमिंग बड्स स्कूल के छात्र-छात्राएं पैदल मार्च करते हुए यातायात नियमों से जुड़े नारे लगाते रहे। ट्रॉली पर सजी झांकियों के जरिए सड़क सुरक्षा का संदेश दिया गया। रैली मार्ग पर ट्रैफिक पुलिस की व्यवस्था मुस्तैद रही। इस दौरान कोतवाली प्रभारी पंकज पांडे, ट्रैफिक इंस्पेक्टर परमहंस यादव व चौकी इंचार्ज धर्मनाथ समेत पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

मोती चौराहे पर जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाते सीओ ट्रैफिक प्रियम राजशेखर पांडे, एआरटीओ प्रियंवदा सिंह और ब्लूमिंग बड्स स्कूल की एमडी पुष्पा चतुर्वेदी।

मोती चौराहे से निकली सड़क सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता रैली में शामिल स्नातक शिक्षा की छात्राएं। अमृत विचार

सीडीओ से नाराज व्यापारियों ने उद्योग बंधु की बैठक बीच में छोड़ी

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। कलक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को आयोजित जिला उद्योग बंधु की बैठक उस समय असहज स्थिति हो गई, जब उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष अजय कसौंधन के नेतृत्व में व्यापारियों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह के समक्ष व्यापारियों ने अपनी उपेक्षा का आरोप लगाते हुए सभागार से बाहर निकलकर विरोध दर्ज कराया। कलक्ट्रेट सभागार के बाहर बहिष्कार कर दरहे व्यापारियों के समक्ष अधिकारियों द्वारा मान-मनौव्वल का दौर चलता रहा। काफी प्रयासों के बाद सीडीओ बलराम सिंह ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट समय सीमा तय कर निर्देशित किया जाएगा। इसके साथ ही भविष्य में सिद्धार्थनगर महोत्सव में वीआईपी पास अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने तथा सिद्धार्थनगर महोत्सव सहित अन्य शासकीय आयोजनों में स्थानीय व्यापारियों और ठेकेदारों को प्राथमिकता देने का भरोसा दिया गया।

न्यूज ब्रीफ

स्कॉर्पियो पुल के नीचे गिरी, तीन की मौत

जगदलपुर। बस्तर में युवा पर्यटकों से भरी एक स्कॉर्पियो के पेड़ से टकराने के बार पुल के नीचे गिरी, यह हादसा 3 फरवरी की रात हुआ। इस दुर्घटना में पांच लोगों को चोटें आईं हैं तथा पांच लोगों खरोंच तक नहीं है। सभी दोस्त छत्तीसगढ़ के ही गरियाबंद जिले के निवासी हैं। बुधवार को पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा मारडूम थाना क्षेत्र में 3 फरवरी की देर रात हुआ था। गरियाबंद जिले के 13 युवकों का समूह एक स्कॉर्पियो में बस्तर भ्रमण पर निकला था। लोहंडीगुड़ा थाना के प्रभारी रवि कुमार के अनुसार, समूह ने 2 फरवरी की शाम दंतेवाड़ा पहुंचने के बाद अगले दिन मां दंतेश्वरी के दर्शन किए और बारसूर घूमने गए। देर रात जगदलपुर वापस लौटते समय हादसा हुआ। पुलिस के मुताबिक, चालक का रात के अंधेरे में वाहन पर नियंत्रण बिगड़ गया और कार सीधे एक बड़े पेड़ से जा टकराई, जिससे वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

ट्रेन की चपेट में आने से जंगली हाथी की मौत

पलक्कड़। केरल के पलक्कड़ जिले के वालयर क्षेत्र के पास बुधवार तड़के एक जंगली हाथी रेल की पटरी मिला। वन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, वयस्क नर हाथी की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही वन और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि इस वन क्षेत्र में ट्रेन की गति सीमा निर्धारित होती है और यह हादसा कैसे हुआ इसकी जांच की जा रही है।

विधि छात्रा ने खाई में कूदकर की आत्महत्या

मुंबई। महाराष्ट्र के लोनावला पर्यटन स्थल पर एकल यात्रा (सोलो ट्रिप) पर गई 19 वर्षीय एक विधि छात्रा ने गहरी खाई में कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान नवी मुंबई निवासी श्रिया पाती के रूप में हुई है। वह ठाणे जिले के कल्याण स्थित एक निजी कॉलेज से विधि की पढ़ाई कर रही थी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना के वास्तविक कारणों का पता मौके से बरामद मोबाइल फोन और लैपटॉप की जांच के बाद ही चलेगा। अधिकारी के अनुसार, छात्रा 30 जनवरी की सुबह माता-पिता से यात्रा पर जाने और शाम तक लौटने की बात कहकर घर से निकली थी।

समझौते में हम कृषि क्षेत्र की सुरक्षा करने में रहे सफल

केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा और राज्यसभा में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर दिया वक्तव्य

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद में बुधवार को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि भारत इस समझौते में कृषि और दुग्ध क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहा है। गोयल ने पहले लोकसभा में और फिर राज्यसभा में अपनी ओर से भारत एवं अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते पर एक वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि इस समझौते से भारत को विकसित बनाने की दिशा में देश की यात्रा को मजबूती मिलेगी।

गोयल ने कहा कि दोनों देश नियमित रूप से चर्चा कर रहे थे, दोनों पक्षों ने विभिन्न स्तरों पर गहन बातचीत की है। उनका कहना था कि दोनों पक्ष अपनी-अपनी अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण और संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा करते हुए

संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में भाषण देते केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

यह समझौता करने में सफल रहे हैं। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर चर्चा की और इसके बाद ट्रंप ने अमेरिका के टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की। गोयल ने कहा कि मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि यह अमेरिका द्वारा कई प्रतिस्पर्धी देशों पर लगाए गए शुल्क से कम है। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारतीय निर्यातकों को तुलनात्मक लाभ प्रदान करेगा।

मंत्री के अनुसार, भारतीय पक्ष विशेष रूप से कृषि और दुग्ध क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहा है। गोयल ने जोर दिया, खाद्य और कृषि क्षेत्र में भारत की संवेदनशीलता का ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक ढांचागत समझौता दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने और 2047 तक विकसित भारत बनाने की दिशा में यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष व्यापार समझौते की प्रक्रियाओं और कागजी कार्रवाई को अंतिम रूप देने के लिए मिलकर काम करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश को विकसित बनाने के पथ पर आगे बढ़ने के लिए ऊर्जा, विमानन, डेटा केंद्र और परमाणु ऊर्जा समेत विभिन्न क्षेत्रों में अपनी क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता होगी और अमेरिका इन क्षेत्रों में अग्रणी देश है।

संसद सत्र के दौरान वाणिज्य मंत्री की प्रेस वार्ता सदन की परंपरा का उल्लंघन है : कांग्रेस

नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल द्वारा सत्र के दौरान संसद के बाहर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर प्रेस वार्ता करने पर चिंता व्यक्त की। तिवारी ने शून्यकाल के दौरान नियम 258 का हवाला देते हुए कहा कि सदन नियमों और परंपराओं के अनुसार चलता है। सदन की परंपरा रही है कि जब संसद का सत्र चल रहा हो, तो नीतिगत मुद्दों को सदन के बाहर नहीं उठाया जा सकता। हालांकि, कल वाणिज्य मंत्री ने व्यापार समझौते पर प्रेस वार्ता की। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने व्यवस्था के प्रश्न को खारिज करते हुए कहा कि मंत्री को बुधवार को ही सदन में इस मुद्दे पर बयान देना था। उन्होंने कहा कि मंत्री आज बयान देने वाले हैं, इसलिए व्यवस्था का कोई प्रश्न नहीं है। इस पर तिवारी ने कहा कि वह मंगलवार की बात को लेकर चिंता जता रहे हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कांग्रेस सदस्य की आपत्ति को स्वीकार करते हुए कहा कि वह व्यवस्था के प्रश्न से सहमत हैं और ऐसी परंपरा मौजूद है। रीजीजू ने कहा कि कल लोकसभा में (व्यापार समझौते पर) बयान देने का कार्यक्रम था। परिस्थिति ऐसी बनी कि बयान देना संभव नहीं हो सका। आज राज्यसभा और लोकसभा दोनों जगह बयान दिया जाएगा। तिवारी के बार-बार आग्रह करने के बावजूद सभापति ने इस विषय पर आगे की चर्चा की अनुमति नहीं दी। बाद में, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य जॉन ब्रिटास ने नियम 267 के तहत व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर चर्चा के लिए निर्धारित कार्यवाही को स्थगित करने की मांग की। सभापति ने इसे खारिज करते हुए कहा कि आप नियम 267 के आधार पर खुद को सही बता रहे हैं। पहले ही इस संबंध में फैसला दिया जा चुका है। बहुत ही आपातकालीन स्थिति को छोड़कर नियम 267 के तहत कोई प्रस्ताव नहीं रखा जाएगा।

कैंसर की जांच में अस्पताल ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड

नई दिल्ली। दिल्ली के एक निजी अस्पताल ने बुधवार को आठ घंटे के भीतर सर्वाइकल कैंसर जांच शिविर के दौरान सबसे अधिक नमूने एकत्र करके 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में अपना नाम दर्ज कराया है। यहां जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि बुध विहार में आयोजित जांच शिविर के दौरान नोवानेओ अस्पताल ने सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे के बीच 500 से अधिक महिलाओं की जांच की तथा 'पैप' और 'एचपीवी' के नमूने एकत्र किए। बयान में कहा गया कि अस्पताल परिसर में दिल्ली राज्य कैंसर चिकित्सा संस्थान के सहयोग और ऑल इंडिया तेरापंथ महिला मंडल के साथ मिलकर आयोजित यह शिविर क्षेत्र में एक दिन में सर्वाइकल कैंसर जांच के सबसे बड़े प्रयासों में से एक है। बयान के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर का शीघ्र पता लगाना था, जो भारत में महिलाओं में सबसे आम लेकिन रोके जा सकने वाले कैंसरों में से एक है।

इंडिगो और एयर इंडिया ने ईरान के हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल बंद किया

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में बदलते भू-राजनीतिक हालात के बीच इंडिगो और एयर इंडिया ने ईरानी हवाई क्षेत्र का उपयोग बंद कर दिया है और अब अपनी लंबी दूरी वाली उड़ानों का संचालन वैकल्पिक मार्गों से कर रही हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। हालांकि, वैकल्पिक मार्ग अपनाने के कारण यूरोप, ब्रिटेन और अमेरिका के लिए उड़ानों का समय बढ़ गया है, जिससे ईंधन की खपत भी अधिक हो रही है।

इंडिगो ने कहा कि वह पट्टे पर लिए गए ड्रीमलाइनर विमानों से संचालित की जा रही अपनी लंबी दूरी वाली उड़ानों का समायोजन करेगी। इसके तहत 17 फरवरी से कोपनहेगन के लिए सेवाएं निलंबित की जाएंगी, जबकि दिल्ली-लंदन हीथ्रो और दिल्ली-मैनचेस्टर मार्गों पर उड़ानों की संख्या भी घटाई

- एहतियातन वैकल्पिक मार्गों से उड़ान भर रहे दोनों के विमान

जाएगी। एयरलाइन ने बयान में कहा कि उसके चौड़े आकार वाले विमानों के परिचालन को भू-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण लगातार बदलते हवाई-क्षेत्र प्रतिबंधों और भारत एवं दूसरे देशों के हवाई अड्डों पर बढ़ती भीड़ जैसी बाहरी परिचालन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। एयर इंडिया के एक सूत्र ने कहा कि ईरान में बदल रही स्थिति को देखते हुए एयरलाइन अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप के लिए जाने वाली उड़ानों के लिए वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल कर रही है। एयर इंडिया अमेरिका के कई शहरों के अलावा कनाडा के टोरंटो एवं वैंकूवर शहरों के लिए भी उड़ानें संचालित करती है। सूत्र ने बताया कि एयर इंडिया अपने उड़ान परिचालन के लिए सुरक्षा और संरक्षा परिदृश्य की निरंतर निगरानी और आकलन कर रही है। यह प्रक्रिया जोखिम-आकलन व्यवस्था के तहत की जा रही है जिसे वैश्विक विमानन सुरक्षा एजेंसियों और विशेषज्ञ सुरक्षा सलाहकार भागीदारों से मिली सूचनाओं पर आधारित है। सूत्र के मुताबिक, एयरलाइन इन आकलनों के आधार पर आवश्यकता के अनुरूप अपने परिचालन की पूर्व-योजना बनाती रहती है।

भाजपा नेता वाई खेमचंद सिंह बने मणिपुर के मुख्यमंत्री

इंफाल। भाजपा नेता वाई खेमचंद सिंह ने बुधवार को मणिपुर के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने 62 वर्षीय सिंह को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

कुकी समुदाय से ताल्लुक रखने वालीं भाजपा विधायक नेमचा किपगेन और नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के विधायक एल. डिखो ने मणिपुर के उप मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली।

किपगेन ने नई दिल्ली स्थित मणिपुर भवन से ऑनलाइन माध्यम से शपथ ली। भाजपा के गोविंदास कोंथौजम और एनपीपी नेता के. लोकेन सिंह ने भी मंत्री पद की शपथ ली। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन हटाए जाने के कुछ घंटों बाद यहां 'लोक भवन' में शपथ ग्रहण समारोह हुआ।

सेवा और सभी का कल्याण है भारत का धर्म : मोहन भागवत

खरगोन, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं है, बल्कि यह सेवा, कर्म और सामूहिक कल्याण की भावना का प्रतीक है।

जिले के कसरावद में स्थित लेपा गांव में एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि भारतीय परंपरा उपकार करने में नहीं, बल्कि सेवा की भावना में निहित है और दूसरों की सेवा करना भारत का धर्म है। संघ की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार सरसंघचालक ने कहा कि हमारे यहां चैरिटी नहीं, अपितु सेवा है।

जीवन में सेवा के जो भी अवसर मिलें, सेवा करना चाहिये। सेवा से हमारी शुद्धि होती है। जिसके पास जो हो, वो देना चाहिये।

- खरगोन के लेपा गांव में बोले आरएसएस के सर संघचालक

उन्होंने कहा कि दूसरों के दुखों को नजरअंदाज करते हुए खुशी का आनंद लेना मानवीय संवेदनशीलता के खिलाफ है और समाज के दर्द को कम करना भारत का अंतर्निहित स्वभाव है एवं इसी आधार पर भारत ने दुनिया को धर्म का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि पराधीनता के दौर में भी भारत का यह चरित्र नहीं बदला।

चरित्र निर्माण के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण'' विषय पर अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत उन्नति तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह समाज और राष्ट्र की पीड़ा को दूर करने के लिए होना चाहिए।

भागवत ने कहा कि श्रम की गरिमा और आत्मनिर्भरता के महत्व को सीखना ही सच्ची शिक्षा है। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति का मतलब केवल आर्थिक विकास नहीं है, बल्कि यह जल संसाधनों, जंगलों, नदियों, पहाड़ों, जानवरों और मनुष्यों का समग्र विकास है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि उन्होंने कार्यक्रम के दौरान मराठी ऑडियोबुक ''गोष्ट-नर्मदालयाची'' का भी विमोचन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन निमाड़ अभ्युदय ग्रामीण प्रबंधन एवं विकास संघ और श्री रामकृष्ण विश्व सद्भावना निकेतन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

पूर्व समाज कल्याण अधिकारी की 4.5 करोड़ की संपत्ति कुर्क

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : वर्ष जून 2023 में बड़े पैमाने पर वृद्धावस्था पेंशन घोटाला करने वाले गैंग के लीडर व तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश कुमार की बुधवार को चल-अचल संपत्तियों समेत करीब साढ़े चार करोड़ रुपये कीमत की संपत्तियों को कुर्क कर लिया गया।

यह कार्रवाई जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप की ओर से जारी आदेश पर गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम की धारा 14(1) के अंतर्गत की गई। प्रशासन ने कुर्क संपत्तियों का अनुमानित मूल्य 4 करोड़ 49 लाख

- शाहजहांपुर में हुए वृद्धावस्था पेंशन घोटाले का गैंग लीडर था राजेश कुमार

24 हजार 948 रुपये आंका है। इनमें राजेश के नाम एक महिंद्रा एक्सयूवी कार, एक महिंद्रा बोलेरो कार और उसके पुत्र के नाम पंजीकृत एक होंडा कार एलिवेट जेडएक्स शामिल है। सीतापुर की सिंधौली तहसील के गांव अटरिया में कृषि भूमि, पत्नी मंगीता सिंह के नाम लखनऊ के गांव पारा रिंग रोड पर 120.817 वर्गमीटर का भवन तथा काकोरी के गांव सरोसा भरोसा में एक गेस्ट हाउस कुर्क किया गया है।

इंडिगो के खिलाफ जांच का आदेश

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने परिचालन अड़चनों के कारण दिसंबर में हजारों उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में बुधवार को देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के खिलाफ विस्तृत जांच का आदेश दिया। घटना के करीब दो महीने बाद जारी इस आदेश में सीसीआई ने कहा कि बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द कर इंडिगो ने अपनी निर्धारित क्षमता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बाजार से हटा लिया, जिससे कृत्रिम अभाव की स्थिति पैदा हुई और व्यस्त मांग के दौरान यात्रियों की हवाई यात्रा तक पहुंच सीमित हुई।

उधमपुर में जैश के टॉप कमांडर समेत दो आतंकी किए ढेर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में एक गुफा में छिपे जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के एक स्वघोषित शीर्ष कमांडर रुबानी उर्फ अबू मविया समेत दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को बुधवार को सुरक्षा बलों ने एक मुठभेड़ में मार गिराया।

अधिकारियों के मुताबिक दोपहर के वक्त जब सुरक्षा बलों ने गुफा पर धावा बोला तो कई जोरदार धमाके सुनाई दिए। मारे गए आतंकवादियों में से एक की पहचान रुबानी उर्फ अबू मविया के रूप में हुई, जो कई वर्षों से क्षेत्र में सक्रिय था। एक आतंकवादी का शव गुफा के पास से बरामद किया गया, दूसरे का शव गुफा के अंदर मिला। अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार शाम रामनगर के जाफड़ वन क्षेत्र में संयुक्त दस्ते ने गुफा के भीतर आतंकवादियों का पता लगाया, जिसके बाद करीब 20 घंटे तक मुठभेड़ हुई। मारे गये आतंकवादियों के पास से एक एम4 कार्बाइन और एक एके असॉल्ट राइफल समेत भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं।

एक्सप्रेस-वे 30 घंटे जाम

पुणे : मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर बुधवार को खंडाला घाट खंड में एक गैस टैंकर के पलट जाने के बाद 30 घंटे से भी ज्यादा समय से जाम लगा हुआ है। जाम में कई किमी तक फंसे हजारों वाहनों में मौजूद महिलाओं और बच्चों का बुरा हाल हो गया।

राज्य चुनाव आयुक्तों का 24 को होगा राष्ट्रीय सम्मेलन

नई दिल्ली। भारतीय चुनाव आयोगपिछले 25 वर्षों बाद आगामी 24 फरवरी को राज्य चुनाव आयुक्तों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगा। इससे पहले राज्य चुनाव आयुक्तों का राष्ट्रीय सम्मेलन 1999 में आयोजित किया गया था। चुनाव पैनल ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि सम्मेलन नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य चुनाव आयुक्तों के भाग लेने की उम्मीद है।राज्य चुनाव आयुक्त अपने कानूनी और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ सम्मेलन में भाग लेंगे, जिससे नीति और परिचालन दोनों मुद्दों पर गहन चर्चा संभव होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे।

100 से अधिक नाइजीरियाई हिरासत में, कोकीन जब्त

पालघर (महाराष्ट्र), एजेंसी

पालघर जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बुधवार को नालासोपारा पूर्व क्षेत्र में दस्तावेजों के सत्यापन के लिए 109 नाइजीरियाई नागरिकों को हिरासत में लिया। अभियान के दौरान ली गई तलाशी में लगभग दो किलोग्राम कोकीन जब्त की गई। अधिकारी ने कहा कि अब तक इनमें से किसी ने भी वैध यात्रा और निवास संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए हैं। पुलिस उपायुक्त पूर्णिमा चौगुले-श्रृंगी ने कहा कि मीरा-भयंदर वसई-विरार (एमबीवीवी) पुलिस की टीम ने सुबह छह बजे तलाशी अभियान चलाया।

उन्होंने कहा, एक जगह पर हमने एक व्यक्ति से दो किलोग्राम कोकीन जब्त की है और उसके खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि नाइजीरिया, युगांडा और घाना सहित कई देशों के नागरिक नालासोपारा, अचोले और तुलिंज में रहते हैं और ये मादक

- पालघर में विदेशियों के दस्तावेज सत्यापन के दौरान की कार्रवाई

पदार्थों की तस्करी में शामिल पाए गए हैं। चौगुले-श्रृंगी ने कहा, ये विदेशी नागरिक लगातार मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल रहे हैं और हाल ही में यह भी पता चला है कि उन्होंने अवैध दुकानें भी खोल रखी हैं। वसई-विरार नगर निगम को भी इन गतिविधियों की जानकारी थी। इसलिए, हमने मादक पदार्थों और अवैध प्रतिष्ठानों के खिलाफ समन्वित कार्रवाई शुरू की है। डीसीपी ने बताया कि पुलिस ने हिरासत में लिए गए लोगों को अपने यात्रा और निवास संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर दिया। उन्होंने कहा, अब तक एक भी व्यक्ति वैध दस्तावेज नहीं दिखा पाया है... जो लोग वैध दस्तावेज प्रस्तुत कर सकेंगे, उन्हें रहने की अनुमति दी जाएगी, जबकि जो ऐसा करने में विफल रहेंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें उन्हें वापस उनके देश भेजा जाना भी शामिल है।

मोदी सच्चाई का सामना नहीं करना चाहते

नई दिल्ली, एजेंसी

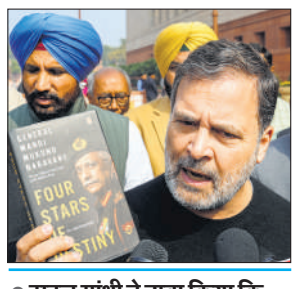

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी आज संसद में नहीं आए क्योंकि वह डरे हुए हैं और सच्चाई का सामना नहीं करना चाहते हैं। राहुल गांधी पूर्व सेना प्रमुख नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण की एक प्रति लेकर संसद पहुंचे थे और कहा था कि यदि प्रधानमंत्री सदन में आते हैं तो वह यह पुस्तक उन्हें भेंट करेंगे।

लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित होने के बाद उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, जैसा मैंने कहा, प्रधानमंत्री संसद में नहीं आएंगे क्योंकि वह डरे हुए हैं और सच्चाई का सामना नहीं करना चाहते। इससे पहले, उन्होंने इस अप्रकाशित पुस्तक

- राहुल गांधी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री आज संसद में नहीं आए क्योंकि वह डरे हुए हैं

के एक अंश का हवाला देते हुए दावा किया कि जब चीन के टैंक भारत की सीमा की तरफ बढ़ रहे थे, उस वक्त प्रधानमंत्री मोदी ने अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन नहीं किया था। उन्होंने पुस्तक दिखाते हुए कहा कि वे कहते हैं कि यह किताब अस्तित्व में नहीं है, लेकिन यह रही किताब।

सच्चाई से डर रही सरकार : प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने दावा किया कि सरकार राहुल गांधी को सदन में बोलने नहीं दे रही है क्योंकि वह इस बात को लेकर डरी हुई है कि चीन के साथ सैन्य तनाव के समय की उसकी सच्चाई सामने आ जाएगी। प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में कहा कि जब मोदी सरकार सदन को बाधित करना चाहती है, तो निशिकांत दुबे को बोलने के लिए खड़ा कर देती है। राहुल गांधी को संसद में, पब्लिश हो चुकी किताब से कुछ उद्धृत नहीं करने दिया गया, वहीं निशिकांत दुबे 6 किताबें लिए हुए हैं, सामने से दिखा रहे हैं, उनमें से उद्धृत कर रहे हैं, लेकिन उनका माइक बंद नहीं किया जा रहा है।

छात्रा को थप्पड़ मारने में शिक्षिका को तीन साल की मिली सजा

गांधीनगर। गुजरात में गांधीनगर की अदालत ने होमवर्क पूरा न करने पर नौवीं कक्षा की छात्रा को थप्पड़ मारने की आरोपी स्कूल शिक्षिका को दोषी ठहराते हुए तीन साल से अधिक की सजा सुनाई है। इस घटना से छात्रा के बाएं कान का पर्दा फट गया और उसे सुनने में दिक्कत होने लगी।

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हिमांशु चौधरी ने 30 जनवरी को फैसले में कहा कि यह अपराध शिक्षक द्वारा अपने अधिकार का गलत इस्तेमाल था, जिससे 14 साल की लड़की को गंभीर चोट लगी और उसे सुनने में दिक्कत हुई। अदालत ने कहा कि घटना के साढ़े चार साल बाद भी पीड़िता का उपचार जारी है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा — व्यक्तिगत स्वतंत्रता की याचिकाओं की सुनवाई न होना निराशाजनक

लंबित जमानत मामलों की सभी हाईकोर्ट सौंपे रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने देश के सभी उच्च न्यायालयों से जमानत से जुड़े लंबित मामलों के बारे में रिपोर्ट मांगते हुए बुधवार को कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिए दायर याचिकाओं की शीघ्र सुनवाई न होना निराशाजनक है।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा विपुल एम पंचोली की पीठ ने उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार जनरलों को सभी जमानत याचिकाओं का विवरण प्रदान करने का निर्देश दिया। इन जमानत याचिकाओं

में इस वर्ष एक जनवरी के बाद दाखिल किए गए नियमित और अग्रिम आवेदन भी शामिल हैं। पीठ ने कहा कि याचिका दाखिल करने की तारीख, अगली सुनवाई की तारीख और यदि कोई निर्णय हो तो उसकी तारीख उपलब्ध कराई जानी चाहिए। साथ ही, उसने जनवरी 2025 से पहले दायर की गई लंबित जमानत याचिकाओं का विवरण भी मांगा। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि हमें यह देखकर बेहद निराशा हुई है कि निजी आजादी की अपीलों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

वांगचुक की हिरासत पर पुनर्विचार करे केंद्र सरकार

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र सरकार से पूछा कि क्या इस बात की संभावना है कि वह जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए उनकी हिरासत पर विचार कर सकती है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और पीबी वराले की पीठ ने कहा कि वांगचुक की स्वास्थ्य रिपोर्ट ठीक नहीं है और केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज को इस मामले में निर्देश लेने चाहिए। अदालत ने कहा कि दलीलों, जवाबी दलीलों और कानूनी पहलुओं के अलावा अदालत का एक अधिकारी होने के अलावा इस बात पर भी विचार करें। पांच महीने पहले 26 सितंबर 2025 को हिरासत संबंधी आदेश जारी किया गया था। पीठ ने कहा कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति पर विचार करते समय हमने जो रिपोर्ट देखी है, उससे पता चलता है कि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है। कुछ आयु संबंधी और कुछ दूसरी समस्याएं हैं।

अमृत विचार

गुरुवार, 5 फरवरी 2026

खुशी तब होती है जब आपके विचार, आपके शब्द और आपके कर्म आपस में सामंजस्य में हों।
-महात्मा गांधी

डिजिटल संप्रभुता का संदेश

डिजिटल युग में नागरिकों की निजता और तकनीकी कंपनियों के कारोबारी मॉडल के बीच खिंचाव अब खुलकर सामने आ गया है। यह मामला केवल एक कंपनी का नहीं, बल्कि भारत की उभरती डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा तय कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा मेटा को यह कहना कि 'देश का कानून मानो या बाहर जाओ' महज टिप्पणी नहीं, डिजिटल संप्रभुता का स्पष्ट संदेश है। यह टिप्पणी उस समय आई है, जब व्हाट्सएप और मेटा, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के 213.14 करोड़ रुपये के जुर्माने और निर्देशों को चुनौती दे रहे हैं।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने 2021 की व्हाट्सएप प्राइवेसी पॉलिसी के तहत अनिवार्य डेटा शेयरिंग को प्रतिस्पर्धा-विरोधी मानते हुए मेटा पर जुर्माना लगाया और निर्देश दिया कि यूजर्स का डेटा अन्य मेटा कंपनियों के साथ साझा न किया जाए। कंपनी का तर्क था कि यह डेटा सेवाओं को बेहतर बनाने और एकीकृत डिजिटल इकोसिस्टम तैयार करने के लिए आवश्यक है, लेकिन पहले आयोग और अब सुप्रीम कोर्ट के सामने प्रश्न यह है कि क्या सेवा सुधार के नाम पर उपयोगकर्ता की व्यक्तिगत जानकारी को व्यापक व्यावसायिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है? यह विवाद केवल डेटा गोपनीयता का नहीं, बल्कि साइबर सुरक्षा और डेटा के आर्थिक मूल्य का भी है। आज डेटा 'नया तेल' कहा जाता है। उपयोगकर्ता की आदतें, लोकेशन, संपर्क और व्यवहार सबका मौद्रिक मूल्य है। यदि यह जानकारी उपयोगकर्ता की स्पष्ट और समझी हुई सहमति के बिना साझा होती है, तो यह केवल निजता का उल्लंघन नहीं, बल्कि उसकी डिजिटल संपत्ति का दोहन भी है। अदालत का स्पष्ट संकेत है कि संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार तकनीकी विस्तार के साथ कमजोर नहीं हो सकते। 'टेक्नोलॉजी के युग में डेटा शेयरिंग अनिवार्य है'- यह तर्क न्यायालय ने स्वीकार नहीं किया। यह टिप्पणी महत्वपूर्ण इसलिए है, क्योंकि यह डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को याद दिलाती है कि सुविधा और नवाचार का अर्थ अधिकारों से समझौता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यूजर कंसेंट और ऑप्ट-आउट के तर्क पर भी सवाल उठाना सही था, क्योंकि बड़ी टेक कंपनियों की प्राइवेसी पॉलिसी नागरिकों की समझ से परे जटिल भाषा में होती है। ऐसे में 'सहमति' कितनी स्वैच्छिक है, यह गंभीर प्रश्न है। यदि सहमति अस्पष्ट और असंतुलित है, तो वह वैधानिक सुरक्षा नहीं दे सकती। यह टिप्पणी भविष्य में सभी डिजिटल कंपनियों के लिए चेतावनी है कि पारदर्शिता और सरलता अनिवार्य होगी।

भारत मेटा के लिए सबसे बड़ा बाजार है, जहां 50 करोड़ से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं, इसलिए यह मामला केवल कानूनी नहीं, आर्थिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को पक्षकार बनाने का आदेश इस बात का संकेत है कि अदालत इस विवाद को व्यापक नीति-प्रश्न के रूप में देख रही है। नौ फरवरी का अंतरिम आदेश भारतीय डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए मील का पत्थर सिद्ध हो सकता है। यदि न्यायालय स्पष्ट रूप से निजता और प्रतिस्पर्धा की रक्षा को पूर्ण प्राथमिकता देता है, तो यह न केवल मेटा बल्कि सभी वैश्विक टेक कंपनियों के लिए नजीर बनेगा।

प्रसंगवश

स्वच्छता को मौलिक अधिकार मानने का महत्व

जब एक लड़की मासिक धर्म के कारण स्कूल नहीं जाती, तो सिर्फ एक दिन नहीं, बल्कि उसके सपनों और भविष्य की पढ़ाई अधूरी रह जाती है। ऐसा अक्सर होता रहा है, लेकिन अब भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने स्वच्छता को संवैधानिक अधिकार के रूप में मान्यता दी है। इस फैसले में कहा गया है कि स्वच्छता का अधिकार भी अधिकारों के सबसे मूलाधार आर्टिकल 21 (जीवन और गरिमा का अधिकार) के अंतर्गत आता है, जो प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, स्वास्थ्य और समानता सुनिश्चित करता है। यही कारण है कि अदालत ने स्कूलों में लड़कियों को मुफ्त सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का आदेश दिया है।

पुरानी सामाजिक मान्यताओं की वजह से मासिक धर्म को 'अशुद्ध' या 'अछूत' माना जाता रहा है। इससे लड़कियों को सामाजिक और मानसिक दबाव झेलना पड़ता था। ऐसी सोच कभी 'आराम' देने के नाम पर शुरू हुई, लेकिन वह अंधविश्वास और नकारात्मक रूढ़िवाद में बदल गई, जिससे लड़कियों को आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और शिक्षा के मौके से वंचित होना पड़ा।

निवेदिता शर्मा
शिक्षिका

जहां सही जानकारी और स्वच्छ सुविधा न हो, वहां स्वास्थ्य समस्याएं भी बढ़ जाती हैं। शोध बताते हैं कि लगभग 64% किशोर लड़कियों को मासिक धर्म से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं जैसे यूटीआई, दर्द या संक्रमण का सामना करना पड़ता है, जिसकी एक बड़ी वजह स्वच्छता और जानकारी की कमी है।

आजकल कई अख़बारों में रिपोर्ट आती हैं कि 15 साल से कम उम्र की लड़कियां भी मासिक धर्म और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी की कमी के कारण मानसिक और भावनात्मक असमंजस का सामना कर रही हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि सही जानकारी न मिलने पर लड़कियां भ्रम, डर या असमंजस में आ जाती हैं, जो कभी-कभी स्वास्थ्य और मानसिक निर्णयों पर गंभीर असर डालता है।

स्कूल में मासिक धर्म के दौरान अनुपस्थिति आम है। अध्ययन बताते हैं कि लगभग 40% लड़कियां मासिक धर्म के दिनों में स्कूल नहीं जातीं। इससे स्कूल में भागीदारी कम होती है और लगभग 2.3 करोड़ लड़कियां हर साल इसी वजह से आउट-ऑफ-स्कूल बच्चों की श्रेणी में शामिल हो जाती हैं। यह सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि उन सपनों और अवसरों की कहानी है, जो अधूरे रह जाते हैं जब सही संसाधन उपलब्ध नहीं होते।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश में यह भी कहा गया है कि केवल पैड देना ही काफी नहीं है; इसके साथ स्वच्छ शौचालय, पानी, साबुन, गोपनीयता और जागरूकता की शिक्षा भी जरूरी है, ताकि लड़कियां अपनी स्वास्थ्य ज़रूरतों को बिना किसी शर्म या डर के पूरा कर सकें। कानूनी तौर पर यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि आर्टिकल 21 का अधिकार सिर्फ जीवन की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि गरिमा, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी ज़रूरतों को भी शामिल करता है। अदालत ने कहा है कि अगर स्कूल इन निर्देशों का पालन नहीं करते हैं, तो उनकी मान्यता रद्द भी की जा सकती है।

हर मुफ्त पैड एक लड़की को स्कूल भेजता है, और हर सुरक्षित टॉयलेट उसके स्वास्थ्य और अधिकार की गारंटी है। यह आदेश उन लगभग 2.3 करोड़ लड़कियों के लिए खास मायने रखता है, जो मासिक धर्म के कारण स्कूल से दूर हो जाती हैं। जब लड़कियों को स्वच्छता, जानकारी, गोपनीयता और समर्थन मिलेगा, तो वे सिर्फ़ नियमित रूप से स्कूल ही नहीं जाएंगी, बल्कि अपने भविष्य और अवसरों को मजबूती से थाम सकेंगी। यही 'स्वच्छता से सफलता तक' का असली अर्थ है।

जब बिजली जा रही है तो मक्का क्यों नहीं!

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश में अगस्त- 2024 में शेख हसीना को सत्ता से हटाने के बाद भारत के साथ तनावपूर्ण संबंधों का सीधा असर किसानों पर पड़ रहा है। आश्चर्य है कि क्रिकेट लीग केकेआर की टीम से बांग्लादेशी खिलाड़ी को हटवा कर अपना राष्ट्रवाद सिद्ध कर रहे संगठनों द्वारा बांग्लादेश को बेची जा रही बिजली की मात्रा बढ़ने के आंकड़े पर शुतुरमुर्ग बन जाते हैं। बदले हालात और भारत के साथ रिश्तों में आई खटास का खामियाजा बिहार के मक्का पैदा करने वाले किसानों को उठाना पड़ रहा है, लेकिन गोड्डा (झारखंड) के कोयला आधारित बिजली घर से बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति लगातार जारी है।

सभी जानते हैं कि कोसी और सीमांचल में अच्छी मक्का होती है और वहां का किसान बांग्लादेश के बाजार को आपूर्ति के लिए ही जमकर मक्का उगाता रहा है। दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा, तो बीते छह महीन से मक्का का निर्यात बंद हो गया। विदित हो कि यहां उगने वाली करीब 70 फीसदी मक्का का निर्यात बांग्लादेश में होता रहा है। स्थानीय बाजार में मक्का की आवक ज्यादा हो गई, तो पिछले साल 2700 रुपये प्रति क्विंटल तक बिकने वाले मक्के को अभी 1800 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से भी खरीदार नहीं मिल रहे हैं। बहुत से किसानों को भरोसा है कि कुछ दिन में फिर से निर्यात सामान्य हो जाएगा, सो उन्होंने अपने घर-गोदामों में मक्का का स्टॉक कर लिया है। बरसात के साथ सीलन और भंडारण की दिककते बढ़ीं, तो अब किसान इस सोने से दमकती मक्का को गाय-भैंस को खिला रहे हैं।

स्थानीय किसान बताते हैं कि मक्के का भाव साल-दर साल बढ़ रहा था। उन्नत बीज और तकनीकी के इस्तेमाल से उनकी फसल भी बढ़िया हो रही थी, लेकिन बांग्लादेश का रास्ता बंद होते ही मक्का को कौड़ियों के दाम खरीदने वाले नहीं मिल रहे हैं। आज इसके दाम बीते पांच साल में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं।

विदित हो कि यदि परिवेश में नमी 13-14% से अधिक हो, तापमान 25-35C और हवादार भंडारण न हो तो मक्का में अफ्लाटॉक्सिन नामक एक ज़हरीला मायकोटॉक्सिन निर्मित हो जाता है, जिसे स्थानीय भाषा में फफूंद लगना कहते हैं। इससे फसल जहरीली हो जाती है। किसान के यहां फफूंद लग रही है तो थोक कारोबारियों ने उधारी पर भी खरीद से मना कर दिया है। बड़े थोक व्यापारी कहते हैं कि चूंकि सीमा पर तनाव है। साथ ही डॉलर की कमी भी है, इसलिए बांग्लादेशी व्यापारी मक्का खरीदने में कम रुचि दिखा रहे हैं। अब हालात इतने खराब हैं कि किसान के लिए लागत निकालना भी मुश्किल है।

किसान को प्रभावित करने वाले ऐसे हालता प्याज, मसाले यदि के साथ भी हैं। भारत ने हाल के समय में गैर-बासमती चावल पर कई प्रतिबंध लगाए थे, लेकिन बांग्लादेश के साथ विशेष कोटा रहता था। अब तनाव के कारण यह व्यापार भी अनिश्चितता के घेरे में है। अदरख, मिर्च और अंगूर जैसे सामान जो ट्रकों में भरकर सीमा पर जाते हैं, वे बॉर्डर पर देरी होने के कारण अक्सर सड़ जाते हैं। इससे छोटे व्यापारियों को सीधे तौर पर लाखों का घाटा होता है।

बांग्लादेश दुनिया का बड़ा गारमेंट एक्सपोर्टर है और वह इसके लिए भारत से धागा और कच्चा कपास खरीदता है। वहां राजनीतिक उथल-पुथल से फैक्ट्रियां बंद हुईं, जिससे भारत के सूरत, तिरुपुर और लुधियाना के स्पिनिंग मिलों का माल डंप हो गया है। खासकर उत्तर-पूर्वी राज्यों के सीमावर्ती राज्यों में लगने वाली खुली हाट में इस तनाव का व्यापक असर देखा गया।

साल-दर-साल बढ़ रही थी कीमत

उत्पादन वर्ष	कीमत
2019-20	1,300-1,500
2021-22	1,600-1,800
2022-23	1,800-2,000
2023-24	2,100-2,300
2024-25	2,400-2,700
2025-26	1700-1900

(भाव व्यापारियों के अनुसार।)

इसके ठीक विपरीत दोनों देशों की सरकारों के आंकड़े बताते हैं कि बांग्लादेश को बिजली निर्यात बढ़ रहा है। झारखंड के गोड्डा स्थित प्लांट की क्षमता 1600 मेगावाट है और अनुबंध के अनुसार इसका शत-प्रतिशत उत्पादन बांग्लादेश को भेजा जाना है। वैसे बांग्लादेश सरकार द्वारा नियुक्त एक पैनल ने इस आपूर्ति को अत्यधिक महंगा बताया था। भारतीय और बांग्लादेशी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, बांग्लादेश को होने वाला बिजली निर्यात दिसंबर तक के तीन महीनों में सालाना आधार पर लगभग 38% बढ़कर लगभग 2.25 बिलियन किलोवाट-घंटा (केवीएच) हो गया। बांग्लादेश सरकार के आंकड़ों के अनुसार, इसने वर्ष के लिए बांग्लादेश के कुल बिजली मिश्रण में भारतीय निर्यात को रिकॉर्ड 15.6% तक पहुंचा दिया, जो 2024 में 12% था। भारत से 2023 की शुरुआत में बांग्लादेश को आपूर्ति शुरू की गई थी।

कैसी विडंबना है कि किसान की फसल सड़ रही है और निर्यात बैन है, लेकिन जिस कारखाने से इस अनुमान के अनुसार औसतन लगभग 9.35 मिलियन टन CO प्रति वर्ष का उत्सर्जन होता है, सल्फर ऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसी गैसों के साथ सूक्ष्म कण (PM10/PM2.5) वायु में उड़ते हैं और लाखों लोगों के फेफड़ों तक पहुंचते हैं, उस पर कोई नियंत्रण या कमी नहीं है। जान लें गोड्डा प्लांट को चलाने के लिए नजदीकी गंगा नदी से पानी लिया और वापिस निस्तारित किया जाता है। इसने आसपास जल का pH बदल दिया और जलजीवन व कृषि पर नकारात्मक असर डाला है।

2025 में बांग्लादेश को रिकॉर्ड 8.63 बिलियन किलोवाट-घंटा बिजली की आपूर्ति गोड्डा से की गई, जो कुल आपूर्ति का 8.2% है। वहीं अन्य भारतीय कंपनियों से होने वाला आयात मामूली रूप से बढ़कर 7.92 मिलियन किलोवाट-घंटा हो गया। इस साल जनवरी के पहले 27 दिनों के दौरान, कुल बिजली आपूर्ति में गोड्डा की हिस्सेदारी लगभग 10% रही।

बांग्लादेश के भारत के साथ रिश्तों में आई खटास का खामियाजा बिहार के मक्का पैदा करने वाले किसानों को उठाना पड़ रहा है। अलबत्ता बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति जारी है।

आमने-सामने

साल-दर-साल बजट की रकम तो बढ़ाई जा रही है, लेकिन इसका सार्थक लाभ धरातल पर नजर नहीं आता। बिहार सरकार बजट का सही इस्तेमाल करने में पूरी तरह फिसड्डी साबित हुई है। यह बजट आम नागरिकों को छलावे के सिवा कुछ नहीं देता।

-राजेश राम
कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, बिहार

आज का विपक्ष इतना 'विद्वान' हो गया है कि बिना बजट समझे ही प्रतिक्रिया दे देता है, जबकि पहले बजट को समझने में दो दिन तक लगते थे। बिहार का बजट विस्तृत और तकनीकी होता है। विपक्ष का यह रवैया बताता है कि उसने बजट को पढ़ने या समझने की कोशिश तक नहीं की।

-दिलीप जायसवाल
उद्योग मंत्री, बिहार

ग्रामीण समृद्धि की रीढ़ बनेगा पशुधन

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

ग्राम और ग्रामीण की समृद्धि की रीढ़ अब केवल खेती-किसानी तक सीमित नहीं रह गई है। इस आम बजट में सरकार ने पशुधन से पशु पालकों और दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने के ठोस उपाय किए हैं। इससे रोजगार बढ़ने के साथ दैनिक और मासिक आमदनी में स्थिरता आएगी। खेती पर बढ़ते संकट कम होंगे। पशुधन, मुर्गी व मत्स्य पालन ग्रामीणों की आजीविका का सहारा बनेंगे। यह पशुधन स्वस्थ्य बना रहे, इस लक्ष्यपूर्ति के लिए 20 हजार से अधिक पशु चिकित्सकों की उपलब्धता भी तय की गई है, ताकि गांव में ही त्वरित इलाज की सुविधा मिले।

फिलहाल देश में पशु-चिकित्सकों की बहुत कमी है, इस कारण उत्पादन प्रभावित हो रहा है। इस कमी को दूर करने के लिए डेढ़ लाख पशु देखभाल प्रशिक्षित सेवकों की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी। इस उपाय से दुधारू पशुओं की असमय मृत्यु में कमी आएगी। यदि पालतू पशुओं को आरक्षित वनों में चरने की छूट दे दी जाती है तो सड़क दुर्घटनाओं में पशुओं के मरने में तो कमी आएगी ही, पौष्टिक चारा मिलने से दूध भी पौष्टिक होगा।

पशुधन की महिमा इस तथ्य से जानी जा सकती है कि खेती से होने वाली कुल आय में करीब 16 प्रतिशत की भागीदारी पशुपालन और उनसे उत्पादित आहार से है। इस आय में लगातार पिछले ग्यारह साल से 12.77 प्रतिशत की वार्षिक दर से वृद्धि हो रही है। यानी खेती जहां लघु व मध्यम किसानों के लिए घाटे का सौदा बनी हुई है, वहीं पशुपालन ग्रामीणों को भरोसे की आय का साधन बन गया है। भारत दूध उत्पादन में दुनिया में पहले सोपान पर है। विश्व के कुल दूध उत्पादन में भारत 25 प्रतिशत का योगदान दे रहा है।

बीते 10 साल में देश में दूध का उत्पादन लगभग 57 प्रतिशत बढ़ा है। नतीजतन प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 2024-25 में 485 ग्राम प्रतिदिन हो गई है। नौ वर्ष पहले यह उपलब्ता महज 300 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रतिदिन थी। कुछ साल पहले दुग्ध उत्पादों के आयात की संभावना जताई जाने लगी थी, किंतु अब पशु संवर्धन के लिए किए गए प्रयास रंग दिखाने लगे हैं। बीते एक दशक में दूध के उत्पादन एवं उत्पादकता में आजादी के बाद से सर्वाधिक वृद्धि हुई है। मुर्गी एवं मत्स्य पालन के साथ जलीय कृषि को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, इसीलिए अमेरिका जैसे देश भारत के दूध बाजार को हड़पना चाहते हैं।

पशुधन का संरक्षण इसलिए जरूरी है, क्योंकि ग्रामों में दूध नियमित नकद आय का पुख्ता आधार बना हुआ है। ग्रामीण रोजगार और अर्थव्यवस्था में इसकी बड़ी भागीदारी है। देश में 2019 में हुई 20वीं पशुधन गणना के अनुसार करीब 14 करोड़ गाएं और 11 करोड़ भैंसें हैं। याक, ऊंट, भेड़ और बकरी भी दुधारू पशुओं में गिने जाते हैं, हालांकि अभी तक हमारा राष्ट्रीय आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो महज 20 फीसदी पशुओं का ही आनुवांशिक वर्गीकरण कर पाया है। इससे पता चलता है कि हम अपने पशुधन के प्रति कितने लापरवाह हैं।

घरेलू नस्ल के दुधारू जानवरों को स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों में पलने-बढ़ने व वंश वृद्धि में ज्यादा मजबूत और जुझारू पाया जाता है। ये पशु जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को बर्दाश्त करने में भी ज्यादा समर्थ होते हैं। भारत दूध उत्पादन में दुनिया का अग्रणी देश है। फिर भी दूध की आपूर्ति सिंथेटिक दूध बनाकर और पानी मिलाकर की जा रही है। यूरिया से भी दूध बनाया जा रहा है। दूध की बढ़ती मांग के कारण दूध का कारोबार गांव-गांव फैल गया है।

जैविक तकनीक के क्षेत्र में भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार इस क्षेत्र में देश में पहली बार ई-3 (इकोनोमी एनवायरमेंट, एमप्लायमेंट) नीति कुछ समय पहले जारी की गई है। इसके तहत दूध, खाद्यान्न, पर्यावरण सहित आम जनजीवन के सामने खड़ी होने वाली प्रत्येक चुनौती से निपटने की तैयारी है। इस क्षेत्र में फिलहाल जनता को सबसे बड़ा लाभ जैविक दूध के रूप में मिलने वाला है।

पशुधन के बिना मिलने वाला यह जैविक दूध, दूध की कमी पूरा करने के साथ पौष्टिक भी होगा। यह नई औद्योगिक क्रांति, जैव तकनीक और बायो मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में होगी। आईटी क्रांति की तरह जैविक दूध और खाद्य सामग्री अभी भले ही लोगों को एक चौंकाने वाली बात लग रही हो, लेकिन भविष्य की जरूरतें इसी से पूरी होंगी। यह दूध केवल जैविक उत्पादों से तैयार होगा। इसमें रसायन का प्रयोग कतई नहीं होगा।

अब तक बिना किसी सरकारी मदद के दूध का कारोबार फलता-फूलता रहा है। दूध का 70 फीसद कारोबार असंगठित ढांचा संभाल रहा है। इस व्यापार में लगे ज्यादातर लोग अशिक्षित हैं, लेकिन पारंपरिक ज्ञान से न केवल वे दूध उत्पादन में दक्ष हैं, बल्कि दूध के सह-उत्पाद बनाने में भी कुशल हैं। दूध का 30 फीसदी कारोबार संगठित क्षेत्र, मसलन दूध डेयरियों के माध्यम से होता है। देश में दूध के उत्पादन से 96 हजार सहकारी संस्थाएं जुड़ी हैं। 14 राज्यों की भी अपनी दुग्ध सहकारी संस्थाएं हैं।

बजट में सरकार ने पशु पालकों और दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने के ठोस उपाय किए हैं। इससे रोजगार बढ़ने के साथ ही आमदनी में स्थिरता आएगी।

सोशल फोरम

हाकी के उस्ताद केडी बाबू

एक दर्ज़ी के लड़के को लकड़ी के डंडे से हॉकी खेलते देखा। यह नैनीताल था, वह वहां बैठे चाय पी रहे थे। लड़के की हॉकी के प्रति लगन देखी। बाप से बात की, जो उसे दर्ज़ी बनाना चाहता था, ताकि घर का खर्च चल सके। बाप राज़ी हो गए और वह उस लड़के को नैनीताल से लखनऊ ले आए। यहां उसके टैलेंट को तराशा, निखारा और इस तरह ज़माने को मशहूर हॉकी प्लेयर सैय्यद अली मिले, जिसने मुल्क के कंधे पर कितने ही मेडल टांक दिए और अपने उस्ताद का सीना चौड़ा कर दिया, कौन उस्ताद, वही, जो...

हफीज किदवई
ब्लॉगर

ग़रीब बच्चों को उनकी आंखों में झांककर, उसमें तैर रहे ख्वाबों को देखकर, उनकी आंखों की पुतलियों में झलक रही ललक को देखकर, अगर कोई उसे साकार करने की तड़प रखता हो, तो वह थे कुंवर दिग्विजय सिंह जी यानि केडी सिंह बाबू, जो हमारी हॉकी के खूबसूरत दिनों का पर्याय हैं।

सन 1922 को बाराबंकी में जन्मा यह सितारा जब दुनिया पर एक ज़माने की मोहर बनकर बैठा, उसके पांव जब पहली बार इस जमीन पर पड़े, तब से अब तक एक शतक बीत गया है। बाराबंकी और लखनऊ के बीच घूमती यह शख्सियत दुनिया में हर उस घर में अपनी दस्तक देती गई, जहां हॉकी ने अपनी जगह बना रखी थी।

देश राजनीति, विज्ञान, कला, भाषा,साहित्य के साथ खेल में भी अपनी दस्तक देने खड़ा हो पाया, इसके श्रेय मेजर ध्यानचंद और केडी बाबू को जाता है। केडी बाबू खिलाड़ी में सिर्फ खेल और जुनून देखते। हर समाजी अंतर से परे सिर्फ हॉकी से मोहब्बत ही उनके लिए योग्यता थी और ज़िन्दगी भर इसी नियम को माना।

देश दो हिस्सों में बंट चुका था। अंग्रेज खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि बहुत से भारतीय खिलाड़ी भी पाकिस्तान जा चुके थे। हॉकी को भी गहरे जख्म लगे थे। मगर मेजर ध्यानचंद के नेतृत्व में जब 1948 के लंदन ओलंपिक में भारत जाने लगा, तो उस दूर द्रष्टा प्रधानमंत्री का भरोसा यह टीम ही थी, जिसमें केडी बाबू भी थे। उनके आत्मविश्वास और आपसी मोहब्बत से लबरेज़ दिलों ने हर ज़ख्म से मुंह फेरा, पूरी टीम इकट्ठे हुई और सब दर्द भूलकर लंदन में ही इंग्लैंड को हराकर अपने आने वाले मज़बूत भविष्य की दस्तक दे डाली।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

कच्चे घरों के बीच पक्की उम्मीदों का सपना

केंद्रीय बजट से ग्रामीण क्षेत्रों को काफी आशाएं थीं। बात चाहे घर की हो, सड़क की हो या फिर नलजल योजना की, लोगों को उम्मीद थी कि सरकार गांव के विकास के लिए बजट के पिटारे खोल देगी। इसके पीछे कई कारण भी हैं। आज भी देश के अधिकांश ग्रामीण क्षेत्र विशेषकर दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्र विकास की योजनाओं में काफी पीछे चल रहे हैं। केवल उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों की बात करें तो इस पहाड़ी इलाके के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को आवास जैसी अहम योजना भी देरी से पहुंचती है।

पहाड़ों के बीच बसे गांव बाहर से जितना शांत दिखाई देते हैं, भीतर से उतना ही संघर्षों से भरे हैं। गांव की पगडंडियों पर चलते हुए सबसे पहले जो बात ध्यान खींचती है, वह हैं मिट्टी, लकड़ी और टिन से बने कच्चे मकान, जिनकी दीवारें समय के साथ जर्जर हो चुकी हैं और छतें हर बारिश में डर पैदा करती हैं। कई बार इसके गिरने का खतरा भी बना रहता है, लेकिन ज्यादातर लोगों की आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं है कि वह इसकी मरम्मत भी करा सकें।

किरण आर्या
एक्टिविस्ट

अन्य राज्यों की तुलना में उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में ऐसी चुनौती और भी जटिल हो जाती है। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां, सीमित संसाधन और दूर-दराज़ में बसे गांव, योजना के क्रियान्वयन को धीमा कर देते हैं। उदाहरण के तौर पर, पौड़ी जिले के कल्जीखाल क्षेत्र में एक वर्ष में 805 घरों का निर्माण हुआ, जबकि बीरोंखाल जैसे क्षेत्रों में यह संख्या केवल 65 घरों तक सीमित रही। यह अंतर दर्शाता है कि एक ही राज्य के भीतर भी विकास की गति समान नहीं है।

देश और राज्य स्तर पर आंकड़े देखें तो ग्रामीण आवास की स्थिति एक बड़ी तस्वीर पेश करती है। ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत देश भर में लगभग 3.79 करोड़ घरों का लक्ष्य रखा गया था, जिनमें से लगभग 2.72 करोड़ घरों का निर्माण पूरा हो चुका है, यानी करीब 72 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जा चुका है। अब इस योजना का विस्तार कर लक्ष्य को 5.79 करोड़ घरों तक ले जाने की बात की जा रही है।

आंकड़ों से परे असली सवाल जमीन पर नजर आने वाली सच्चाई का है। पहाड़ों में रहने वाले परिवारों के लिए पक्का घर न केवल ठंड और बारिश से बचाव का माध्यम है, बल्कि यह किसी भी समय होने वाले भूस्खलन से बचाव का भी साधन है। यहां की गलियों से गुजरते हुए यह साफ़ महसूस होता है कि जब किसी परिवार को घर मिलने की सूचना मिलती है, तो वह केवल एक सरकारी लाभ नहीं होता, बल्कि उम्मीदों का एक कारवां होता है। वहीं जिन परिवारों तक यह सुविधा नहीं पहुंच पाती, उनके लिए स्थानीय स्तर पर काम करने की आवश्यकता है।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि सरकार गांव के विकास को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाती है। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि इन योजनाओं की जानकारी हर गांव और हर परिवार तक समय पर पहुंचे। इसके लिए स्थानीय स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही तय किए जाने की जरूरत है। साथ ही उन आवाजों को भी सुनने की बहुत जरूरत है, जो हाशिये पर होते हैं और अक्सर फाइलों और आंकड़ों के बीच उनकी आवाज कहीं दब जाती हैं, क्योंकि यही हाशिये पर रहने वाले लोग कच्चे घरों में भी रहकर पक्की उम्मीदों का सपना देखते हैं, जिसे पूरा करने की जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन के साथ-साथ समाज की है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

वर्ड स्मिथ

स्क्रूटनी शब्द की उत्पत्ति

स्क्रूटनी शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के 'स्क्रूटिनियम' से मानी जाती है, जिसका मूल अर्थ खोज, छानबीन अथवा सूक्ष्म परीक्षण है। यह शब्द पुरानी फ्रेंच भाषा के माध्यम से विकसित होकर अंग्रेजी भाषा में प्रविष्ट हुआ, जहां इसका प्रयोग किसी विषय या तथ्य की गहन और व्यवस्थित जांच के अर्थ में होने लगा। भाषाई विकास की इस प्रक्रिया से यह स्पष्ट होता है कि जांच की अवधारणा सदैव तथ्यों की गहराई तक पहुंचने से जुड़ी रही है। शैक्षणिक दृष्टि से जांच-पड़ताल का आशय किसी घटना, वस्तु या अवधारणा का तार्किक, सावधानीपूर्ण और विस्तृत अध्ययन करना है। इसमें तथ्यों का संग्रह, उनका विश्लेषण तथा उपलब्ध प्रमाणों के आधार पर निष्कर्ष निकालने की प्रक्रिया शामिल होती है। जांच केवल सतही निरीक्षण तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसके अंतर्गत कारण-परिणाम संबंधों को समझना और विषय के विभिन्न पक्षों का मूल्यांकन करना भी आवश्यक होता है। अनुसंधान, न्यायिक प्रक्रिया, प्रशासन और सामाजिक विज्ञानों में जांच की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। सही और निष्पक्ष जांच न केवल सत्य की खोज में सहायक होती है, बल्कि निर्णय प्रक्रिया को भी अधिक विश्वसनीय और प्रभावी बनाती है। इस प्रकार, जांच ज्ञान-विकास, सत्यापन और उत्तरदायित्व की स्थापना का एक अनिवार्य साधन है।

नोटिस बोर्ड

- उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रयागराज रीजन ने संविदा चालकों की भर्ती के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। क्षेत्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से 5 से 12 फरवरी के बीच अलग-अलग स्थानों पर भर्ती मेले लगाए जाएंगे। विभाग के मुताबिक इस अभियान के तहत लगभग 250 संविदा चालकों की नियुक्ति की जाएगी। इन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता आठवीं पास रखी गई है। वहीं आयु सीमा 23 वर्ष 6 माह से 58 वर्ष तक तय की गई है। चयन के दौरान मौके पर ही दस्तावेजों की जांच की जाएगी, इसके बाद ड्राइविंग टेस्ट होगा।

- एमजेपीआरयू द्वारा सेंटर फॉर एजुकेशन एवं ऑनलाइन एजुकेशन के अंतर्गत संचालित स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। जनवरी सत्र हेतु विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस सत्र में अभ्यर्थी एमए शिक्षा, एमए अर्थशास्त्र, बीकॉम (सामान्य), एमएसडब्ल्यू, एमबीए (मार्केटिंग), एमए अंग्रेजी, एमए हिंदी, एमकॉम (सामान्य), एमए इतिहास तथा एमएससी गणित जैसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त बीए तथा इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता विषय में एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में भी नामांकन की सुविधा उपलब्ध है।

केंद्रीय बजट 2026-27 में शिक्षा को लेकर सरकार ने यह संकेत देने की कोशिश की है कि भविष्य की अर्थव्यवस्था की नींव कक्षा, कौशल और तकनीक के मेल से रखी जाएगी। वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार शिक्षा पर कुल आवंटन बढ़ाकर लगभग 1.39 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष के 1.28 लाख करोड़ रुपये की तुलना में करीब 8.6 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। पहली नजर में यह बढ़ोतरी उल्लेखनीय लगती है और सरकार इसे भविष्य की तैयारी के रूप में प्रस्तुत कर रही है, लेकिन गहराई से देखने पर यह सवाल भी सामने आता है कि क्या यह बजट वास्तव में पुरानी संरचनात्मक समस्याओं से किनारा करता है या उन्हें नई शब्दावली में ढक देता है।

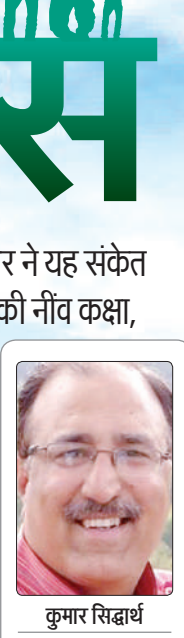

कुमार सिद्धार्थ
लेखक

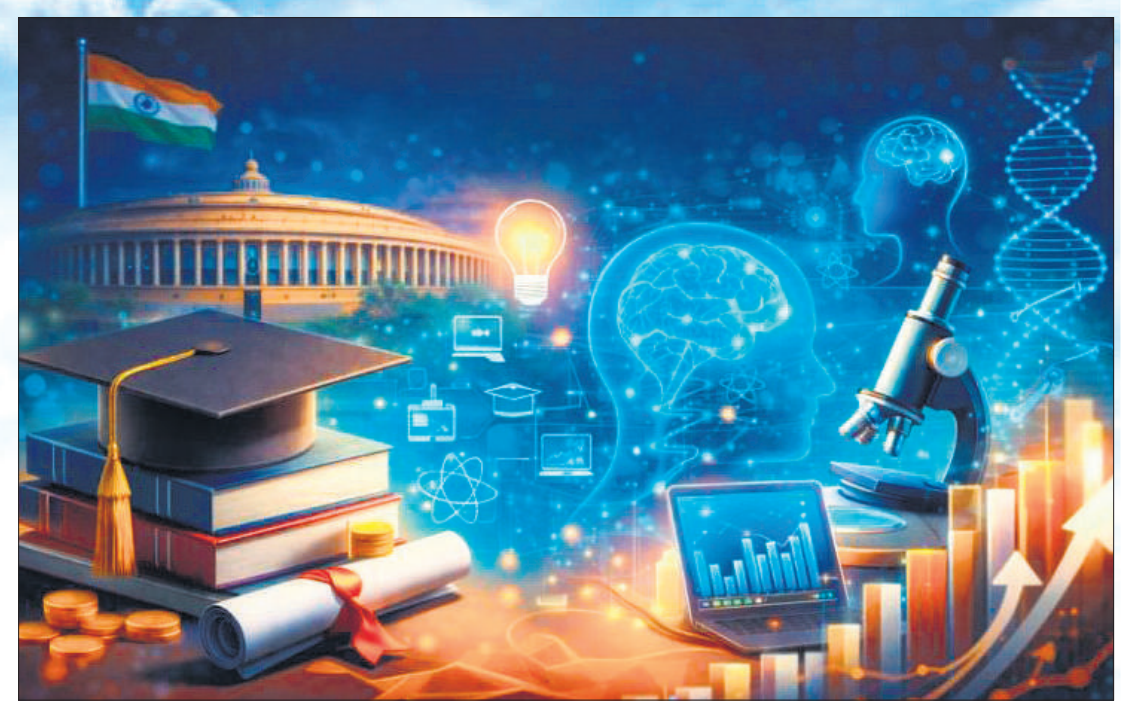

शिक्षा बजट 2026: शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के साझा मॉडल की परिकल्पना

तकनीकी कौशल से करियर की राह

इस बजट का केंद्रीय विचार शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार को एक साझा रणनीति के रूप में जोड़ने का है। सरकार का मानना है कि केवल डिग्री आधारित शिक्षा अब पर्याप्त नहीं है, इसलिए पाठ्यक्रमों को उद्योग, तकनीक और वैश्विक जरूरतों से जोड़ना आवश्यक है। इसी सोच के तहत स्कूलों और कॉलेजों में कौशल आधारित ढांचे को मजबूत करने की घोषणाएं की गई हैं। सबसे अधिक चर्चा में रहने वाला प्रस्ताव 15 हजार स्कूलों और 500 कॉलेजों में 'एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब' स्थापित करने का है। एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स जैसे क्षेत्रों को भविष्य के रोजगार से जोड़ते हुए सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि डिजिटल और क्रिएटिव इकोनॉमी अब औपचारिक शिक्षा व्यवस्था का हिस्सा बनेगी। बजट दस्तावेजों में यह भी उल्लेख है कि वर्ष 2030 तक एवीजीसी और इससे जुड़े डिजिटल क्रिएटिव सेक्टर में लगभग 20 लाख लोगों को रोजगार की आवश्यकता होगी। ऐसे में स्कूल स्तर से ही कंटेंट क्रिएशन, डिजिटल स्टोरीटेलिंग और तकनीकी कौशल सिखाने की योजना को सरकार एक दूरदर्शी कदम के रूप में पेश कर रही है। इससे युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजन में सक्षम बनाने का दावा किया गया है।

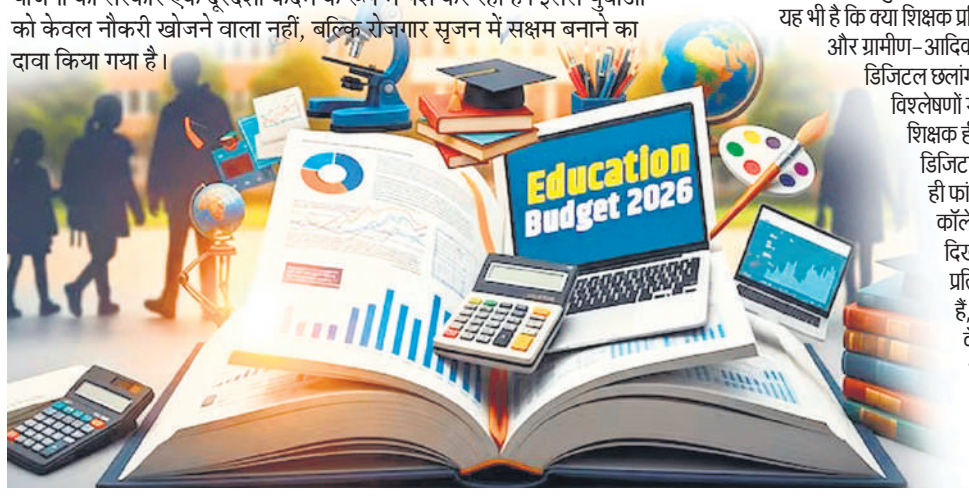

शिक्षा नीति को लचीला बनाने का लक्ष्य

उच्च शिक्षा के मोर्चे पर बजट का झुकाव तकनीक, अनुसंधान और उद्योग से सीधे जुड़ाव की ओर दिखाई देता है। औद्योगिक और लॉजिस्टिक कॉरिडोर के पास पांच यूनिवर्सिटी टाउनशिप विकसित करने का प्रस्ताव इसी दिशा में उठाया गया कदम है। सरकार का तर्क है कि जब विश्वविद्यालय, रिसर्च सेंटर, स्किल हब और उद्योग एक ही भौगोलिक क्षेत्र में होंगे, तो छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव, इंटर्नशिप और रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे। यह मॉडल शिक्षा और उद्योग के बीच लंबे समय से चली आ रही दूरी को पाटने का प्रयास है। बजट में यह भी कहा गया है कि शिक्षा को रोजगार और उद्यमिता से जोड़ने के लिए एक उच्च-स्तरीय स्थायी समिति गठित की जाएगी। यह समिति आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और उभरती तकनीकों के संदर्भ में यह आकलन करेगी कि भविष्य में कौशल और रोजगार की जरूरतें कैसे बदलेंगी और उसी अनुसार पाठ्यक्रमों में सुधार की सिफारिश करेगी। यह पहल संकेत देती है कि सरकार शिक्षा नीति को स्थिर नहीं, बल्कि बदलती अर्थव्यवस्था के अनुरूप लचीला बनाना चाहती है।

डिजिटल अवसंरचना पर जोर

स्कूल शिक्षा के संदर्भ में बजट में डिजिटल और तकनीकी अवसंरचना पर जोर दिखाई देता है। डिजिटल कंटेंट, ऑनलाइन संसाधन और नई तकनीकों के माध्यम से शिक्षा को सुलभ बनाने की बात कही गई है, लेकिन सवाल यह भी है कि क्या शिक्षक प्रशिक्षण, स्कूलों की भौतिक सुविधाएं और ग्रामीण-आदिवासी क्षेत्रों की जमीनी हकीकत इस डिजिटल छलांग के साथ तालमेल बिठा पाएगी। कई विश्लेषणों में यह चिंता भी जताई गई है कि यदि शिक्षक ही प्रशिक्षित नहीं होंगे, तो स्मार्ट बोर्ड, डिजिटल लैब और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म धूल ही फांकेंगे। राज्य विश्वविद्यालयों और संबद्ध कॉलेजों की स्थिति पर बजट अपेक्षाकृत मौन दिखाई देता है। जबकि देश के लगभग 80 प्रतिशत विद्यार्थी इन्हीं संस्थानों में पढ़ते हैं, अनुसंधान और बुनियादी सुविधाओं के लिए मिलने वाला अधिकांश फंड अब भी केंद्रीय और प्रीमियम संस्थानों तक सीमित रहता है। इस असंतुलन के कारण राज्य विश्वविद्यालयों में शोध संस्कृति कमजोर होती जा रही है और बजट में इस खाई को पाटने के लिए कोई ठोस रोडमैप साफ नजर नहीं आता। बजट में यह भी उल्लेख है कि शिक्षा, कौशल और रोजगार को जोड़कर "भविष्य की अर्थव्यवस्था" की नींव रखी जा रही है। युवाओं को नेतृत्व के लिए तैयार करने की बात कही गई है और इसे जनसांख्यिकीय लाभांश से जोड़ा गया है। भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है और सरकार इस युवा शक्ति को उत्पादक मानव संसाधन में बदलने का लक्ष्य रखती है, लेकिन यह लक्ष्य तभी साकार होगा, जब शिक्षा केवल तकनीकी दक्षता तक सीमित न रहे, बल्कि आलोचनात्मक सोच, सामाजिक संवेदनशीलता और रचनात्मकता को भी स्थान दे।

कुल मिलाकर, बजट 2026-27 का शिक्षा खंड एक दोहरे संदेश के साथ सामने आता है। एक ओर यह तकनीक, कौशल और रोजगार के जरिए भविष्य की तैयारी की बात करता है, दूसरी ओर यह पुरानी समस्याओं जैसे अपर्याप्त सार्वजनिक निवेश, शिक्षक भर्ती की कमी और राज्य स्तरीय संस्थानों की उपेक्षा से पूरी तरह मुक्त होता नहीं दिखता। यह बजट शिक्षा को आर्थिक विकास के औजार के रूप में तो देखता है, लेकिन उसे सामाजिक समानता और बौद्धिक स्वतंत्रता के व्यापक संदर्भ में रखने का साहस अभी अधूरा लगता है। आखिरकार, यह कहना गलत नहीं होगा कि शिक्षा बजट 2026-27 दिशा तो दिखाता है, लेकिन दूरी अभी तय होनी बाकी है। यह भविष्य की तैयारी का दावा करता है, पर साथ ही यह सवाल भी छोड़ जाता है कि क्या हम पुरानी समस्याओं को हल किए बिना सचमुच एक समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था की ओर बढ़ पाएंगे?

कैंपस में पहला दिन

एक दिन, जो उम्र भर साथ चला

कॉलेज जीवन की उन यादों में शामिल है, जो समय बीतने के साथ और भी अधिक चमकदार हो जाती हैं। कॉलेज के पहले दिन स्वयं को किसी रियासत का राजकुमार समझते हुए जब बरेली कॉलेज, बरेली की अंग्रेजी शासनकाल की विशाल और भव्य इमारत के भीतर प्रवेश किया, तो मन में एक अद्भुत रोमांच भर उठा। ऊंची छतें, लंबे बरामदे और इतिहास की गवाही देती दीवारें मानो नए सपनों का स्वागत कर रही थीं। विद्यालय के अनुशासित, सीमित और नियमबद्ध वातावरण से निकलकर महाविद्यालय के खुले, उन्मुक्त माहौल में कदम रखते ही लगा कि जीवन ने जैसे नई उड़ान भरने का अवसर दे दिया हो। बिना किसी यूनिफॉर्म के छात्र-छात्राओं की टोलियां परिसर में इधर-उधर घूम रही थीं। कहीं हंसी-ठिठोली थी, कहीं नए परिचयों की झिझक और कहीं भविष्य के सपनों की हलचल। उस क्षण यह एहसास गहराई से हुआ कि जीवन वास्तव में आज ही से शुरू हुआ है।

धर्मेंद्र सिंह चौहान
हल्द्वानी

इसी दौरान कॉलेज के फीस काउंटर के पास एक बुजुर्ग मिले, जो मेरे बड़े भाई को जानते थे। उन्होंने स्नेह से पूछ लिया, "तुम उनके भाई हो?" यही एक छोटा-सा संवाद आगे चलकर गहरी मित्रता की नींव बन गया। अगले कुछ ही मिनटों में अपनापन इतना बढ़ गया कि वह रिश्ता वर्षों तक परम मित्रता में बदल गया और आज भी हम एक-दूसरे के परिवार में बेटे की तरह जुड़े हुए हैं। अभी इस आत्मीयता की गर्माहट मन में थी कि कुछ सीनियर छात्रों के समूह ने हमें रोक लिया। वे हमें कॉलेज की कैंटीन में ले गए, जहां हल्के-फुल्के सवाल-जवाब हुए और परिचय के नाम पर कोई न कोई गतिविधि करने को कहा गया, किसी से गाना, किसी से नाच, तो किसी से चुटकुला। जब मेरी बारी आई और मैंने चुटकुला सुनाया, तो पूरा वातावरण हंसी के ठहाकों से गूंज उठा। प्रसन्न होकर सीनियर छात्रों ने सभी को जलपान भी कराया।

तब तक शाम ढल चुकी थी। महाविद्यालय का वह पहला दिन मेरी स्मृतियों में सदा के लिए अंकित हो गया। आज भी जब उस दिन को याद करता हूं, तो अतीत की वे तस्वीरें मन में ताजा हो जाती हैं और होंठों पर अनायास ही मुस्कान बिखर जाती है।

करेंट अफेयर्स

- हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच एक व्यापार समझौता हो गया है, जिसके तहत शुल्क (टैरिफ) तत्काल प्रभाव से कम किए जाएंगे। यह घोषणा भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई सीधी बातचीत के बाद की गई। ट्रंप के अनुसार, इस समझौते के तहत भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए अमेरिकी 'पारस्परिक टैरिफ' को 25% से घटाकर 18% कर दिया गया है। इस डील से द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि, ऊर्जा क्षेत्र में बड़े बदलाव और शुल्क में राहत की उम्मीद जताई गई है। हालांकि इसके कानूनी स्वरूप और दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर अभी भी कुछ सवाल बने हुए हैं।
- हाल ही में रक्षा मंत्री ने ऑर्डनेंस फैक्ट्री बोर्ड के निगमितकरण के बाद गठित रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम यंत्रा इंडिया लिमिटेड को मिनीरत्न श्रेणी-I का दर्जा देने की मंजूरी दी। महज चार वर्षों में यह कंपनी पारंपरिक सरकारी ढांचे से निकलकर मजबूत बिक्री और बढ़ते निर्यात के साथ एक लाभकारी उपक्रम बनकर उभरी है। इस निर्णय को भारत में आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन को मज़बूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।
- बीते दिनों भारतीय पर्वतारोही कबक यानो ने अर्जेंटीना में स्थित माउंट अकॉनकागुआ की सफलतापूर्वक चोटी पर चढ़ाई की, जो दक्षिण अमेरिका और पश्चिमी गोलार्ध की सबसे ऊंची चोटी है। 22,831 फीट ऊंचाई वाली इस चढ़ाई ने उनके 7-सम्मिट पर्वतारोहण अभियान में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है। इस उपलब्धि से उनके दृढ़ संकल्प, सहनशीलता और साहस का परिचय मिलता है और यह पूरे देश के युवा खिलाड़ियों और साहसिक उत्साही लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी है।
- बीते दिनों भारत ने वैश्विक पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। गंगा के मैदानों में स्थित एक आर्द्रभूमि और कच्छ के शुष्क भू-भाग में स्थित दूसरी आर्द्रभूमि को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई है। यह उपलब्धि वैश्विक ढांचों के तहत आर्द्रभूमि और जैव विविधता संरक्षण के प्रति भारत की बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में स्थित पाटना पक्षी अभयारण्य और गुजरात के कच्छ क्षेत्र में स्थित छरी-ढांड (Chhari-Dhand) को आधिकारिक रूप से रामसर आर्द्रभूमि घोषित किया गया है। इसके साथ ही भारत में रामसर स्थलों की कुल संख्या बढ़कर 98 हो गई है।

जॉब अलर्ट

बैंक ऑफ बड़ौदा (BOB)

- पद का नाम- विभिन्न IT पद (डेवलपर, इंजीनियर, एडमिनिस्ट्रेटर आदि)
- कुल रिक्तियां-418 पद
- योग्यता-CS/IT/इलेक्ट्रॉनिक्स में B.E/B.Tech/M.Tech/M.E/MCA
- आयु सीमा-22 से 37 वर्ष (पद के अनुसार अलग-अलग)
- आवेदन शुल्क-UR/OBC/EWS: 850 | SC/ST/PwD/महिला: 175
- आवेदन की अंतिम तिथि-19 फरवरी 2026
- वेबसाइट-bankofbaroda.bank.in

डाक विभाग, संचार मंत्रालय, भारत सरकार

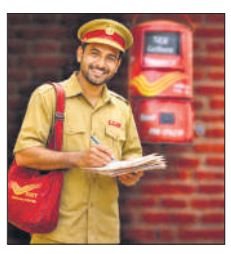

- पद का नाम-ग्रामीण डाक सेवक (GDS) - ब्रांच पोस्टमास्टर (BPM), असिस्टेंट ब्रांच पोस्टमास्टर (ABPM), डाक सेवक
- पदों की संख्या-28636 (संभावित) अनुलग्नक-I के अनुसार (डिवीजन-वार रिक्ति पोर्टल पर उपलब्ध है)
- वेतन-BPM: 12,000 से 29,380, ABPM/डाक ■ सेवक: 10,000 से 24,470
- योग्यता- गणित और अंग्रेजी में पासिंग मार्क्स के साथ 10 वीं कक्षा (SSE)
- आयु सीमा-18 से 40 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-16 फरवरी 2026
- वेबसाइट-https://indiapost.gov.in/

यंत्र इंडिया लिमिटेड ट्रेड अप्रेंटिस

- पद का नाम-ट्रेड अप्रेंटिस (पूर्व-आईटीआई और गैर-आईटीआई)
- कुल रिक्तियां-लगभग 3979 पद
- आवेदन का तरीका-ऑनलाइन
- प्रशिक्षण स्थान-आयुध और आयुध उपकरण कारखाने (पूरे भारत में)
- वजीफा-8200 - 9600 प्रति माह
- आवेदन की अंतिम तिथि-03 फरवरी 2026
- वेबसाइट-https://recruit-gov.com

स्कूल-शिक्षक-समाज : नीति के चौराहे पर खड़ा उत्तराखंड

उत्तराखंड में विद्यालयों और महाविद्यालयों में न्यून छात्र संख्या के आधार पर पदों के समायोजन, स्थानांतरण और नई भर्तियों पर रोक से जुड़ी हालिया खबर केवल प्रशासनिक निर्णय भर नहीं है, बल्कि यह राज्य की शिक्षा व्यवस्था, शिक्षकों के भविष्य और ग्रामीण समाज की संरचना से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। यह विषय जितना वित्तीय अनुशासन से जुड़ा है, उतना ही सामाजिक न्याय, शैक्षिक समानता और संवैधानिक दायित्व से भी।

जीवन सिंह सैनी
लेखक

राज्य के पर्वतीय और ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी विद्यालय केवल शिक्षा के केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक जीवन की धुरी रहे हैं। पलायन, बेरोजगारी, स्वास्थ्य व आधारभूत सुविधाओं के अभाव ने पहले ही इन क्षेत्रों को कमजोर किया है। ऐसे में छात्र संख्या में प्रतिवर्ष 7 से 12 प्रतिशत की गिरावट एक स्वाभाविक सामाजिक परिणाम है, न कि शिक्षकों या विद्यालयों की विफलता। यदि इसी गिरावट को आधार बनाकर स्कूलों को 'अप्रासंगिक' ठहराया जाएगा, तो यह समस्या के समाधान के बजाय उसे और गहरा करेगा। नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत क्लस्टर योजना का उद्देश्य संसाधनों का साझा उपयोग और शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार है। किंतु जब इस योजना को केवल न्यून छात्र संख्या से जोड़कर देखा जाता है और उसका परिणाम शिक्षकों को 'सरप्लस' घोषित कर स्थानांतरण के रूप में निकलता है, तो नीति की आत्मा ही आहत होती है। शिक्षा नीति का लक्ष्य शिक्षक को असुरक्षित करना नहीं, बल्कि उसे सशक्त बनाना होना चाहिए।

वित्त विभाग का यह तर्क कि संसाधनों का बेहतर प्रबंधन आवश्यक है, अपनी जगह उचित है, लेकिन क्या बेहतर प्रबंधन का अर्थ पदों को कम करना या रिक्त छोड़ देना ही है? क्या यह नहीं देखा जाना चाहिए कि राज्य के कई दुर्गम क्षेत्रों में आज भी विषय विशेषज्ञों और योग्य शिक्षकों की भारी कमी है? यदि कुछ विद्यालयों में छात्र संख्या कम है, तो समाधान विद्यालय बंद करना या पद घटाना नहीं, बल्कि स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप नवाचार, बहुस्तरीय शिक्षण, डिजिटल सहायता और सामुदायिक भागीदारी बढ़ाना होना चाहिए।

शिक्षकों को बार-बार दुर्गम से सुगम और सुगम से दुर्गम स्थानों पर स्थानांतरित करने की नीति ने पहले भी शिक्षा की निरंतरता को नुकसान पहुंचाया है। शिक्षक असुरक्षा के वातावरण में न तो शैक्षणिक नवाचार कर पाता है और न ही समाज के साथ स्थायी रिश्ता बना पाता है। यदि सरप्लस के नाम पर स्थानांतरण का नया फॉर्मूला लागू हुआ, तो इसका सीधा असर शिक्षकों के मनोबल, पारिवारिक जीवन और शैक्षणिक गुणवत्ता पर पड़ेगा। यह भी विचारणीय है कि पद समाप्त होने या रिक्त रहने से अल्पकालिक वित्तीय बचत तो हो सकती है, लेकिन दीर्घकाल में इसका मूल्य समाज को चुकाना पड़ेगा। जब स्कूल कमजोर होंगे, तो निजी और महंगी शिक्षा का दबाव बढ़ेगा, जिससे सामाजिक असमानता और गहरी होगी। ग्रामीण बच्चों के लिए शिक्षा का अधिकार केवल कागजी रह जाएगा। राजकीय शिक्षक संघ द्वारा समय रहते इस विषय को उठाना दूरदर्शिता का परिचायक है। यदि 2023 में पदोन्नति मुद्दा था, तो 2026 में आर्थिक हानियों से बचाव और 2028-2030 में स्कूल व नौकरी बचाने की चेतावनी एक गंभीर संकेत है। यह केवल शिक्षकों की लड़ाई नहीं, बल्कि सरकारी शिक्षा प्रणाली को बचाने की लड़ाई है। अब आवश्यकता है कि शिक्षक संगठन भावनात्मक नहीं, बल्कि अकादमिक और नीतिगत स्तर पर ठोस प्रस्ताव लेकर आगे आए। जैसे-

- न्यून छात्र संख्या वाले विद्यालयों में बहु-विषयक और बहु-ग्रेड शिक्षण मॉडल लागू करना।
- क्लस्टर योजना में शिक्षक सुरक्षा को अनिवार्य शर्त बनाना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शैक्षिक प्रोत्साहन योजनाएं शुरू करना।
- पदों को समाप्त करने के बजाय पुनर्नियोजन और प्रशिक्षण के माध्यम से उपयोगी बनाना।

सरकार और शिक्षक संघ दोनों को यह समझना होगा कि शिक्षा खर्च नहीं, निवेश है। यदि आज विद्यालय और शिक्षक सुरक्षित नहीं किए गए, तो आने वाले वर्षों में समाज, राज्य और लोकतंत्र तीनों इसकी कीमत चुकाएंगे। कलम की शक्ति तभी बुलंद होगी, जब नीति में संवेदनशीलता और निर्णय में दूरदृष्टि होगी।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	83,817.69	25,776
बढ़त	78.56	48.45
प्रतिशत में	0.09	0.19

सोना 1,65,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,98,300 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 5 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

एनजीईएल का 125 मेगावाट क्षमता का परिचालन शुरू

नई दिल्ली। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) ने राजस्थान के फलोदी में 125 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता का परिचालन शुरू किया। एनजीईएल ने शेयर बाजार को बताया कि यह कंपनी की अनुषंगी इकाई एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड के 500 मेगावाट (एमडब्ल्यू) भाडला सोलर पीवी परियोजना का हिस्सा है। राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी कॉरपोरेशन लिमिटेड से प्राप्त प्रमाणपत्र पर भाडला सोलर पीवी परियोजना की दूसरी चरण की 125 मेगावाट क्षमता का वाणिज्यिक परिचालन 31 जनवरी देर रात 12 बजे से शुरू किया गया।

भारत के लिए दो अंकीय वृद्धि संभव : मुकेश

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बुधवार को कहा कि भारत के लिए निरंतर दोहरे अंकों की वृद्धि संभव है और किसी भी देश को स्थिर आर्थिक नेतृत्व ही परिभाषित करता है। जियोब्लैकरॉक के कार्यक्रम में अंबानी ने कहा कि अगले दशक में भारत अपनी 80 प्रतिशत ऊर्जा का आयात नहीं करेगा। भारत के हर गांव में 5जी नेटवर्क है जो किसी भी अन्य देश से बेहतर एवं सस्ते हैं। आर्थिक वृद्धि के लिए 15-20 वर्ष तक निरंतर कानून व्यवस्था एवं सामाजिक सद्भाव आवश्यक है।

बजाज फिनसर्व का लाभ 2,229 करोड़ पर स्थिर

नई दिल्ली। बजाज फिनसर्व का तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ स्थिर रहा और यह 2,229 करोड़ दर्ज किया गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 2,231 करोड़ का लाभ हुआ था। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही के वित्तीय नतीजों की जानकारी दी। आलोच्य तिमाही में बजाज फिनसर्व की कुल आय बढ़कर 39,708 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 32,042 करोड़ रुपये थी। इस दौरान कंपनी का कुल खर्च भी बढ़कर 33,404 करोड़ रुपये हो गया।

चांदी तीन लाख के करीब सोना 1.65 लाख पर

नई दिल्ली। कीमती धातुओं ने बुधवार को लगातार दूसरे दिन अपनी तेजी को बरकरार रखा। इस दौरान चांदी की कीमतें बढ़कर 2.98 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गईं और सोना 1.65 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। कारोबारियों ने कहा कि मजबूत वैश्विक रुख, कमजोर डॉलर ने इस उछाल में योगदान दिया। पिछले सप्ताह की भारी बिकवाली के बाद डॉलर के कमजोर होने से निवेशकों में बहुमूल्य धातुओं के प्रति रुचि फिर से जगी थी।

जीईएम से खरीद चार लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में अब तक सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) से सामान और सेवाओं की खरीद चार लाख करोड़ रुपये को पार कर गई है, जिसमें विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा 50 लाख से अधिक खरीद और बिक्री ऑर्डर दिए गए हैं। जीईएम के सीईओ मिहिर कुमार ने कहा कि सार्वजनिक खरीद ऑर्डर का 45% सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को दिया गया है, जो 25% की अनिवार्य आवश्यकता से अधिक है। जीईएम पोर्टल को नौ अगस्त 2016 को केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के लिए ऑनलाइन सामान और सेवाओं की खरीद के लिए पेश किया गया था।

... तो बहेड़ी से केसर की 95 साल पुरानी रिश्ते की डोर टूट जाएगी

- 1933 में बनी केसर शुगर मिल के सामने खड़ी हो गई आर्थिक तंगी, बेचने की होने लगी बात

शुऐब, बहेड़ी।

अमृत विचार : केसर मतलब बहेड़ी और बहेड़ी मतलब केसर। केसर की चीनी, देश भर में मशहूर रही। दिन और रात मिल की कई समय पर बजने वाली सीटी, लोगों के कानों को भाती ही नहीं थी, बल्कि वह उससे वक्त का अंदाज़ा भी लगा लेते थे। 95 साल तक बनी रही इस पहचान का यह रिश्ता अब टूटने की कगार पर है।

ब्रिटिश शासन 1933 में बहेड़ी में लगी केसर शुगर मिल के जरिए केसर के बहेड़ी से बने रिश्ते टूटने की वजह केसर ग्रुप का आर्थिक संकट में फंस जाना है। किसानों का गन्ना मूल्य का 140 करोड़ रुपया बकाया है और बैंकों के साथ सप्लायर्स की भी बड़ी देनदारी मिल पर है। आर्थिक संकट से उबरने को मिल प्रबंधन ने कई साल हाथ पैर मारे, लेकिन संकट से बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिला। थक हार कर प्रबंधन अब मिल को किसी दूसरे को सौंपने की तैयारी में हैं।

किलाचंद ग्रुप की मिल के मालिकान के सामने अब सिर्फ दो ही विकल्प हैं। पहला मिल को बेच देना और दूसरा किसी के साथ पार्टनर शिप कर मिल को चलाते रहना। फिलहाल मिल प्रबंधन दोनों विकल्पों पर काम कर रहा, और बहुत जल्द तस्वीर साफ होने की उम्मीद है।

किलाचंद-देवचंद ग्रुप ने लगाई थी केसर मिल

गुजरात से मुंबई आकर व्यापार कर रहे सेठ किलाचंद देवचंद ग्रुप ने बहेड़ी में 1932-33 में चीनी मिल लगाई थी। द केसर शुगर वर्क्स लिमिटेड के नाम से लगाई मिल से बनी चीनी दूर-दूर तक मशहूर थी। मिल में उस वक़्त गन्ना पेराई के लिए हालैण्ड की स्टॉक कंपनी के एंटीक भाप इंजन को लगाया गया था। 800 टन पेराई क्षमता वाली चीनी मिल तरक्की करते हुए अब 7200 टन क्षमता वाली मिल बन गई है। इस बीच 1991 में इसका नाम केसर इंटरप्राइजेज लिमिटेड हो गया। मिल में डिस्टिलरी व कोजेन प्लांट भी लगे, लेकिन डिस्टलरी बंद हो गई। डिस्टलरी को कुछ साल पहले शुरू करने के फिर प्रयास हुए, और 90 करोड़ रुपये लगाकर इसमें इथेनोल प्लांट लगाया गया, लेकिन यह चल नहीं पाई, और इसे फिर बंद करना पड़ा। हालांकि मिल में 1 लाख बोरी चीनी रखने का गोदाम बनने के साथ आलीशान एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक भी बना।

केसर ने दिया नगर पालिका भवन और सरकारी अस्पताल के लिए जगह

केसर ने लोगों के लिए शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अहम कार्य किए। सरकारी अस्पताल के लिए जगह और उसकी इमारत बना दी। मौजूदा सीएचसी केसर की जगह पर है। कोरोना काल में केसर ने अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट भी लगवाया था। केसर मोंटेसरी और केसर इंटर कॉलेज का संचालन करती है। गन्ना उत्पादक डिग्री कॉलेज के बनने में भी केसर का योगदान रहा था। केसर ने 1936 में केसर भवन बनाकर एक शानदार इमारत नोटिफाइड एरिया को दी थी। उस वक़्त के यूपी के गवर्नर एचई सर हेयरी हैग ने इसका उद्घाटन किया था। उस वक़्त नोटिफाइड एरिया के चेयरमैन एआर गिल थे। गन्ना समिति के लिए जगह देने के साथ किसानों के लिए किसान भवन भी दिया था।

पूर्वी उप्र के साथ बिहार के लोगों को भी रोजगार

केसर स्थानीय लोगों के साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के लिए रोज़गार का ज़रिया भी बनी। सीज़नल कर्मचारियों में ज़्यादातर पूरब के ही हैं। यहां के व्यापार को पंख लगाने में भी केसर की बड़ी भूमिका रही। चीनी दुलाई में ट्रांसपोर्ट का बिज़नेस भी परवान चढ़ा।

आर्थिक तंगी ने केसर के सामने खड़ी की मुश्किलें

दरअसल केसर मिल कई साल से आर्थिक तंगी से गुज़र रही है। हर साल मिल गन्ना किसानों का 150-200 करोड़ रुपया बकाया रखते हुए बंद हो रही है। चालू सत्र की चीनी बेचकर पुराना पैसा देने का चलन चल रहा था। पिछले सीजन में पैसा न मिलने से किसानों ने केसर को कम गन्ना दिया, जिससे मिल सिर्फ 60 लाख कुंटल गन्ना पेराई कर पाई। पिछले साल का पैसा न देने पर इस बार शासन ने मिल के करीब 2 दर्जन सेंटर काट दिए, जिससे मिल के पास आधे सेंटर ही रह गए। प्रबंधन ने इस साल 8 दिन में पैसा भुगतान का वादा करते हुए पेमेंट देना शुरू किया, तो मिल को आधे सेंटर होने के बावजूद अच्छा गन्ना मिल रहा है, और अब तक 45 लाख कुंटल गन्ना पेराई कर भी लिया है, लेकिन पिछले साल का 140 करोड़ रुपया देने का प्रबंधन के पास कोई इंतज़ाम नहीं हो पाया। दूसरी तरफ बैंकों का मोटा पैसा मिल पर बकाया है, जिसका ब्याज बढ़ रहा है। सप्लायर्स और चीनी व्यापारियों की देनदारी है, साथ ही कर्मचारियों को वेतन देने की चुनौती। कुल मिलाकर केसर प्रबंधन खुद को पैसों के इंतज़ाम के लिए असहाय महसूस करने लगा है।

हमारा प्रयास है इंडस्ट्री चलती रहे : शरत

केसर ग्रुप के सीईओ शरत मिश्रा ने कहा कि 11 साल में कुछ इस तरह की परिस्थितियां बनी कि हम आर्थिक संकट में फंसते गए। कोजन प्लांट लगाने के बाद अचानक 4 साल चीनी मिलें घाटे में चली गईं, इसी बीच बिजली के तय रेट सरकार ने कम कर दिए, और इसमें भी लॉस होने लगा। अकेले बिजली दर में आए अंतर का करीब 125 करोड़ रुपये सरकार पर है, जिसका दूसरी मिलों के साथ कोर्ट में केस चल रहा है, ऐसे में बैंकों का बोझ बहुत ज्यादा बढ़ गया, और इसी वजह से हमें किसानों का पैसा देने में देर होने लगी। उन्होंने कहा कि समस्या का हल निकालने को कुछ ग्रुप्स से बात जारी है। ट्रेनी के सबसे छोटे पद से नौकरी शुरू करने और केसर ग्रुप के सर्वोच्च पद सीईओ पर पहुंचने वाले शरत मिश्रा ने बताया कि हम चाहते हैं, इंडस्ट्री चलती रहे, और इसके लिए हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास कर रहे हैं। इसी से किसानों और क्षेत्र का भला है। जहां इंडस्ट्री बंद हुई, वहां बर्बादी का हाल हम सब देख ही रहे हैं।

44 मेगावाट की टरबाइन वाला है बिजली प्लांट

केसर के पास कोजेन प्लांट में 190 टन क्षमता का बायलर है, जबकि 44 मेगावाट की टरबाइन लगी है। सरकार से बिजली खरीद के तय रेट कम किए जाने से भी केसर की आर्थिक तंगी बढ़ने की वजह बनी। केसर के पास 45 केएल प्रतिदिन क्षमता का डिस्टलरी प्लांट है। मिल ने इथेनोल बनाने का भी प्लांट लगाया हुआ है।

फॉरएवर, डालमिया और एरा जैसी कंपनियां केसर को खरीदने में ले रहीं दिलचस्पी

केसर प्रबंधन ने आर्थिक तंगी से निजात पाने के लिए चाहता है कि या तो किसी ग्रुप से पार्टनरशिप हो जाए, या फिर सही दाम मिलने पर सौदा किया जाए। गोरखपुर में डिस्टलरी चलाने वाले फॉरएवर ग्रुप से प्रबंधन से बातचीत चल रही है। डालमिया, एरा और हैदराबाद का चीनी मिल ग्रुप भी इस सौदे का इच्छुक है। बताया जा रहा है कि पार्टियों से एसेट्स और उनके कागज़ात देखने-दिखाने की प्रक्रिया चल रही है। कुछ पार्टियां मौके का सर्वे भी कर गई हैं। बहुत जल्द ही तस्वीर साफ हो जाएगी।

हज़ारों बीघा ज़मीन सीलिंग में निकलने से बैठ गई केसर

केसर के पास मुंडिया मुकर्रमपुर और किच्छा में खुरपिया फार्म था। किसानों ने मिल लगते वक्त केसर को लीज़ पर ज़मीन दे दी थी। यूपी गवर्मेंट ने मुंडिया मुकर्रमपुर में सीलिंग में निकली करीब 2100 बीघा ज़मीन को फूड पार्क के लिए अधिग्रहित कर लिया। इसी तरह खुरपिया फार्म की 9 हज़ार बीघा बीघा ज़मीन का उत्तराखंड सरकार ने अधिग्रहणकर लिया। केसर के पास से करीब 11 हज़ार बीघा ज़मीन निकल गई, जिससे उसको बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ। खुरपिया फार्म पर चलने वाले गन्ना शोध केंद्र को भी बंद करना पड़ा।

अमेरिका के औद्योगिक एवं कृषि उत्पादों की श्रृंखला पर शुल्क शून्य करेगा भारत

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि बोले- भारत कुछ क्षेत्रों पर नियंत्रण रखेगा जो संरक्षित हैं

- अमेरिका भारत के खिलाफ 18 प्रतिशत का शुल्क स्तर बनाए रखेगा : यूएसटीआर

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, एजेंसी

भारत व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी औद्योगिक एवं कृषि उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला जैसे कि फल और सब्जियों पर शुल्क को घटाकर शून्य कर देगा। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर ने इस समझौते को बड़ी जीत करार दिया और कहा कि भारत उन कुछ प्रमुख क्षेत्रों पर अपना नियंत्रण बनाए रखेगा जिन्हें संरक्षण प्राप्त है।

ग्रीर ने कहा कि अब समझौता पक्का हो गया है। हम कागजी कार्रवाई पूरी कर लेंगे, लेकिन हमें सारी बारीकियां पता हैं। हमें सारी जानकारी है। यह एक बहुत ही बेहतरीन अवसर है। अमेरिका भारत के खिलाफ 18 प्रतिशत का शुल्क स्तर बनाए रखेगा, क्योंकि हमारा उनके साथ बहुत बड़ा व्यापार घाटा है लेकिन उन्होंने कृषि उत्पादों, निर्मित वस्तुओं, रसायनों, चिकित्सा उपकरणों आदि की एक विस्तृत श्रृंखला पर हमारे लिए अपने शुल्क को कम करने पर भी सहमति व्यक्त की है। यह दोनों देशों के लिए बेहतरीन मौका है।

ग्रीर ने कहा कि भारत के साथ औद्योगिक वस्तुओं पर वर्तमान में औसत शुल्क 13.5 प्रतिशत है। यह सभी वस्तुओं पर लगभग शून्य हो जाएगा। लगभग कहने का मतलब 98-99 फीसदी से है। कृषि क्षेत्र में कृषि उत्पादों की एक विशाल श्रृंखला है। इसलिए यह शुल्क शून्य हो जाएगा। ग्रीर ने कहा कि अमेरिका समेत दुनिया के हर देश की तरह भारत में भी कुछ खास क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था है, जिन पर हमारा नियंत्रण बना रहेगा। हम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए काम करते रहेंगे। हालांकि कई चीजों जैसे मेवे, शराब, स्पिरिट, फल, सब्जियां आदि पर लगभग शून्य शुल्क होगा। यह एक बड़ी जीत है।

भारत प्रमुख अमेरिकी क्षेत्रों में 500 अरब डॉलर के निवेश पर सहमत

अमेरिकी राष्ट्रपति आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने भारत के साथ हुए नए व्यापार समझौते पर कहा कि भारत ने रूसी तेल की खरीद बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रमुख अमेरिकी क्षेत्रों में 500 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश पर भी सहमति व्यक्त की है। कैरोलिन ने कहा कि ट्रंप ने भारत के साथ एक और बड़ा व्यापार समझौता किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से सीधे बात की। दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। भारत न केवल रूस से तेल खरीदना बंद करने के लिए प्रतिबद्ध है बल्कि अमेरिका से तेल खरीदने को भी प्रतिबद्ध है। संभवतः वेनेजुएला से भी जिससे हमें पता है कि अब अमेरिका और अमेरिकी जनता को सीधा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका में 500 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है जिसमें परिवहन, ऊर्जा एवं कृषि उत्पाद भी शामिल हैं। इसलिए राष्ट्रपति ट्रंप की बदौलत यह एक और शानदार व्यापार समझौता है। इससे पहले, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कैरोलिन ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच सोमवार को शानदार बातचीत हुई जिसके बाद द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा हुई।

भारत में डेटा सेंटर स्थापित करने वाली विदेशी कंपनियों पर कोई कर जोखिम नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- आईटी मंत्रालय से अधिसूचित डेटा सेंटर स्थापित करने वाली कंपनियों को ही मिलेगा लाभ

वैश्विक स्तर पर क्लाउड सेवाएं देने वाली विदेशी कंपनियों को 20 साल की कर छूट देने का बजट प्रस्ताव केवल उन्हीं कंपनियों पर लागू होगा, जिन्होंने भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से अधिसूचित डेटा सेंटर स्थापित किया है। ऐसे मामलों में इन विदेशी कंपनियों की वैश्विक आय पर भारत में कर लगाए जाने का कोई जोखिम नहीं होगा।

वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने बुधवार को बताया कि बजट की यह घोषणा उन विदेशी कंपनियों को भी निश्चितता प्रदान करेगी, जो भारत में डेटा सेंटर से क्लाउड सेवाएं और खरीद सेवाएं के कारोबार में हैं। अब भारतीय डेटा सेंटर वैश्विक क्लाउड इकाइयों को आत्मविश्वास के साथ अपनी सेवाएं दे सकते हैं क्योंकि इन वैश्विक इकाइयों को भारतीय डेटा सेंटर का उपयोग करने पर किसी कर जोखिम की आशंका नहीं रहेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026-27 के बजट में घोषणा की थी कि जो भी विदेशी कंपनी भारत से डेटा सेंटर सेवाओं का उपयोग कर वैश्विक ग्राहकों को क्लाउड सेवाएं प्रदान करती है, उसे 2047 तक कर छूट दी जाएगी। हालांकि, ऐसी कंपनियों को भारतीय ग्राहकों को सेवाएं एक भारतीय रीसेलर इकाई के माध्यम से देनी होंगी। यह बजट प्रस्ताव डेटा सेंटर क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाया गया है। वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि इस आधार पर विदेशी कंपनियों की वैश्विक आय पर भारत में कर लगाए जाने का कोई जोखिम नहीं होगा।

लाभ के लिए विदेशी कंपनी को पूरी करनी होंगी चार शर्तें

प्रस्ताव को स्पष्ट करते हुए सूत्रों ने बताया कि कर छूट का लाभ उठाने के लिए विदेशी कंपनी को चार शर्तें पूरी करनी होंगी। पहली ये है कि विदेशी कंपनी अधिसूचित हो। कंपनी अधिनियम के अनुसार, विदेशी कंपनियां वे होती हैं जिनका गठन भारत के बाहर हुआ हो और जिनका भारत में व्यवसाय स्थल हो। ये कंपनियां विदेशी पूंजी से स्थापित होती हैं। 2020 से 2024 के बीच विभिन्न क्षेत्रों की 350 विदेशी कंपनियों ने कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय में पंजीकरण कराया है। दूसरी ये है कि भारत में जिस डेटा सेंटर कंपनी से सेवाएं ली जा रही हैं, वह भारतीय कंपनी हो। तीसरी ये है कि डेटा सेंटर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अधिसूचित हो। विदेशी कंपनी का भारतीय उपयोगकर्ताओं को सेवाएं एक भारतीय रीसेलर इकाई (जो कि भारतीय कंपनी हो) से प्रदान करना चौथी शर्त है। वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि घरेलू आर्थिक गतिविधियों से होने वाली आय पर लाभ यानी निवासी डेटा सेंटर द्वारा वैश्विक इकाई को दी गई डेटा सेंटर सेवाएं और निवासी रीसेलर इकाई द्वारा भारतीय ग्राहकों को क्लाउड सेवाओं की रीसेल अन्य घरेलू कंपनियों की तरह ही कर योग्य रहेगा।

किसी भी देश से कच्चा तेल खरीदने के लिए स्वतंत्र है भारत : रूस

मास्को, एजेंसी

- रूस, भारत को तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति करने वाला एकमात्र देश नहीं

रूस के राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन ने बुधवार को कहा कि भारत किसी भी देश से कच्चा तेल खरीदने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है और अपने आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने के उसके फैसले में कुछ भी नया नहीं है।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि हम और अन्य अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा विशेषज्ञ इस बात से भली-भांति परिचित हैं कि रूस, भारत को तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति करने वाला एकमात्र देश नहीं है। भारत हमेशा से अन्य देशों से भी ये उत्पाद खरीदता रहा है, इसलिए हमें इसमें कुछ भी नया नजर नहीं आता। उनसे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के उस दावे के बारे में पूछा गया था, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रूसी तेल की खरीद बंद करने और अमेरिका तथा संभावित रूप से वेनेजुएला से कच्चा तेल खरीदने पर सहमत हो गए हैं। इससे एक दिन पहले पेसकोव ने स्पष्ट किया था कि रूस को भारत की ओर से रूसी तेल की खरीद बंद करने के संबंध में अब तक कोई आधिकारिक बयान या सूचना प्राप्त नहीं हुई है। निजी व्यावसायिक रेडियो स्टेशन कोमर्सेंट एफएम ने इस ओर ध्यान दिलाया कि राष्ट्रपति ट्रंप के दावों के विपरीत, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूसी तेल के आयात को रोकने से संबंधित किसी भी समझौते का कोई उल्लेख नहीं किया।

रूस के नेशनल एनर्जी सिक्योरिटी फंड के प्रमुख विशेषज्ञ इगोर युशकोव ने कहा कि भारतीय तेल शोधन संयंत्र रूसी कच्चे तेल का आयात पूरी तरह बंद नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि अमेरिका जिस शेल ऑयल का निर्यात करता है, वह हल्के श्रेणी का होता है। इसके विपरीत, रूस अपेक्षाकृत भारी और सल्फर युक्त यूराल्स तेल की आपूर्ति करता है। भारतीय तेल शोधन संयंत्रों के ढांचे के अनुसार, उन्हें अमेरिकी तेल को अन्य श्रेणी के साथ मिलाना होगा, जिससे अतिरिक्त लागत आएगी। ऐसे में रूस के तेल को पूरी तरह अमेरिका से बदलना संभव नहीं होगा। युशकोव ने कहा कि रूस आमतौर पर भारत को प्रतिदिन 15 से 20 लाख बैरल तेल निर्यात करता है। अमेरिका इस मात्रा की भरपाई करने में सक्षम नहीं है। ट्रंप केवल यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्होंने व्यापार वार्ता जीत ली है और समझौता पूरी तरह अमेरिकी मांगों के अनुरूप है।

आरबीआई की बैठक में रेपो दर यथावत रखने की संभावना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति ने बुधवार को द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पर विचार-विमर्श शुरू कर दिया। यह बैठक आम बजट और भारत-अमेरिका समझौते की घोषणा पर हो रही है। समिति का फैसला शुक्रवार सुबह गवर्नर मल्होत्रा घोषित करेंगे।

विशेषज्ञों के अनुसार रिजर्व बैंक इस बार यथास्थिति बनाए रख सकता है। कुछ के अनुसार, उधारी लागत को और कम करने के लिए केंद्रीय बैंक एक और दर कटौती कर सकता है। बीओएफए ग्लोबल रिसर्च की एक रिपोर्ट में कहा गया कि आरबीआई का दर कटौती चक्र फिलहाल समाप्त होता दिख रहा है। व्यापार समझौते से विकास को लेकर निश्चितता बढ़ेगी और उच्च आवृत्ति संकेतकों में दिख रहा मौजूदा सकारात्मक रुझान आगे बना रह सकता है। आरबीआई ने अब ब्याज दरों में कटौती बंद कर दिया है, लेकिन तरलता प्रावधानों का सावधानीपूर्वक प्रबंधन जारी रखेगा।

व्यापार समझौते पूंजी सृजन में लाते हैं तेजी : सेबी प्रमुख

- तुहिन कांत बोले- ऐसे कदम निवेश संबंधी फैसलों को कर सकते हैं प्रोत्साहित
- एसटीटी बढ़ाने के सरकार के प्रस्ताव पर टिप्पणी करने से किया इन्कार

मुंबई, एजेंसी

कॉरपोरेट बॉण्ड के लिए कार्यक्रम में भाषण देते सेबी अध्यक्ष तुहिन कांता पांडे।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रमुख तुहिन कांत पांडेय ने बुधवार को कहा कि अमेरिका जैसे देशों के साथ व्यापार समझौतों के जरिये व्यापारिक तनाव खत्म होने से अनिश्चितताएं दूर होती हैं, जिससे पूंजी सृजन में तेजी आने में मदद मिलती है। पांडेय ने कहा कि ऐसे कदम निवेश संबंधी फैसलों को प्रोत्साहित कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि मूल रूप से जब किसी नियामकीय कार्रवाई का बोझ हटता है और व्यापारिक तनाव खत्म होते हैं, तो पूंजी सृजन की प्रक्रिया हमेशा तेज होती है। अनिश्चितताओं के दूर होने से निवेश निर्णयों को बल मिलता है और पूंजी को लेकर अधिक समझ आती है। कुल मिलाकर कि व्यापार से जुड़े जो समझौते हुए हैं, उनसे काफी हद तक अनिश्चितताएं दूर हुई हैं। कॉरपोरेट बॉण्ड बाजार को मजबूती देने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के सम्मेलन से इतर पांडेय ने वायदा-विकल्प सौदों पर प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) बढ़ाने के सरकार के प्रस्ताव पर टिप्पणी करने से हालांकि इन्कार कर दिया। उन्होंने कहा कि इस समय हम किसी भी नए कदम पर विचार नहीं कर रहे हैं और जो ढांचा हमने लागू किया है, वही जारी रहेगा। बॉण्ड बाजार को मजबूती पर पांडेय ने कहा कि सेबी के सर्वेक्षण के अनुसार, अधिक निवेशक बॉण्ड बाजार की तुलना में क्रिप्टोकरेंसी के बारे में जानते हैं। पिछले एक दशक में बॉण्ड बाजार में स्वागतयोग्य वृद्धि हुई है, लेकिन बाजार को और मजबूत करने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। बीएसई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदररमन राममूर्ति ने एक निश्चित सीमा से अधिक वित्त जुटाने के लिए सार्वजनिक निर्गम के जरिये कॉरपोरेट बॉण्ड बाजार तक पहुंच को अनिवार्य करने और जारीकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए कर छूट देने का सुझाव दिया। बीएसई और एनएसई के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में हितधारकों ने अपनी मंशा को बेहतर तरीके से व्यक्त करने के लिए बॉण्ड्स – एक सशक्त बंधन टैगलाइन (प्रचार पंक्ति) भी पेश की।

सेबी ने मध्यस्थों के लिए उपयुक्त और सक्षम व्यक्ति ढांचे में व्यापक बदलावों का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को बाजार मध्यस्थों के लिए लागू उपयुक्त और सक्षम व्यक्ति ढांचे में व्यापक बदलावों का प्रस्ताव रखा, जिसका उद्देश्य नियामकीय प्रक्रिया में अधिक स्पष्टता, पारदर्शिता और निष्पक्षता लाना है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपने परामर्श पत्र में बाजार मध्यस्थ विनियम, 2008 की अनुसूची-2 में संशोधन सुझाए हैं। ये प्रावधान मध्यस्थों, उनके प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों (केएमपी) और नियंत्रण रखने वाले व्यक्तियों पर लागू होते हैं। बाजार मध्यस्थों की श्रेणी में शेयर ब्रोकर, म्यूचुअल फंड वितरक एवं निवेश सलाहकार आते हैं। इन प्रस्तावों के तहत सेबी ने सुनवाई के अधिकार को नियमों में स्पष्ट रूप से शामिल करने, अयोग्यता से जुड़े मामलों के दायरे को परिभाषित करने और आवेदकों के लिए नियामकीय अनिश्चितता कम करने की सिफारिश की है। नियामक ने परिसमापन कार्यवाही शुरू होने मात्र को ही अयोग्यता मानने का संदर्भ हटाने का प्रस्ताव दिया है।

पहले ही रोके जा सकते हैं कैंसर के 30 प्रतिशत मामले : संयुक्त राष्ट्र

न्यूयॉर्क, एजेंसी

● आईएआरसी के ताजा शोध के हवाले से किया गया दावा

विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र की कैंसर अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी (आईएआरसी) के एक ताज़ा अध्ययन में सामने आया है कि कैंसर के लगभग 30 प्रतिशत मामलों को पहले ही रोका जा सकता है। यह अध्ययन तंबाकू, शराब, उच्च बॉडी मास इंडेक्स, शारीरिक निष्क्रियता, वायु प्रदूषण और पराबैंगनी विकिरण सहित 30 रोकथाम योग्य कारणों पर आधारित है।

विश्व कैंसर दिवस, चार फरवरी के अवसर पर जारी इस अध्ययन में पहली बार नौ कैंसर पैदा करने वाले संक्रमणों को भी शामिल किया गया है, जैसे कि ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी), जो सर्वाइकल (गर्भाशय ग्रीवा) कैंसर का कारण बन सकता है। वर्ष 2020 में दुनिया भर में लगभग एक करोड़ मौतें इसी बीमारी से हुईं, जो कि लगभग हर छह मौतों में से एक का कारण है। अनुमान बताते हैं कि यदि वर्तमान रुझान जारी रहा, तो 2040 तक नए मामलों में 50 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है, जो प्रभावी रोकथाम रणनीतियों की तत्काल आवश्यकता को दर्शाता है।

185 देशों में किया गया अध्ययन

अध्ययन में 185 देशों और 36 प्रकार के कैंसर के आंकड़ों का उपयोग किया गया है। इस तरह का अनुमान है कि वर्ष 2022 में कैंसर के कुल नये मामलों में से 37 प्रतिशत (लगभग 71 लाख) ऐसे थे जिन्हें रोका जा सकता था। डब्ल्यूएचओ के कैंसर नियंत्रण टीम के प्रमुख डॉ. आंद्रे इल्बावी ने कहा, देशों और जनसंख्या समूहों के स्वरूपों की जांच करके, हम अधिक विशिष्ट जानकारी दे सकते हैं ताकि कई कैंसर के मामलों को शुरू होने से पहले ही रोकने में मदद मिल सके।

ऑनलाइन गेमिंग की घातक लत

डिजिटल डेथ ट्रैप

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद (भारत सिटी सोसाइटी) में 4 फरवरी 2026 को एक ऐसी घटना घटी जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। यहां तीन सगी बहनों (निशिका 16, प्राची 14 और पाखी 12) ने नौवीं मंजिल से कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि ये किशोरियां एक कोरियन लव गेम (जिसे वी आर कोरियन्स या लव गेम भी कहा जा रहा है) की बुरी तरह आदी थीं। उनके सुसाइड नोट में सॉरी पापा के साथ-साथ कोरियाई संस्कृति और गेम के प्रति उनके जुनून की झलक मिली, जहां उन्होंने लिखा था कि वे इसके बिना जीवन की कल्पना नहीं कर सकतीं। यह मामला केवल एक दुर्घटना नहीं है, बल्कि उस डिजिटल मकड़जाल का हिस्सा है जो बच्चों को धीरे-धीरे वास्तविकता से काटकर मौत के मुहाने तक ले जाता है।

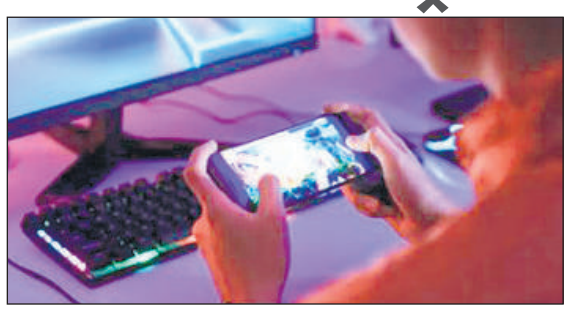

कानूनी स्थिति और प्रतिबंध

● आईटी एक्ट की धारा 69ए : सरकार उन ऐप्स या गेम्स को प्रतिबंधित कर सकती है जो सार्वजनिक व्यवस्था या सुरक्षा के लिए खतरा हों।

● ब्लू व्हेल पर कार्रवाई : भारत सरकार ने पूर्व में इंटरनेट दिग्गजों (गूगल, फेसबुक, इंस्टाग्राम) को निर्देश दिया था कि वे ब्लू व्हेल गेम के लिंक तुरंत हटा दें।

● वर्तमान स्थिति : हालांकि विशिष्ट 'कोरियन गेम्स' पर अभी राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध नहीं है, लेकिन पुलिस और साइबर एजेंसियां ऐसे संदिग्ध ऐप्स की जांच कर रही हैं।

मनोवैज्ञानिक कारण

● व्यवहार सुदृढ़ीकरण : ये गेम टास्क-आधारित हो सकते हैं। छोटे टास्क पूरे करने पर मिलने वाली डोपामाइन की लहर बच्चों को इसका आदी बना सकती है।

● भावनात्मक शून्यता और अलगाव : गेम की दुनिया में डूबे बच्चे स्कूल जाना बंद कर देते हैं और सामाजिक संबंधों से कट जाते हैं। गाजियाबाद की बहनें भी दो साल से स्कूल नहीं गई थीं।

● नियंत्रण खोना : किशोरों का मस्तिष्क पूरी तरह विकसित नहीं होता, जिससे वे सही-गलत का फैसला नहीं कर पाते। जब माता-पिता गेम पर प्रतिबंध लगाते हैं, तो वे इसे अपनी पहचान पर हमला मानते हैं।

● आत्महत्या का संक्रमण : जब एक ही परिवार के बच्चे एक साथ गेम खेलते हैं, तो वे एक-दूसरे के व्यवहार को प्रभावित करते हैं, जिससे सामूहिक आत्मघाती कदम उठाने का जोखिम बढ़ जाता है।

चेतावनी के संकेत

● अचानक से स्कूल जाना या पढ़ाई छोड़ देना।

● रात-रात भर जागकर फोन का इस्तेमाल करना।

● शरीर पर रहस्यमय कट या निशान होना।

● मोबाइल छीनने पर अत्यधिक गुस्सा या हिंसक व्यवहार करना।

● अकेले कमरे में बंद रहना और परिवार से दूरी बना लेना।

बचाव के उपाय

● संवाद बढ़ाएं : बच्चों से बात करें। अहसास दिलाएं कि वे अकेले नहीं हैं।

● डिजिटल डिटॉक्स : फोन के इस्तेमाल के लिए समय सीमा तय करें। भोजन और सोते समय फोन का प्रयोग वर्जित करें।

● पैरेंटल कंट्रोल : मोबाइल में पैरेंटल कंट्रोल सेटिंग्स का उपयोग करें ताकि आपत्तिजनक ऐप्स डाउनलोड न हो सकें।

वर्ल्ड ब्रीफ

यौन उत्पीड़न केस में भारतीय दोषी करार

न्यूयॉर्क। अमेरिका की एक संघीय जिला अदालत ने एक भारतीय नागरिक को विमान में महिला का यौन उत्पीड़न करने के मामले में दोषी करार दिया है। बिना वैध नागरिकता के रह रहे वरुण अरोड़ा (38) को मई में सजा सुनाई जाएगी और उसे दो साल तक की जेल की सजा हो सकती है। अदालती विवरण और मुकदमे में पेश किए गए सबूतों के अनुसार, अगस्त 2024 में रोड आइलैंड अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से रोनाल्ड रीगन वाशिंगटन राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए विमान के उतरने के दौरान अरोड़ा ने महिला का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया था।

पंजाब में ड्रोन से गिराई चार किग्रा हेरोइन

तरनतारन। पंजाब में तरन तारन पुलिस ने बुधवार को सीमा सुरक्षा बल के साथ संयुक्त अभियान में सीमा चौकी कालियान के कृषि क्षेत्रों से 3.925 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि हेरोइन की खेप बरामद करने के अलावा पुलिस टीम ने एक डीजेआई मैट्रिस ड्रोन भी बरामद किया है, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान स्थित तस्करों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार से खेप पहुंचाने के लिए किया जाता था।

नाइजीरिया में 162 लोगों की हत्या की

सोकोतो। पश्चिमी नाइजीरिया के दो गांवों पर हमलों के दौरान हथियारबंद चरमपंथियों ने कम से कम 162 लोगों की हत्या कर दी। हालिया महीनों में यह सबसे बर्बर हमला है। स्थानीय सांसद मोहम्मद उमर ने कहा कि हमले मंगलवार की शाम को क्वारा राज्य के वोरो और नुकु गांवों में किए गए। ये हमले लकुरावा नामक संगठन ने किए, जो इस्लामिक स्टेट से जुड़ा समूह है।

ट्रंप से बैठक के बाद कोलंबिया पड़ा नरम

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने व्हाइट हाउस में लगभग दो घंटे तक चली बैठक को मैत्रीपूर्ण और सकारात्मक बताया है। महीनों से चले आ रहे तीखे बयानों और राजनयिक गतिरोध के बाद इस मुलाकात को दोनों देशों के बीच संबंधों के सुधरने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। बैठक के बाद ओवल ऑफिस में ट्रंप ने कहा कि हमारी मुलाकात बहुत अच्छी रही। पेट्रो शानदार व्यक्ति हैं। उनका यह बयान चौंकाने वाला है क्योंकि कुछ ही हफ्ते पहले ट्रंप ने पेट्रो को बीमार और नशीली दवाओं का नेतृत्व करने वाला व्यक्ति बताया था। पेट्रो ने भी सोशल मीडिया पर ट्रंप के साथ हाथ मिलाते हुए फोटो साझा की।

ड्रोन हमले की घटना के बाद ईरान अमेरिका वार्ता की उम्मीद धूमिल

अपने विमान वाहक पोत के करीब अमेरिका ने मार गिराया था ईरानी ड्रोन

● ईरान की सफाई, ड्रोन से टूट गया था संपर्क, कारणों की हो रही जांच

काहिरा, एजेंसी

ईरानी सशस्त्र बलों के एक ड्रोन ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय जल क्षेत्रों में एक निरीक्षण मिशन पूरा किया, जिसके ठीक बाद अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने एक ईरानी ड्रोन को मार गिराया है जिसने एक विमान वाहक के करीब आक्रामक रूप से आने की कोशिश की थी। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने कहा कि ईरान का अपने एक ड्रोन से संपर्क टूट गया जिसके कारणों की जांच की रही है। ऐसा माना जा रहा है कि दोनों तरफ से हुई इस आक्रामक कार्रवाई से दोनों देशों में बातचीत की उम्मीद प्रभावित हो सकती है।

अमेरिकी केंद्रीय कमान ने इससे पहले कहा था कि अरब सागर में एक अमेरिकी एफ-35सी युद्धक विमान को ईरानी शाहेद-139 ड्रोन को मार गिराने के लिए मजबूर होना पड़ा। ईरानी ड्रोन यूएसएस अब्राहम लिंकन की ओर अनावश्यक रूप से पैंतरेबाजी की, जब विमानवाहक पोत ईरानी तट से लगभग 800 किलोमीटर दूर अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र से गुजर रहा था। ड्रोन को आत्मरक्षा की कार्रवाई में मार गिराया गया। इस मुठभेड़ में कोई भी अमेरिकी सैनिक घायल नहीं हुआ और न ही किसी उपकरण को नुकसान पहुंचा। यह मुठभेड़ आने वाले दिनों में अमेरिका-ईरान वार्ता की अस्थायी संभावनाओं के बीच हुई है। इससे पहले दिन में, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने कहा था कि उन्होंने विदेश मंत्रालय को अमेरिका के साथ निष्पक्ष एवं न्यायसंगत बातचीत करने का निर्देश दिया है। एक्स पर पेज़ेश्कियन ने कहा कि यह कदम क्षेत्रीय सरकारों द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वार्ता प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देने के अनुरोध के बाद उठाया गया है। उन्होंने कहा कि कोई भी वार्ता गरिमा, विवेक एवं तत्परता की सीमाओं में होनी चाहिए।

ईरान के मुद्दे पर शी जिनपिंग-ट्रंप में फोन पर चर्चा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि उन्होंने ईरान के मुद्दे पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ फोन पर चर्चा की। ईरान को अलग-थलग करने के लिए चीन और अन्य देशों पर दबाव बनाने के अमेरिकी प्रशासन के प्रयासों के बीच दोनों नेताओं ने बातचीत की है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने जिनपिंग से व्यापार और ताइवान समेत अमेरिका-चीन संबंधों से जुड़े मुद्दों और अप्रैल में चीन यात्रा की अपनी योजना पर भी बात की। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, चीन और राष्ट्रपति शी के साथ मेरे व्यक्तिगत संबंध बहुत अच्छे हैं और हम दोनों को पता है कि संबंध को जस का तस रखना कितना महत्वपूर्ण है।

ओमान में हो सकती है दोनों देशों में वार्ता

दुबई। तनाव के बावजूद दोनों देशों में ओमान में वार्ता हो सकती है। ईरानी समाचार एजेंसियों ने खबर दी है कि ईरान और अमेरिका के बीच शुक्रवार को ओमान में वार्ता संभव है। हालांकि ओमान ने यह स्वीकार नहीं किया कि वह वार्ता की मेजबानी करेगा। ओमान ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु वार्ता के कई दौरों की मेजबानी कर चुका है। अमेरिका ने भी इस बात की पुष्टि नहीं की है कि वार्ता ओमान में होगी। हालांकि, व्हाइट हाउस ने वार्ता होने की उम्मीद जताई है। तुर्की ने भी मध्यस्थता की पेशकश की है। वहीं ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि आगामी दिनों में होने वाली वार्ताओं के लिए स्थान तय करने को विचार-विमर्श जारी है।

महत्वपूर्ण खनिजों का कुछ क्षेत्रों में सिमट जाना वैश्विक जोखिम

● मंत्रिस्तरीय खनिज सम्मेलन में बोले विदेशमंत्री जयशंकर

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

विविदेश मंत्री एस. जयशंकर ने महत्वपूर्ण खनिजों का कुछ ही जगहों पर अत्यधिक संक्रेंद्रण होने से संबंधित चुनौतियों का उल्लेख करते हुए बुधवार को कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से आपूर्ति श्रृंखलाओं के समक्ष जोखिम को कम करना जरूरी है। वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो द्वारा आयोजित पहले 'क्रिटिकल मिनरल्स मिनिस्टीरियल' सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़ी 'फोर्ज' नामक पहल के प्रति भारत के समर्थन की भी जानकारी दी।

जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज वाशिंगटन डीसी में क्रिटिकल मिनरल्स मिनिस्टीरियल सम्मेलनको संबोधित किया। अत्यधिक संकेंद्रण से जुड़ी चुनौतियों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से आपूर्ति श्रृंखलाओं के जोखिम को कम करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने अपने संबोधन में राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन समेत पहलों के जरिए अधिक लचीलापन हासिल करने की दिशा में भारत के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। मंत्रिस्तरीय सम्मेलन शुरू होने से पहले जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद और सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालकृष्णन समेत कई नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने नीदरलैंड्स, इटली, मलेशिया, बहरीन, मंगोलिया, पोलैंड, रोमानिया, इजराइल और उज्बेकिस्तान के अपने समकक्षों से भी बातचीत की। खनिज सम्मेलन से पूर्व विदेशमंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की जिसमें रुबियो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई में हुए व्यापार समझौते का स्वागत किया।

अमेरिका में एक बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट ने आर्थिक साझेदारी और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

वित्त मंत्री बेसेंट से आर्थिक साझेदारी पर चर्चा

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से मुलाकात की तथा द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी और रणनीतिक सहयोग आगे बढ़ाने पर चर्चा की। जयशंकर ने मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से मिलकर खुशी हुई। भारत-अमेरिका आर्थिक साझेदारी और रणनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर सार्थक चर्चा हुई। वहीं बेसेंट ने एक पोस्ट में कहा कि उन्हें जयशंकर से मुलाकात करके अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि इस बातचीत के दौरान हमने आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने के महत्व के साथ-साथ आपसी हित के अन्य राष्ट्रीय और आर्थिक सुरक्षा मुद्दों पर भी चर्चा की।

ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस एंड्रयू ने शाही आवास छोड़ा

लंदन। यौन अपराधी जेफ्री एप्सटीन से जुड़ी विवादित फाइल में नाम सामने आने के बाद पूर्व प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर ने विंडसर कैसल एस्टेट में स्थित अपने आवास 'रॉयल लॉज' को छोड़ दिया है। एप्सटीन फाइल सार्वजनिक होने के बाद से ब्रिटेन के राजनीतिक नेताओं के एक वर्ग पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

महाराज चार्ल्स तृतीय के भाई एंड्रयू (65) ने पिछले साल अपनी सभी उपाधिया त्याग दी थीं, जिसके तहत उन्हें 77 वर्षीय महाराज के शाही एस्टेट में स्थित अपना आवास खाली करना था। एप्सटीन फाइल में अनुचित व्यवहार के आरोप सामने आने के बाद उनपर आवास खाली करने का दबाव बढ़ गया था।

जापान व बांग्लादेश में रक्षा और तकनीक पर समझौता

टोक्यो, एजेंसी

● दोनों एक-दूसरे को करेंगे तकनीक और उपकरण का आदान-प्रदान

जापान और बांग्लादेश ने रक्षा उपकरणों और तकनीक के आदान-प्रदान को लेकर समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। जापान के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बताया, तीन फरवरी को ढाका में जापान के बांग्लादेश स्थित राजदूत साइडा शिनिची और बांग्लादेश सरकार के सशस्त्र बल प्रभाग के प्रधान स्टाफ अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल एसएम कमरुल हसन ने दोनों देशों की सरकारों के बीच रक्षा उपकरणों और प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर किए।

समझौता उसी दिन से प्रभाव में आ गया है। बयान में कहा गया कि यह समझौता दोनों सरकारों के बीच संयुक्त रूप से निर्धारित परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए रक्षा उपकरणों और तकनीक के प्रबंधन का एक कानूनी ढांचा स्थापित करता है। इनमें वे परियोजनाएं भी शामिल होंगी जो अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा में योगदान देंगी। समझौते के तहत यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि हस्तांतरित किए गए रक्षा उपकरणों और प्रौद्योगिकी का किसी तीसरे पक्ष को आगे स्थानांतरण या दुरुपयोग न हो। इसके लिए उपयुक्त नियंत्रण और निगरानी व्यवस्था लागू की जाएगी। जापानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस समझौते से जापान और बांग्लादेश के बीच रक्षा सहयोग को मजबूती मिलेगी।

सात फरवरी को मलेशिया जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार से मलेशिया की दो-दिवसीय यात्रा पर जाएंगे, जिसका मकसद व्यापार, निवेश, ऊर्जा और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि यह प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया की तीसरी यात्रा होगी, और अगस्त 2024 में भारत-मलेशिया द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदले जाने के बाद यह उनकी पहली यात्रा होगी।

इस यात्रा के दौरान मोदी मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। मोदी भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ-साथ उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से भी संवाद करेंगे।

गाजा में इजराइली हमले में 21 लोगों की गई जान

दीर अल बलाह, एजेंसी

● अपने एक सैनिक की मौत पर इजराइल का जवाबी हमला

गाजा में इजराइली गोलीबारी में कम से कम 21 फलस्तीनी मारे गए, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। वहीं, इजराइल का कहना है कि आतंकियों की तरफ से की गई गोलीबारी में उसका एक सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसने जवाबी कार्रवाई की। अस्पताल के अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि इजराइली गोलीबारी में मारे गए लोगों में सात महिलाएं और पांच बच्चे शामिल हैं।

दस अक्टूबर, 2025 को लागू हुए संघर्षविराम के बाद से फलस्तीनियों की मौत की ये ताजा घटना है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस समझौते के लागू होने के बाद से इजराइली गोलीबारी में 530 से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए हैं। गाजा शहर के शिफा अस्पताल के निदेशक डॉ. मोहम्मद अबू सेल्मिया ने फेसबुक पोस्ट पर कहा कि गाजा पट्टी में हमारे लोगों के खिलाफ नरसंहार वाली जंग जारी है। संघर्षविराम कहां है? मध्यस्थ कहां हैं? अस्पताल ने बताया कि बुधवार सुबह इजराइली सैनिकों ने उत्तरी गाजा के तुफाह इलाके में एक इमारत पर गोलीबारी की। उसने बताया कि इस हमले में कम से कम 11 लोग मारे गए, जिनमें से ज्यादातर एक ही परिवार के थे।

लीबिया के पूर्व तानाशाह गद्दाफी के बेटे की हत्या

त्रिपोली। लीबिया के पूर्व तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी के बेटे और कभी देश के सबसे शक्तिशाली उत्तराधिकारी माने जाने वाले 53 वर्षीय सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी की हत्या कर दी गई है। द लीबिया आब्जर्वर ने जानकारी दी कि उनके राजनीतिक सलाहकार अब्दुल्ला उस्मान अब्दुर्रहीम ने इस खबर की पुष्टि की है। इस घटना से लीबिया में वर्षों से चली आ रही उनकी स्थिति को लेकर अनिश्चितता समाप्त हो गई है।यह घटना मंगलवार दोपहर पश्चिमी लीबिया के जिंतान शहर में हुई। बताया जा रहा है कि चार नकाबपोश बंदूकधारियों ने सैफ अल-इस्लाम के आवास पर हमला किया। हमलावरों ने वारदात को अंजाम देने से पहले घर के बाहर लगे कैमरों को नष्ट कर दिया।

आज का भविष्यफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 5 फरवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्थी 6 फरवरी 00.22 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

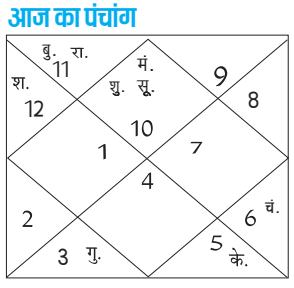

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराफाल्गुनी 22.57 तक तत्पश्चात हस्त।

मेष — आज रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। सहकर्मियों की किसी बात पर आप नाराज हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके रचनात्मक विचारों की लोग प्रशंसा करेंगे। किसी भी प्रकार के व्यसन व बुरी आदतों से दूर रहें।

वृष — आज परिवार के साथ समय अवश्य बिताएं। आपकी योजनाओं में अचानक बदलाव आने से काम बिगड़ सकते हैं। आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। किसी काम को करने में जल्दबाजी न करें।

मिथुन — आज आप कुछ नई स्किल्स पर काम कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध काफी अच्छे रहेंगे। आपका आत्मविश्वास पहले से मजबूत होगा। आपको व्यापार में बड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण पा लेंगे।

कर्क — आज प्रशासन से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है। फाइनेंस को लेकर स्थिति मजबूत होगी। अपनी गुप्त बातें किसी से शेयर न करें। नौकरी में पदोन्नति मिलने की संभावना है। लोग पीठ पीछे आपकी आलोचना करेंगे।

सिंह — आज उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आ रही परेशानियां दूर होंगी। समस्याओं का समाधान होने से आपका तनाव दूर होगा। परिवार के साथ उत्तम समय बिताएंगे। अपनी कार्यशैली में सार्थक परिवर्तन ला सकते हैं।

कन्या — आज का दिन आपको काफी परेशान कर सकता है। मानसिक रूप से अस्थिरता महसूस करेंगे। अपने काम पर आपको अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। लंबी दूरी की यात्रा आज न करें। मित्रों के साथ झगड़ा हो सकता है।

तुला — आज आय के नए स्रोत बन सकते हैं। लोग आपकी बातों से अत्यंत प्रभावित रहेंगे। बच्चों की सफलता से आपको गौरव की अनुभूति होगी। दोस्तों की सलाह आपके लिए काफी काम आने वाली है। संपत्ति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक — आज अपने काम की गुणवत्ता में सुधार करना पड़ेगा। अपने कारोबार को लेकर बड़ा लक्ष्य बनाएंगे। उच्च शिक्षण संस्थान के प्रवेश में आ रही बाधा दूर होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको पिता के साथ अच्छे संबंध रखने चाहिए।

धनु — आज यदि आप नौकरी बदलना चाह रहे हैं, तो दिन बहुत ही अच्छा है। उच्च अधिकारियों से आपके संबंध अच्छे रहेंगे। अध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। ऐसे लोगों से दूर रहें, जो आपको गलत सलाह देते हैं। धार्मिक यात्राओं की योजना बना सकते हैं।

मकर — आज नई संपत्ति में बड़ा निवेश करने से आपको बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में आपके काम के बिगड़ने की संभावना है। आपके विचारों में नकारात्मकता स्थान ले सकती है। अपनी गलतियों को लेकर पछतावा हो सकता है।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में काफी दिनों से रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। बुद्धिजीवी लोगों का मार्गदर्शन लेने का अवसर प्राप्त होगा। आप अपने कार्यों को तय समय पर पूर्ण कर लेंगे। व्यापार में बड़ा आर्थिक लाभ होने से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मीन — आज पुराना ऋण चुकाने के लिए दिन अनुकूल है। जॉब में आपको नयी टीम के साथ काम करना पड़ सकता है। धैर्यवान होकर अपना काम करें। फिलहाल अधिक अपेक्षा रखना उचित नहीं है। रियल एस्टेट से जुड़े कारोबार में धन लाभ होगा।

सुडोकू-52

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

2		3		4				
		8			7		5	
1					5			2
	2			5			3	
9			6		2			5
	1			8			4	
4			1			5		3
	6		5			9		
				2				8

सुडोकू - 51 का हल

3	1	9	6	7	4	8	5	2
2	6	7	5	1	8	4	3	9
5	4	8	9	2	3	6	7	1
4	5	1	2	3	6	7	9	8
7	3	2	8	4	9	5	1	6
9	8	6	7	5	1	2	4	3
8	9	4	3	6	5	1	2	7
1	7	3	4	8	2	9	6	5
6	2	5	1	9	7	3	8	4

मेरी फिटनेस दिन-ब-दिन बेहतर हो रही है। मैं बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कड़ी मेहनत कर रहा हूं, और मुझे लगता है कि मैं जल्द ही खेल के मैदान पर वापस आऊंगा। लोगों का सपोर्ट ने मेरा हौसला बढ़ाया है।
-ऋषभ पंत

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, गुरुवार ,5 फरवरी 2026

हाईलाइट

देविका ने सफलता का श्रेय सिंधु को दिया

नई दिल्ली। थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 की विजेता देविका सिहाग ने अपनी इस शानदार जीत का श्रेय दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु के साथ कई महीनों के अभ्यास और मशहूर कोच इरवानस्याह आदि प्रतामा के मार्गदर्शन को दिया। हरियाणा की यह 20 वर्षीय खिलाड़ी साइना नेहवाल और सिंधू के बाद सुपर 300 महिला एकल खिताब जीतने वाली तीसरी भारतीय महिला शटलर बन गईं है। देविका ने पीटीआई वीडियो से कहा सिंधु दीदी के खेल को करीब से देखना और उनके साथ अभ्यास करना मेरे लिए बहुत मददगार साबित हुआ। वह बहुत अनुशासित और मेहनती हैं और इससे मुझे भी बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिली।

निराशा को पीछे छोड़ पाना मुश्किल : सलाहुद्दीन

ढाका। बांग्लादेश के सीनियर असिस्टेंट कोच मोहम्मद सलाहुद्दीन ने बुधवार को कहा कि क्रिकेटरों के लिए आने वाले टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा न लेने की निराशा को पीछे छोड़ना मुश्किल है। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए भारत न आने का फैसला किया और बाद में आईसीसी ने उनकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल कर लिया। यह पहली बार है जब बांग्लादेश टीम मैनेजमेंट के किसी सदस्य ने सबके सामने कहा है कि टी20 वर्ल्ड कप में खेलने का मौका गंवाना पूरी तरह से निराशाजनक बात है।

सुमित नागल। एजेंसी

अच्छी तैयारी करते दिख रहे हैं नागल

बेंगलुरु। भारत की डेविस कप टीम ने बुधवार को यहां एक कड़े और व्यवस्थित अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया जिसमें शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने धीरे-धीरे अपनी तीव्रता बढ़ाई क्योंकि टीम नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रही है। हाल ही में कूल्हे की चोट के बाद वापसी कर रहे नागल ने दक्षिणेश्वर सुरेश के साथ सत्र शुरू किया। शुरुआती पलों में नागल अपनी मूवमेंट को लेकर सतर्क दिखे लेकिन उन्होंने बेसलाइन से धीरे-धीरे लय पकड़ ली। दक्षिणेश्वर ने अपनी सर्विस में निरंतरता से प्रभावित किया जबकि नागल ने टाइमिंग और नियंत्रित शॉट लगाने पर ध्यान केंद्रित किया। पास के कोर्ट पर करण सिंह ने पहले युवा खिलाड़ी अर्णव पापर्कर के साथ अभ्यास किया और फिर साझेदार बदलकर बाएं हाथ के खिलाड़ी अनिरुद्ध चंद्रशेखर के साथ खेले।

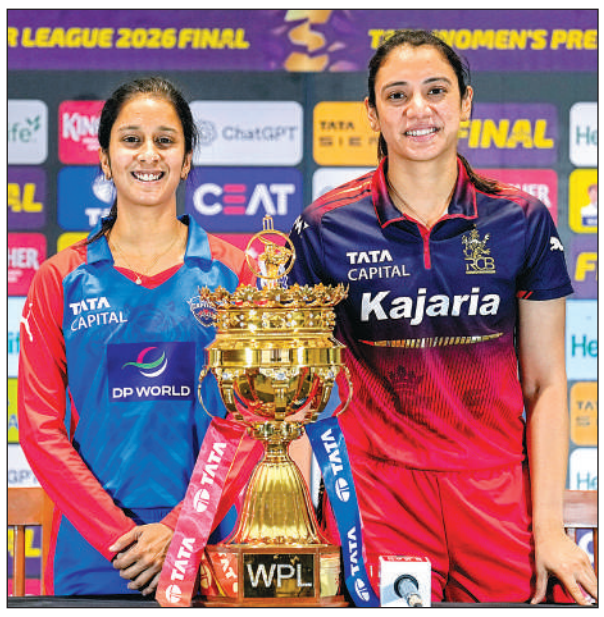

दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा रॉड्रिग्स (बाएं) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तान स्मृति मंधाना महिला प्रीमियर लीग फाइनल से पहले ट्रॉफी के साथ। एजेंसी

आरसीबी की निगाह दूसरे खिताब पर, मिथक तोड़ने उतरेगी दिल्ली

वडोदरा, एजेंसी

लीग चरण में खेल के प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके उत्साह से लबरेज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम गुरुवार को यहां होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के फाइनल में दूसरा खिताब जीतने की कोशिश करेगी जबकि पिछले तीन बार की उपविजेता दिल्ली कैपिटल्स की टीम खिताबी मुकाबले में हार के मिथक को तोड़ने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इन दोनों टीम के हाल के प्रदर्शन को देखते हुए यह निश्चित है कि फाइनल में रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा।

टीम

दिल्ली कैपिटल्स : जेमिमा रॉड्रिग्स (कप्तान), तानिया भाटिया, लुसी हैमिल्टन, चिनेले हेनरी, मारिजान काप, अलाना किंग, लिजेल ली, मिन्नू मणि, निकी प्रसाद, स्नेह राणा, शैफाली वर्मा, नंदनी शर्मा, श्री चरणी, प्रगति सिंह, सुजाना, लॉरा वोलवार्ट।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : स्मृति मंधाना (कप्तान), लॉरेन बेल, नादिन डी क्लर्क, ऋचा घोष, ग्रेस हैरिस, दयालन हेमलता, गौतमी नाइक, श्रेयांका पाटिल, कुमार प्रथ्योशा, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, सयाली सतघरे, लिन्से स्मिथ, पूजा वस्त्राकर, जॉर्जिया वोल, राधा यादव।

पूर्व चैंपियन आरसीबी ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है और मुश्किल परिस्थितियों में वापसी करने की अपनी क्षमता भी साबित की है। इसी जुझारूपन की बदौलत उसने लगातार पांच जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करते हुए इतिहास रचा। वह डब्ल्यूपीएल में ऐसा करने वाली पहली टीम बन गई। इस सत्र में आरसीबी की किसी न किसी खिलाड़ी ने जरूरत के समय अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसे हराना किसी भी टीम के लिए चुनौती बन गई है। स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली आरसीबी दूसरा खिताब जीतकर मुंबई इंडियंस की बराबरी करना चाहेगी। पिछले दो मैच में उसने शानदार प्रदर्शन करके अच्छी लय के साथ फाइनल में प्रवेश किया है। उसने यूपी वॉरियर्स को पिछले मैच में ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ग्रेस हैरिस की 75 रन की तूफानी पारी से आठ विकेट से हराया जबकि गुजरात जाएंट्स के खिलाफ गौतमी नाइक की 73 रन की पारी की मदद से 2024 की चैंपियन टीम ने 61 रन से जीत दर्ज की थी।

- **महिला प्रीमियर लीग का फाइनल शाम 7:30 बजे से**

आरसीबी की चिंता इस सत्र में उसके कुछ बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है। इनमें मंधाना, हैरिस, जॉर्जिया वोल और ऋचा घोष भी शामिल हैं लेकिन कुछ अवसरों पर उनका योगदान निर्णायक साबित हुआ है। वहीं तेज गेंदबाज़ नादिन डी क्लर्क और सायली सतघरे ने अहम मौकों पर शानदार प्रदर्शन किया है। दक्षिण अफ्रीका की नादिन डी क्लर्क ने इस सत्र में आठ मैचों में 15 विकेट लिए हैं जिनमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 22 रन देकर चार विकेट है। फाइनल में उनकी भूमिका निर्णायक साबित हो सकती हैं। श्रेयांका पाटिल टीम को स्पिन विभाग में मजबूती प्रदान करती हैं, जिसका प्रमाण गुजरात जायंट्स के खिलाफ मिली जीत में देखने को मिला, जिसमें उन्होंने पांच विकेट लिए थे। मंधाना की टीम की खासियत एक संतुलित और महत्वपूर्ण क्षणों में शानदार प्रदर्शन करना है।

अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड से टकराएगा भारत

सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया

हरारे, एजेंसी

भारत ने आरोन जॉर्ज (115 रन) के शानदार शतक के साथ आईपीएल स्टार वैभव सूर्यवंशी (68 रन) और आयुष म्हात्रे (62 रन) की धमाकेदार अर्धशतकीय पारियों की मदद से बुधवार को यहां अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया। भारत अब शुक्रवार को यहां फाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगा। यह अंडर-19 टूर्नामेंट में भारत का 10वां फाइनल होगा।

अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए फैसल शिनोजादा (110) और उजैरुल्लाह नियाजई (101) के शतकों की मदद से 310 रन बनाए। लेकिन भारत ने यह लक्ष्य 41.1 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस तरह अंडर-19 विश्व कप में भारत ने अब तक के सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा किया। आरोन (104 गेंद, 15 चौके, दो छक्के) ने बेहतरीन शॉट्स की मदद से शतक जड़ा। उन्हें सूर्यवंशी (33 गेंद, नौ चौके, चार छक्के) और म्हात्रे (59 गेंद, पांच चौके, चार छक्के) का पूरा साथ मिला जिससे भारत का रन-रेट पूरे समय सात से ऊपर ही रहा।

विस्फोटक पारी के दौरान शॉट लगाते वैभव सूर्यवंशी।

सूर्यवंशी ने अपने चिर परिचित अंदाज में बाउंड्री की झड़ी लगाकर पारी को शानदार शुरुआत दी जिसमें ऑफ-स्पिनर वाहिदुल्लाह जादरान के खिलाफ उन्होंने कई बेहतरीन शॉट्स लगाए। इसमें किस्मत ने भी उनका साथ दिया क्योंकि नियाजाई ने अब्दुल अजीज की गेंद पर बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का कैच छोड़ दिया, तब वह 22 रन पर थे। लेकिन इसके बावजूद सूर्यवंशी ने काफी आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने तेज गेंदबाज नूरिस्तानी उमरजई की गेंद पर एक शानदार हेलीकॉप्टर शॉट से छक्का भी लगाया।

सूर्यवंशी ने अपनी पारी में बार बार पुल शॉट खेलने की कोशिश की जो आखिरकार उनके आउट होने का कारण बना। उमरजई की गेंद पर वह सर्कल के अंदर उस्मान सादात के हाथों कैच आउट हुए। इस तरह पहले विकेट की साझेदारी 93 रन पर खत्म हुई। लेकिन आरोन ने फिर म्हात्रे के साथ मिलकर 102 गेंद में 114 रन की साझेदारी की और 27वें ओवर में भारत को 200 के पार पहुंचाया। म्हात्रे इस टूर्नामेंट में अपनी लय पाने के लिए संघर्ष कर रहे थे और उन्होंने सही समय पर अर्धशतक जड़ा। एक बार फिर आरोन ने एंकर की भूमिका निभाई जबकि म्हात्रे ने टीम को जरूरी रन रेट से आगे रखने के लिए जोखिम भरे शॉट खेले।

आरोन जॉर्ज।

- **आरोन जॉर्ज ने लगाया शतक वैभव सूर्यवंशी व आयुष म्हात्रे ने खेली विस्फोटक पारियां**

टी-20 विश्व कप : अभ्यास मैच

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 30 रनों से हराया

नवी मुंबई, एजेंसी

ईशान किशन की अगुआई में बल्लेबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच में बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 30 रनों से हरा दिया। भारत के 241 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 45), रियान रिकेल्टन (44), एडेन मारक्रम (38), जेसन स्मिथ (35) और मार्को यानसेन (31) की पारियों के बावजूद सात विकेट पर 210 रन ही बना सकी।

भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने 32 रन देकर दो विकेट चटकाए। ईशान ने इससे पहले 20 गेंद में सात छक्कों और दो चौकों से 53 रन की पारी खेलने के अलावा अभिषेक शर्मा (24) के साथ पहले विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी की जिससे भारत ने पांच विकेट पर 240 रन बनाए। चोट के बाद वापसी कर रहे तिलक वर्मा ने भी 19 गेंद में तीन छक्कों और इतने ही चौकों से 45 रन की पारी खेली। अक्षर पटेल (नाबाद 35), कप्तान सूर्यकुमार यादव (30) और हार्दिक पंड्या (30) ने भी उपयोगी योगदान दिया। उम्मीद है कि ईशान सात फरवरी को वानखेड़े स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ भारत के पहले टी20 विश्व कप मैच में अभिषेक के साथ पारी का आगाज करेंगे। लक्ष्य का पीछा करने उतरे दक्षिण अफ्रीका ने पहले ओवर में ही जॉर्ज लिंडे (00) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने अर्शदीप सिंह की गेंद पर पंड्या को कैच थमाया। मारक्रम ने पंड्या पर लगातार तीन छक्कों के साथ तेवर दिखाए और फिर अर्शदीप पर भी छक्का जड़ा। रिकेल्टन ने भी हर्षित राणा की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारा। मारक्रम 19 गेंद में चार छक्कों और दो चौकों से 38 रन बनाकर रिटायर आउट हो गए। रिकेल्टन ने कुलदीप यादव का स्वागत लगातार दो छक्कों के साथ किया लेकिन डेवाल्ड ब्रेविस सिर्फ दो रन बनाकर शिवम दुबे की गेंद पर वर्मा को कैच दे बैठे। वरुण चक्रवर्ती ने अपनी पहली ही गेंद पर रिकेल्टन को विकेटकीपर इशान के हाथों कैच कराया जबकि अक्षर ने डेविड मिलर (13) की पारी का अंत करके दक्षिण अफ्रीका का स्कोर पांच विकेट पर 100 रन किया। जेसन स्मिथ ने कुलदीप पर छक्का मारा।

- **ईशान किशन ने खेली ताबड़तोड़ पारी, अभिषेक ने लिए दो विकेट**

पिस्टल शूटर ईशा सिंह ने दिलाए दो स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी

ओलंपियन ईशा सिंह ने पिछले साल के अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए बुधवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप (पिस्टल/राइफल) के पहले दिन महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता और भारत को टीम वर्ग में भी पीला तमगा दिलाने में मदद की, लेकिन विश्व चैंपियन सम्राट राणा को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

21 वर्षीय ईशा ने फाइनल में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 239.8 अंक हासिल किए। उन्होंने चीनी ताइपे की दो निशानेबाजों चेंग येन चिंग (235.4, रजत) और यू ऐ वेन (217.7, कांस्य) के अलावा हमवतन सुरुचि सिंह की कड़ी चुनौती से पार पाकर सीनियर एशियाई चैम्पियनशिप में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। इस निशानेबाज ने पिछले साल चीन के निंगबो में आईएसएसएफ विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 2024 में 19 वर्ष की आयु में जकार्ता में अपना पहला महाद्वीपीय खिताब जीता था। पहले 10 शॉट के चरण के बाद फाइनल में बढ़त बनाने वाली 19 वर्षीय सुरुचि एलिमिनेशन राउंड में पिछड़ गईं और चौथे स्थान पर रहीं, जबकि पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने और आठ निशानेबाजों के फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी भारतीय मनु भाकर सातवें स्थान पर रहीं।

ईशा ने संयम बनाए रखते हुए 10.4 और उससे अधिक के तीन स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक के लिए अपना दावा मजबूत किया जबकि इस बीच चीनी ताइपे की दोनों निशानेबाज पिछड़ गई। क्वालीफाइंग राउंड में सुरुचि 576 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि मनु और ईशा दोनों का स्कोर 575 रहा। इन तीनों ने फाइनल में जगह बनाई। सुरुचि (576), मनु (575) और ईशा (575) की तिकड़ी ने कुल 1726 अंकों के साथ टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता।

इससे पहले विश्व चैंपियन सम्राट पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। पिछले साल काहिरा में विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले सम्राट ने क्वालीफाइंग राउंड में 581 का स्कोर बनाकर दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई।

एशियाई चैंपियनशिप

- **विश्व चैंपियन सम्राट राणा को करना पड़ा कांस्य पदक से संतोष**

डेविड मिलर के आउट होने पर जश्न मनाते ईशान किशन और अक्षर पटेल। एजेंसी

चेल्सी को हराकर आर्सेनल पहुंचा इंग्लिश लीग कप के फाइनल में

लंदन, एजेंसी

आर्सेनल ने इस सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चेल्सी को हराकर इंग्लिश लीग कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। काई हावर्ट्ज ने मंगलवार को खेले गए सेमीफाइनल के दूसरे चरण में अपने पूर्व क्लब के खिलाफ स्टॉपेज टाइम में गोल किया जिससे आर्सेनल ने चेल्सी को 1-0 से हराया।

इस तरह से उसने कुल मिलाकर 4-2 के अंतर से जीत हासिल की। आर्सेनल की टीम ने 2020 से कोई ट्रॉफी नहीं जीती है लेकिन इस सत्र में उसने अब तक बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

उसकी टीम प्रीमियर लीग में छह अंकों की बढ़त के साथ 2004 के बाद पहली बार इंग्लिश चैंपियन बनने की दौड़ में है और लगातार आठ जीत के बाद चैंपियंस लीग तालिका में भी शीर्ष पर है। इसके अलावा आर्सेनल एफए कप के चौथे दौर में भी पहुंच गया है। इंग्लिश लीग कप के फाइनल में आर्सेनल का मुकाबला 22 मार्च को मैनचेस्टर सिटी या न्यूकैसल से होगा। मैनचेस्टर सिटी की टीम सेमीफाइनल के पहले चरण के बाद 2-0 से आगे है।

गोल का प्रयास करते आर्सेनल के गैब्रियल मार्टिनेली (बाएं) और चेल्सी के ट्रेवोह चालोबा।

कोपा डेल रे के सेमीफाइनल में पहुंचा बार्सिलोना

मैड्रिड। लामिन यामल और रोनाल्ड अरौजो ने प्रत्येक हाफ में एक-एक गोल किया, जिससे बार्सिलोना ने मंगलवार को दूसरी श्रेणी की टीम अल्बासेटे को 2-1 से हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अल्बासेटे ने राउंड ऑफ 16 में रियाल मैड्रिड को हराकर सबको चौंका दिया था।

बार्सिलोना के सामने भी उसने अच्छी चुनौती पेश की। बार्सिलोना की सभी टूर्नामेंटों में खेले गए पिछले 17 मैचों में यह 16वीं जीत है। वह लगातार चौथी बार कोपा सेमीफाइनल में पहुंचा है। उसने पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड को हराकर खिताब जीता था। बार्सिलोना स्पेनिश लीग में शीर्ष पर है और रियाल मैड्रिड से एक अंक आगे है। कोपा का सेमीफाइनल दो चरणों में खेला जाएगा। फाइनल अप्रैल में सेविला में होगा।

कवायद

चार साल बाद लौटे मुख्य कोच चाहते हैं टीम को जीत की पटरी पर लाना

महिला हॉकी टीम में एकता वापस लाना चाहते मारिन

नई दिल्ली, एजेंसी

चार साल बाद भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच के तौर पर वापसी करने वाले शोर्ड मारिन का ध्यान टीम में एकता, अनुशासन और संस्कृति वापस लाने पर है। उनकी नजरें 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली टीम बनाने पर टिकी हैं।

नीदरलैंड के 71 साल के कोच मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय टीम के प्रभारी थे और उनके मार्गदर्शन में महिला टीम ने टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथा स्थान हासिल किया था। उन्होंने हरेंद्र सिंह की जगह ली है, जिनके मार्गदर्शन में भारत पिछली एफआईएच प्रो लीग में आखिरी स्थान पर रहा था और बाद में उसे एफआईएच नेशंस कप में खिसका दिया गया।

मारिन ने बुधवार को वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा मेरा मुख्य ध्यान एक इकाई बनाने पर है, जो बहुत जरूरी है, और संस्कृति वापस लाना है। एक टीम के तौर पर मिलकर काम करना, विश्व कप क्वालीफायर से पहले कम समय में अपना ज्ञान साझा करना, और यह एक बड़ी चुनौती होने वाली है। उन्होंने कहा एक इकाई, अनुशासन और कार्य आधारित रवैया आपको पदक दिलाएगा। अच्छी बात यह है कि जो स्तर मैंने अब अभ्यास मुकाबलों में देखा है, वह बहुत बेहतर है। हालात बहुत बेहतर हैं, फिटनेस बेहतर है। 2017 में जब मैं जुड़ा था तो स्तर कम था लेकिन इन वर्षों में इसमें सुधार हुआ है।

मारिन ने कहा जब मैंने शुरू किया था उसकी तुलना में अब बहुत बेहतर स्तर है, उनमें गति है। जब मैं सवाल पूछता हूं तो मुझे अधिक जवाब मिलते हैं क्योंकि अब 80 प्रतिशत लड़कियां अंग्रेजी बोलती हैं, वे पढ़ाई कर रही हैं। सब कुछ बेहतर हुआ है। मारिन ने कहा कि वह एक-एक कदम करके आगे बढ़ेंगे क्योंकि टीम आने वाले महीनों में कुछ बड़े टूर्नामेंट के लिए तैयार हो रही है। यह मेरे लिए कदम दर कदम आगे बढ़ने का रवैया है। पहले वर्ल्ड कप क्वालीफायर और फिर नेशंस कप। मुझे पता है कि क्या करना है। मुझे पता है कि मैं 2028 में टीम को कैसा देखना चाहता हूं। टीम के सभी 29 खिलाड़ी मेरे लिए महत्वपूर्ण हैं।

आने वाली बड़ी प्रतियोगिताओं पर हैं नजरें

महिला टीम की नजरें आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होने वाले एफआईएच महिला विश्व कप क्वालीफायर, 2026 एशियाई खेल और ओलंपिक चक्र में आने वाली बड़ी प्रतियोगिताओं पर टिकी हैं। मारिन ने कहा लक्ष्य लॉस एंजिलिस के लिए क्वालीफाई करना है और मेरे लिए यह एक बहुत, बहुत अच्छी और बड़ी चुनौती है। इसे हासिल करना आसान नहीं होगा, क्योंकि दूसरे देशों ने भी प्रगति की है। चुनौती यह है कि इतने सारे टूर्नामेंट आने वाले हैं और इसलिए मैंने 29 खिलाड़ियों की एक बड़ी टीम रखी है। उन्होंने कहा हर टूर्नामेंट महत्वपूर्ण है, लेकिन आखिर में एशियाई खेल महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यह ओलंपिक क्वालीफायर है।